रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 79] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 24, 2003/चैत्र 3, 1925

No. 79] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 24, 2003/CHAITRA 3, 1925

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय : इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ताईवान से नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी (मध्यावधि समीक्षा) जांच।

फा. सं. 57/1/2001-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 22.2.2000 की अधिसूचना सं0 31/1/1998 द्वारा अंतिम जांच परिणामों को अधिसूचित किया था जिसमें इंडोनेशिया, कोरिया थाईलैंड और ताईवान मूल के या वहां से निर्यातित नॉयलान टायर कोर्ड फैब्रिक के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

(ख) सीमाशुल्क टैरिफ (सेशोधन) अधिनियम, 1995 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में अपेक्षित है कि प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की समय-समय पर समीक्षा करें। घरेलू उद्योग ने दिनांक 29 अक्तूबर, 2001 के पत्र द्वारा, प्राधिकारी के दिनांक 22.2.2000 की अधिसूचना सं0 31/1/1998 में की गई सिफारिशों का परिवर्तित परिस्थितियों में पुनरीक्षण करने का अनुरोध किया था। घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि अनंतिम अधिसूचना के तत्काल पश्चात् सीमाशुल्क में कटौती से, सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के विरूद्ध घरेलू उद्योग को दी गई सुरक्षा के संघटन में कमी हुई थी।

(ग) दिनांक 22.2.2000 की अधिसूचना सं0 31/1/98-एडीडी द्वारा किए गए अतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय करने पर प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी

शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार सम्बद्ध देशों से एन टी सी एफ पर पाटनरोधी शुल्क लगाने को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए इन जांचों को प्रारंभ किया था । इस समीक्षा में 22.2.2000 को जारी अधिसूचना सं0 31/1/98-एडीडी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है ।

(घ) प्राधिकारी ने अधिसूचना सं0 57/1/2001-डीजीएडी दिनांक 23 नवम्बर, 2001 द्वारा सम्बद्ध देशों से एनटीसीएफ पर लगाए गए पाटन रोधी शुल्क की समीक्षा आरंभ की थी तथा हितबद्ध पार्टियों से पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था।

(ङ.) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 3 जून, 2002 को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । उन सभी हितबद्ध पार्टियों से, जिन्होंने मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, लिखित निवेदन करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उनका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।

(च) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों तथा टर्की के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाईल उपलब्ध करवाई ।

(छ) याचिकाकर्त्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए तर्कों पर इन जांच परिणामों में उचित कार्रवाई की गई है ।

(ज) उक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए कर दिया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है ।

(झ) इस अधिसूचना में *** चिह्न यह दर्शाता है कि उक्त सूचना हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई थी और नियमों के अनुसार प्राधिकारी ने भी इसे गोपनीय ही माना है ।

(य) जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 (नौ महीने) तक की है ।

ख. वर्तमान जांच में शामिल विचाराधीन उत्पाद नॉयलान टायर कोर्ड फैब्रिक (एन टी सी एफ) है जो सम्बद्ध देशों के मूल का है अथवा वहां से निर्यातित है तथा जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 5902.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है । यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक तथा वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है ।

एनटीसीएफ का प्रयोग विभिन्न प्रकार के टायरों जैसे बस और ट्रक टायर, टू विह्लर टायर, हल्के व्यावसायिक वाहन, जानवरों द्वारा चलाए जाने वाले वाहनों में होता है । एन टी सी एफ का प्रयोग गैर-टायर उद्योगों में भी होता है । एन टी सी एफ विभिन्न डिनायरों के हैं ।

किसी भी हितबद्ध पार्टी ने विचाराधीन उत्पाद और जांच के कार्यक्षेत्र के संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई है । फिर भी, मै0 फोरमोसा ने मूलतः ग्रे एन टी सी एफ के संबंध में ही सूचना प्रदान की है जिसमें उल्लेख किया गया है कि जांच केवल ग्रे एन टी सी एफ के संबंध में है । कम्पनी ने डिप्ड एन टी सी एफ के संबंध में भी सूचना प्रदान की थी । इस प्रकार फोरमोसा ने भी

स्वीकार किया है कि जांच एन टी सी एफ के सभी प्रकारों से संबंधित है । अतः प्राधिकारी का विचार है कि विचाराधीन उत्पाद नायॅलान टायर कोर्ड फैब्रिक है जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 5902.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत किया है ।

ग. समान वस्तुएं

3. याचिकाकर्त्ताओं ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेचा जाने वाला एन टी सी एफ तथा सम्बद्ध देशों से आयातित उत्पाद का भारत में उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है । सम्पूर्ण विश्व में उत्पाद के निर्माण की प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी मशीनरी, कच्चे माल, निर्माण प्रक्रिया के रूप में तकरीबन एक जैसी है सिर्फ थोड़े से अंतरों को छोड़कर जैसे योगज, सामग्री हैंडलिंग में आटोमेशन आदि । इन तर्कों पर कोई विवाद नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित उत्पाद के समान वस्तु हैं ।

उपर्युकत को देखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एन टी सी एफ तथा सम्बद्ध देशों से आयात किए जा रहे एन टी सी एफ को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है तथा दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं । अतः पाटनरोधी नियमों के अर्थ के अंतर्गत इन्हें समान वस्तु माना गया है ।

(क) समान वस्तु पर घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचारः

थाई बड़ौदा ने यह माना है कि उनके द्वारा निर्यातित एन टी सी एफ तथा उत्पादकों द्वारा उत्पादित उत्पाद समान वस्तुए हैं । उनका कहना है कि उत्पाद की कीमतें और लागत डिनाईरेज़ के संदर्भ में भिन्न-भिन्न हैं । इससे जांच पर कोई अंतर नहीं पड़ता । थाई बड़ौदा को उनके द्वारा निर्यातित एन टी सी एफ, ग्रे फैब्रिक के लिए तथा वस्तु डिप्ड फैब्रिक के लिए अलग-अलग ब्यौरे देना आवश्यक है। इन दो श्रेणियों में विभिन्न डिनाइरेज़ के लिए अलग परिशिष्ट दिए जाने चाहिएं । उनके द्वारा प्रत्येक डिनाईरेज़ के लिए उत्पादन लागत अलग से भी प्रस्तुत की जाएगी । प्राधिकारी पाटन मार्जिन निकालने के लिए समान वस्तुओं के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करेगा । (थाईलैंड में 840 डिप्ड तथा भारत में 840 डिप्ड) चूंकि जिस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है वह एन टी सी एफ है अतः प्राधिकारी को प्रत्येक उत्पाद के प्रत्येक प्रकार हेतु पाटनमार्जिन एकल औसत दर पर जोड़ना होगा ।

(ख) समान वस्तुओं पर निर्यातकों द्वारा निवेदनः-

थाई बड़ौदा, थाईलैंड

1. हालांकि इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं थाई बड़ौदा द्वारा निर्यात की जा रही वस्तुओं के समान वस्तु हैं अतः यह निवेदन किया गया है कि कम्पनी अब केवल डिप्ड एन टी सी एफ निर्यात कर रहा है । इसके अतिरिक्त एन टी सी एफ के विभिन्न डिनायर हैं जो लागत के मामले में भिन्न-भिन्न हैं । अतः थाई बड़ौदा ने याचिकाकर्त्ता के इस दावे का खंडन किया है कि एन टी सी एफ के विभिन्न प्रकार अपनी लागतों और कीमतों के अर्थ में भिन्न नहीं हैं । चूंकि एन टी सी एफ का उत्पादन विभिन्न डिनाइरों में होता है अतः विभिन्न डिनाइरों की

उत्पादन लागत उल्लेखनीय रूप से अलग-अलग होती हैं । इसके अतिरिक्त कम्पनी द्वारा भारत को बेचा जा रहा उत्पाद मिश्रण घरेलू बाजार में बेचे जा रहे मिश्रण से भिन्न था ।

(ग) **समान वस्तु पर प्राधिकारी द्वारा जांच:-**

नियमावली के नियम 2(घ) में निर्दिष्ट है कि समान वस्तु का अभिप्राय उस वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद के साथ हर तरह से समरूप और समान हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मेल खाती हों ।
कुछ हितबद्ध पार्टियों ने डिप्ड और ग्रे फैब्रिक में लागत के रूप में अंतर तथा डिनाइरेंज के आधार पर याचिकाकर्त्ता द्वारा निर्मित और आयातित विभिन्न ग्रेडों के बीच अंतर पर भी बल दिया है । प्राधिकारी ने नोट किया कि विभिन्न डिनायरों के लिए कच्चे माल का संघटन और उत्पादन प्रक्रिया एक जैसी है । प्राधिकारी ने आगे नोट किया है कि ग्रे फैब्रिक की कुल उत्पादन लागत की तुलना में डिप्ड फैब्रिक हेतु डिपिंग लागत केवल थोड़ी सी है तथा 10% से अधिक नहीं है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे कोई भौतिक अंतर या तकनीकी विशिष्टताएं नहीं हैं (भार को छोड़कर) जो सम्बद्ध वस्तुओं के विभिन्न डिनायरों/ग्रेडों में अंतर करे ।

अतः प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि निर्मित उत्पाद (विभिन्न ग्रेडों में) तथा याचिकाकर्त्ता द्वारा निर्मित उत्पाद की बुनियादी प्रक्रिया और प्रयोग एक समान हैं । इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है तथा विभिन्न ग्रेडों में आयातित उत्पाद और याचिकाकर्त्ता द्वारा निर्मित उत्पाद जो इस जांच का मुद्दा है, के बीच प्रतिस्पर्द्धा है ।

यह निर्धारित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों में सम्बद्ध वस्तुएं इंडोनेशिया, कोरिया, थाईलैंड और ताइवान से निर्यातित एन टी सी एफ के विभिन्न ग्रेडों की सम्बद्ध वस्तुएं समान वस्तुएं हैं, प्राधिकारी ने तकनीकी विशिष्टताओं, निर्माण प्रक्रिया, कार्य और प्रयोग तक टैरिफ वर्गीकरण को ध्यान में रखा । सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध उत्पादों और याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादित उत्पाद की भौतिक विशिष्टताएं, उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रयोग एक समान हैं । सम्बद्ध उत्पाद की एक दूसरे से तथा अन्य देशों से आयातित एवं इसके साथ-साथ घरेलू समान उत्पाद के साथ सीधे प्रतिस्पर्द्धा है ।

प्राधिकारी ने पाया कि इस तर्क पर कोई विवाद नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तुओं की विशेषताएं आयातित सामग्री के समान हैं तथा सम्बद्ध देशों से वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों रूप में विभिन्न ग्रेडों में आयातित एन टी सी एफ द्वारा प्रतिस्थापनीय हैं । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सभी ग्रेडों के एन टी सी एफ को नियम 2 (घ) के अर्थ के भीतर इंडोनेशिया, कोरिया, थाईलैंड और ताईवान से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना जाता है ।

घरेलू उद्योग:-

4. समीक्षा याचिका, मै0 एस आर एफ लि0, नई दिल्ली, मैं0 एन आर सी लि0, मुम्बई, मैं निर्लोन लि0, मुम्बई तथा मै0 टी एफ एल की ओर से सिंथेटिक फाईबर उद्योग संघ द्वारा दायर की गई है । (मई,2000 से मैं0 एस आर एफ लि0 की 100% सहायक) एन टी सी एफ का कुल उत्पादन तथा याचिकाकर्त्ता का उत्पादन नीचे दिया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस सूचना के अनुसार (दिनांक 29.10.01 के पत्र द्वारा प्रदान की गई) घरेलू उद्योग ने मै0 एन आर सी की

संस्थापन क्षमता 6400 एम टी तथा मै0 सेंचुरी एंका की 10900 एम टी बताई है जबकि लागत ब्यौरों और तुलनपत्र (सेंचुरी के) में दी गई सूचना के अनुसार इन फर्मों की संस्थापन क्षमता क्रमशः 7500 एमटी और 12000 एमटी है । इसके अतिरिक्त मै0 एन आर सी का वर्ष 1999-2000 का उत्पादन 5885 एम टी दिया गया है जबकि लागत ब्यौरों के अनुसार यह 6343 एम टी दर्शाया गया है । इसी प्रकार, मै0 निर्लोन का उत्पादन 5062 एम टी दर्शाया गया है जबकि लागत ब्यौरों के अनुसार यह 5688 एम टी है । उपर्युक्त को देखते हुए, संगत आंकड़ों में तद्नुसार संशोधन किया गया है:-

मात्रा (एमटी)

कम्पनी का नाम	संस्थापन क्षमता(एमटी)	1998-99	1999-2000	जांच अवधि(अप्रैल 2000-मार्च,01)
एसआरएफ लि0	18300	17507	19145	16468
एनआरसी लि0	7500	5776	6343	6116
निर्लोन लि0	7200	4979	6098	5688
टीएफएल	6500	1493	2945	2140
घरेलू उद्योग द्वारा एनटीसीएफ का कुल उत्पादन	39500	29755	34531	30412
अन्य (सेंचुरी एंका लि0)	12000	9396	10372	10093
कुल	51500	39151	44903	40505
याचिकाकर्त्ता का हिस्सा	77%	76%	77%	75%

ड. हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारः-

निर्यातकों द्वारा दिए गए निवेदनः-

(क) पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज टीबीके, इंडोनेशियाः

1. पीटीजीटी की स्थापना 1986 में की गई थी । फैक्टरी टेंगरंग में स्थित है । घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार हेतु टायर कोर्ड फैब्रिक के उत्पादन के लिए कम्पनी की कोई अन्य फैक्टरी शामिल नहीं है ।

2. टायर कोर्ड फैब्रिक बनाने में मुख्य कच्ची सामग्री नॉयलान 6 यार्न स्थानीय रूप से प्राप्त किया जाता है, आयातित कच्चे माल का अनुपात बहुत सीमित है तथा इसमें मुख्य सहायक सामग्री जैसे केमिकल सोल्यूशन शामिल हैं । बशर्ते कि इन सभी स्थानीय और आयातित कच्चे माल पर 10% तक का मूल्यवर्धित कर लगाया जाए । परंतु यह 10% मूल्यवर्धित कर को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में, सामान्यतः दिसम्बर के महीने में वापिस किया जा सकता है ।

3. भारत को निर्यातित मुख्य स्टाईल, 840 डी/2, 1260 डी/2 तथा 1680 डी/2 के ग्रे नॉयलान 6 टायर कोर्ड हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

1. कंपनी ने इंडोनेशिया में 840डी/2 तथा 1260डी/2 में टायर निर्माण कम्पनियों के लिए परिशिष्ट 1 के अनुसार घरेलू बाजार में बिक्री के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं ।
2. उन्होंने परिशिष्ट 2 में भारत को निर्यात के संबंध में सूचना प्रदान की है । निर्यातित स्टाईल 840डी/2,1260 डी/2 तथा 1680 डी/2 स्टाईल के ग्रे नॉयलान 6 टायर कोर्ड हैं ।
3. जांच अवधि तथा अनुवर्ती दो वर्षों (1998-99) के दौरान भारत, घरेलू बाजार और अन्य देशों को निर्यात हेतु बिक्री के आंकड़े परिशिष्ट 3क, 3ख और 3 ग में दिए गए हैं ।
4. भारत को निर्यात, घरेलू बिक्रियों और अन्य देशों को निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचा परिशिष्ट 4 से 6 और 6 ख में दिया गया है ।
5. भारतीय बिक्री के लिए कमीशन फॉब मूल्य पर *** %हैं । स्थानीय बाजार और गैर भारतीय बाजार के लिए कमीशन वही है अर्थात् फॉब मूल्य *** है । पैकिंग, बीमा, स्टोरेज, हैंडलिंग, कर, मरम्मत और अनुरक्षण की औसत लागत मूल्यों को अतिरिक्त व्यय के लागत परिकलन में पहले ही शामिल कर लिया गया है ।
6. विदेशी भाड़ा प्रभार में पत्तन प्रभार पहले ही शामिल हैं ।
7. 10% मूल्यवर्धितकर के रूप शुल्क और बिक्री कर को बिक्री कीमत ढांचे में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि कम्पनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में प्रतिपूर्ति के लिए पात्र हैं ।
8. कम्पनी के लिए क्लीयरेंस तथा हैंडलिंग लागू नहीं होती ।
9. प्रतिवादी ने परिशिष्ट 8 में भारत को किए गए निर्यातों की फैक्टरी लागत और परिशिष्ट 9 और 10 में घरेलू बिक्री और गैर भारतीय देशों की फैक्टरी लागत प्रस्तुत की है ।
10. प्राधिकारी द्वारा दिनांक 21 जुलाई, 2002 को जारी कमियाँ दर्शाने वाले पत्र के प्रत्युत्तर में निर्यातक ने दिनांक 3 जुलाई 2002 को उत्तर प्रस्तुत किए हैं ।

(ख) मै0 हाओसंग कॉरपोरेशन, कोरिया

1. मै0 हाओसंग टी एण्ड सी की स्थापना 1966 में की गई थी । 1998 में टी एण्ड सी हाओसंग कॉरपोरेशन के साथ समायोजित हो गया था ।
2. एचसी ने संबंधित उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री विदेशी और घरेलू सप्लायरों के क्रय की तथा जब विदेशी सप्लायरों से की गई खरीददारी के लिए उचित आयात शुल्क का भुगतान किया गया है । एच सी को कोरिया सरक़ार से शुल्क की वापसी भी हुई ।
3. एचसी ने परिशिष्ट 1 में घरेलू बाज़ार में बिक्री से संबंधित सूचना दायर की है । आंकड़े 1260डी/2 डिप फैब्रिक और 1890डी/2 डिप फैब्रिक के लिए हैं ।
4. भारत को किए गए निर्यात और 1260डी/2 कच्चे फैब्रिक और 1680डी/2 डिप तथा कच्चे फैब्रिक से संबंधित सूचना परिशिष्ट 2 में दी गई है ।
5. कम्पनी की वस्तुओं की बिक्री परिशिष्ट-3 में दी गई है ।
6. निर्यात और घरेलू बिक्रियों तथा भारत को छोड़कर अन्य देशों के लिए बिक्री कीमत ढांचा क्रमशः परिशिष्ट 4,5, और 6 में दिया गया है ।
7. लाईसेंसीकृत क्षमता, संस्थापन क्षमता, उत्पादन और बिक्री दर्शाने वाला विवरण परिशिष्ट 7 में दिया गया है ।

8. निर्यात और घरेलू बिक्री तथा भारत को छोड़कर अन्य देशों के लिए फैक्टरी लागत तथा लाभ क्रमशः परिशिष्ट 8,9 और 10 में दिए गए हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

1. निर्यातक द्वारा दायर प्रत्युत्तर की जांच करने के पश्चात् निर्यातक को दिनांक 21 जून, 2002 को एक कमी दर्शाने वाला पत्र जारी किया था जिसमें प्रत्युत्तर की कमियों पर स्पष्टीकरण मांगा गया था । प्राधिकारी ने उपर्युक्त कमी दर्शाने वाले पत्र में यह भी उल्लेख किया था कि एच सी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रत्युत्तर के अगोपनीय रूपांतर की प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रदान नहीं की गई थी ताकि वे अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर सकें । अगोपनीय प्रत्युत्तर की एक प्रति शीघ्र मांगी गई थी ऐसा न होने पर यह कहा गया था कि प्राधिकारी के पास संगत पाटनरोधी नियमावली के अर्थों में संपूर्ण प्रत्युत्तर को रद्द करने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं । कमी दर्शाने वाले पत्र में यह भी बताया गया था कि जांच अवधि तथा पिछले दो वर्षों में तुलनपत्र और लाभ एवं हानि लेखा की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गई थी तथा एच सी से उन्हें प्रदान करने के लिए कहा गया था ।

2. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एच सी, कोरिया ने कमी बताने वाले पत्र का कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया है ।

(ग) **मै थाई बड़ौदा, थाईलैंड**

1. थाई बड़ौदा ने एन टी सी एफ के दो प्रकारों की बिक्री की है: (क) " ए" ग्रेड एन टी सी एफ तथा (ख) "बी" ग्रेड एन टी सी एफ तथा ग्रेड की विशिष्टता निर्यात बीजक में दी गई है । कम्पनी ने भारत और घरेलू बाजार में केवल डिप्ड फैब्रिक बेचा है । तद्नुसार प्रदान की गई सूचना "ए" और "बी" ग्रेड में विभाजित डिप्ड एनटीसीएफ के संबंध में है ।

2. संबद्ध वस्तुएं डिनायरों की संख्या में बेची गई हैं । कम्पनी ने घरेलू बाजार में 840/2, 1260/2 तथा 1890/2 डिनायर की बिक्री की तथा भारत को 840/2, 1260/2, 1260/3 तथा 1680/2 डिनायर का निर्यात किया ।

3. थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0 की स्थापना 1990 में एक लिमिटेड कम्पनी के रूप में की गई थी ।

4. कम्पनी, जांच अवधि में बिना सीमाशुल्क कच्चे माल के आयात के लिए पात्र थी । कम्पनी ने शुल्क दिए बिना कच्चा माल आयात करने के इस प्रेरक का उपयोग किया ।

5. कम्पनी ने घरेलू बाज़ार में बिक्री के ब्यौरे परिशिष्ट I में तथा भारत को बिक्री के ब्यौरे परिशिष्ट 2 में संलग्न किए हैं तथा बिक्री की मात्रा भारत और घरेलू बाजार को बिक्री के लिए प्रति यूनिट निवल बिक्री वसूली के ब्यौरे परिशिष्ट 3 में दिए गए हैं ।

6. भारत को निर्यात तथा घरेलू बाजार के संबंध में कीमत ढांचा तथा बिक्री प्रबंधन परिशिष्ट 4 तथा 5 में दिए गए हैं ।

7. लाइसेंस, संस्थापन क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री पर सूचना, परिशिष्ट 7 में दी गई है । पिछली जांच अवधि से अब तक थाई बड़ौदा की क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है ।

8. भारत को निर्यात तथा घरेलू बाज़ार के लिए फैक्टरी लागत और बिक्री कीमत परिशिष्ट 8 और 9 में दी गई हैं । उन्होंने बताया है कि घरेलू बाज़ार में कम्पनी की बिक्री उत्पादन लागत से कम थी । इस प्रकार जांच अवधि में कम्पनी द्वारा घरेलू बाजार में की गई बिक्री व्यवहार्य बिक्रियां थीं ।

9. थाई बड़ौदा को निर्यातित वस्तुओं के उत्पादन में प्रयोग किए गए कच्चे माल के लिए शुल्क रहित आयात का लाभ प्राप्त हुआ था । घरेलू बाजार में बिक्री के लिए उत्पादित वस्तुओं के संबंध में बिना शुल्क कच्चे माल के आयात का लाभ प्राप्त नहीं था । उत्पादन में प्रयुक्त तकरीबन 90% कच्चे माल का आयात किया गया है । अतः कच्चे माल के आयात पर कम्पनी द्वारा सीमाशुल्क देने के कारण घरेलू बाज़ार में उत्पादन लागत अधिक है ।

10. भारत को निर्यातों के मामले में भुगतान साईट पर साख-पत्र पर किया जाता है । इसके विपरीत घरेलू बिक्रियां असुरक्षित है तथा घरेलू बिक्रियां साख-पत्र के आधार पर नहीं होती जिसके परिणामस्वरूप कम्पनी को घरेलू बाजार में बिक्रियों के संबंध में बहुत अधिक ऋण लेना पड़ता है तथा भुगतान सहमति अवधि के भी पश्चात् प्राप्त होता है । इस प्रकार भारत को निर्यात और घरेलू बाजार में बिक्रियों के संबंध में कम्पनी की चल पूंजी आवश्यकताएं भिन्न हैं ।

11. भारत में अधिकतर निर्यात बिक्रियों में कोई उधार नहीं है । घरेलू बाजार में बिक्रियां 30 दिन से 90 दिन तक के उधार पर होती हैं । इसके अतिरिक्त घरेलू बाजार में गैर वसूली बिक्रियां का जोखिम अधिक है ।

12. कम्पनी ने जांच अवधि के लिए लाभ एवं हानि विवरण और तुलन-पत्र तथा 30 सितम्बर, 1999 तथा 30 सितम्बर, 2000 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्षों तथा तीन माह की वित्तीय अवधि - अक्तूबर-दिसम्बर 2000 के लिए परीक्षित लेखे संलग्न किए हैं । तदन्तर कम्पनी ने जांच अवधि के लिए यथा-परीक्षित शेष परीक्षण समूहन, शेष परीक्षण, लाभ एवं हानि विवरण तथा तुलन-पत्र प्रस्तुत किए हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

1. दिनांक 21 जून, 2002 के कमी दर्शाने वाले पत्र द्वारा प्राधिकारी ने स्पष्टीकरण और अतिरिक्त सूचना/प्रलेखन संबंधी सूचना मांगी थी । निर्यातक से जांच अवधि अर्थात् अप्रैल 2000-मार्च 2001 तथा पिछले दो वर्षों के लिए परीक्षित लाभ तथा हानि लेखा और तुलन-पत्र की एक-एक प्रति प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था ।

2. कम्पनी ने प्राधिकारी द्वारा दिनांक 5 जुलाई, 2002 को जारी कमी दर्शाने वाले पत्र का उत्तर दिया है । निर्यातक ने स्पष्ट किया है कि परिशिष्ट 1 में दी गई सूचना केवल डिप्ड फैब्रिक से संबंधित है क्योंकि थाई बड़ौदा ने जांच अवधि के दौरान न तो भारत को ग्रे फैब्रिक का निर्यात किया और न ही उसे घरेलू बाजार में बेचा । निर्यातक ने स्पष्ट किया है कि मूल जांच में भारतीय उत्पादकों द्वारा प्रदान की गई सूचना जिस रूप में प्रस्तुत की गई थी तथा प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जो प्रणाली अपनाई गई, उसको देखते हुए थाई बड़ौदा ने कम्पनी द्वारा दो बाज़ारों में की गई बिक्री के डिनायर अनुसार ब्यौरे प्रदान नहीं किए हैं । थाई बड़ौदा द्वारा प्रदान की गई इस सूचना को प्राधिकारी इसे महत्वपूर्ण मानेंगे एवं घरेलू उद्योग ने इसी प्रकार से सूचना प्रस्तुत की है ।

3. जहां तक थाई बड़ौदा के वित्तीय लेखों का संबंध है, यह स्पष्ट किया गया है कि पिछली अवधियों की तीन वार्षिक प्रकाशित रिपोर्टें उनके द्वारा पहले प्रस्तुत की गई हैं । जांच अवधि के लिए लाभ एवं हानि विवरण और तुलनपत्र कमी दर्शाने वाले पत्र के उनके उत्तर को साथ संलग्न था ।

4. प्राधिकारी द्वारा विभिन्न प्रश्नों के प्रत्युत्तर में निर्यातक ने कच्चा चिट्ठा और ग्रुपिंग तथा इन दस्तावेजों की यथा-परीक्षित प्रति भी प्रदान की ।

(घ) मै0 फोरमोसा टेफ्फटा कं0 लि0

1. कम्पनी ने घरेलू बाजार मे बिक्री से संबंधित सूचना अनुबंध 1 में प्रस्तुत की है । ग्रेड एन6 1680डी/2: एन6 1260डी/2 ग्रे: एन6 840डी/2 ग्रे और एन6 840डी/2 डीआईपी की कोई बिक्रियां नहीं हुई हैं ।
2. परिशिष्ट 2 में भारत को निर्यात से संबंधित सूचना ग्रेड एन6 1260डी/2, एन6 1689डी/2, एन6 840डी/2, एन6 1260डी/2 डीआईपी तथा 1680डी/2 डीआईपी के लिए दी है ।
3. कम्पनी की वस्तुओं की बिक्री परिशिष्ट 3 में दी गई है ।
4. भारत को निर्यात, घरेलू बिक्रियों तथा तीसरे देशों के लिए बिक्री कीमत ढांचा परिशिष्ट 4,5 तथा 6 में दिया गया है ।
5. भारत को निर्यात, घरेलू बिक्रियों तथा भारत को छोड़कर अन्य देशों के लिए फैक्टरी लागत और लाभ दिए गए हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

1. प्राधिकारी द्वारा दिनांक 21 जून, 2002 द्वारा जारी कमी दर्शाने वाले पत्र का उत्तर निर्यातक द्वारा दिनांक 3 जुलाई 2002 को दिया गया था । उन्होंने स्पष्ट किया है कि एफटीसी की घरेलू बाजार में ग्रे एन टी सी एफ की कोई बिक्रियां नहीं हैं तथा कम्पनी ने ग्रे एन टी सी एफ केवल भारत को निर्यात किया है । इस उत्पाद से संबंधित पिछली जांचों में सामान्य मूल्य उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया गया था । वर्तमान जांच विद्यमान शुल्कों की समीक्षा है । ए एस एफ आई द्वारा समीक्षा के लिए दिए गए आधारों में सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार शामिल नहीं हो सकता और न ही ए एस एफ आई ने पिछले मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार को चुनौती दी है । ऐसे मामले होने के कारण एफ टी सी का विचार है कि इस मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण, घरेलू बाजार में ग्रे एन टी सी एफ की बिक्री न होने पर, उत्पादन लागत के आधार पर किया जाएगा । यह स्पष्ट किया जाता है कि कम्पनी ने डिप्ड एन टी सी एफ की बिक्री केवल घरेलू बाजार में की है । इन परिस्थितियों में एफ टी सी का विचार है कि घरेलू बाजार में विभिन्न उत्पादों की बिक्रियों के संबंध सूचना, वर्तमान जांच में प्रासंगिक नहीं है परंतु वह प्राधिकारी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है ।
2. एफ टी सी का विचार है यदि प्रणाली का निर्धारण पिछली जांच में किया जा चुका है तो वर्तमान समीक्षा केवल सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के पुनर्निधारण तक सीमित रहेगी ।
3. इसके साथ-साथ निर्यातक ने डिप्ड एन टी सी एफ के संबंध में सूचना प्रदान की है तथा प्राधिकारी द्वारा बताई गई विभिन्न कमियों को दूर किया है । हालांकि कम्पनी ने लाभ एवं हानि विवरण और तुलन-पत्र विवरण प्रस्तुत किया है परंतु प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम्पनी ने लेखा-परीक्षित विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट की प्रति प्रस्तुत नहीं की है तथा जिसे सरकारी प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाना था ।

घ. आयातकों द्वारा किए गए निवेदनः-

(क) सीएट लि0

1. सीएट लि0 ने आयातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है ।
2. वे आटोमोटिव टायर, ट्यूब और फ्लैप के निर्माता हैं ।

3. जांच-अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान एन टी सी एफ के आयातों के ब्यौरे निम्नलिखित अनुसार हैं:

देश	1998-99			1999-2000			2000-01 (जांच अवधि)		
	मात्रा (एमटी)	मूल्य अमे.डा. (लाख)	दर रु./किग्रा	मात्रा (एमटी)	मूल्य अमे.डा. (लाख)	दर रु./किग्रा	मात्रा (एमटी)	मूल्य अमे.डा. (लाख)	दर रु./किग्रा
थाईलैंड	***	***	***	***	***	***	***	***	***
ताईवान	—	—	—	***	***	***	***	***	***
कुल	***			***			***		

डालर/रू0 परिवर्तन दर 1998-99 के लिए 41.98 रू0 1999-00 के लिए 43.80 रू0 तथा जांच अवधि के लिए 45.72 रू0 ली गई है ।

4. जांच अवधि हेतु शुल्क के लिए दायी आयातों के ब्यौरे निम्नलिखित अनुसार थे:

देश	मात्रा(एमटी)	मूल्य रू0/लाख	दर रू0/किग्रा.	पहुंच मूल्य रू0/किग्रा.	पहुंच मूल्य रू0/लाख
थाईलैंड					
डिप्ड फैब्रिक	***	***	***	***	***
ताइवान					
अन्डिप्ड फैब्रिक	***	***	***	***	***
कुल	***	***			***

उपर्युक्त से पता चलता है कि थाईलैंड से डिप्ड फैब्रिक के लिए पहुंच मूल्य ** रू0/किग्रा. तथा ताइवान से अन्डिप्ड फैब्रिक के लिए *** रू0/किग्रा. था ।

(ख) विक्रांत टायर लि0, मैसूर

1. विक्रांत टायर लि0 ने आयातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है ।

2. जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान एन टी सी एफ के आयातों के ब्यौरे निम्नलिखित अनुसार हैं:-

देश	1998-99			1999-2000			2000-01 (जांच अवधि)		
	मात्रा (एमटी)	मूल्य रू0 (लाख)	दर रु./किग्रा	मात्रा (एमटी)	मूल्य रू0 (लाख)	दर रु./किग्रा	मात्रा (एमटी)	मूल्य रू0 (लाख)	दर रु./किग्रा
थाईलैंड									
दिया गया शुल्क	शून्य	—	—	शून्य	—	—	शून्य	—	—
शुल्क रौहत	***	***	***	***	***	***	—	—	
ताईवान							***	***	***

दिया गया शुल्क	शून्य	शून्य	शून्य	***	***	***	***	***	***
शुल्क रौहत	शून्य	—	—	***	***	***	***	***	***
कोरिया									
दिया गया शुल्क	शून्य	—	—	***.	***	***	शून्य	—	—
शुल्क रौहत	शून्य	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल									

3. जांच अवधि के लिए शुल्क के भुगतान पर आयातों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:

देश	मात्रा(एमटी)	मूल्य रू0/लाख	दर रू0/किग्रा.	पहुंच मूल्य रू0/किग्रा.	पहुंच मूल्य रू0/लाख
थाईलैंड	***	***	***	***	***
इंडोनेशिया	***	***	***	***	***
कुल	***	***			***

4. उपर्युक्त से पता चलता है कि ताइवान से पहुंच मूल्य *** रू0/कि.ग्रा. तथा इंडोनेशिया से *** रू0/किग्रा. था ।

छ. प्राधिकारी द्वारा 3 जून, 2002 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई

I लिखित निवेदनों तथा प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचारः

1. परिवर्तित परिस्थितियों के कारण समीक्षा की आवश्यकता थी

प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणामों को 22 फरवरी 2000 को प्रकाशित करवाया गया था । वित्त मंत्रालय द्वारा 28 मार्च, 2000 को पाटनरोधी शुल्कों को अधिसूचित किया गया था । एक सप्ताह के अन्दर अर्थात् 01 मार्च, 2000 से सीमाशुल्क में 40% से 25% तक कम हो गया था । वित्त मंत्रालय द्वारा शुल्क को अधिसूचित करने से पहले ही पहुंच कीमत में 15% तक की कमी आई तथा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति मार्जिन को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया ।

सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् आयातों के कम होने की संभावना होती है । हालांकि इस मामला विशेष में उल्टा ही हुआ । पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई । भारत में एन टी सी एफ के कुल आयात जो वर्ष 1999-2000 में 11257 मी.टन थे वर्ष 2000-2001 के दौरान बढ़कर 20990 मी.टन हो गए इस प्रकार से उनमें 86% की वृद्धि हुई । केवल संबद्ध देश से ही आयात 1999-2000 में 10698 मी.टन से बढ़कर वर्ष 2000-01 के दौरान 19787 मी.टन हो गए अर्थात् उन्होंने 9089 मी.टन (85%) की वृद्धि दर्ज की । पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् भी आयातों में बड़े पैमाने पर वृद्धि बताती है कि पाटनरोधी शुल्क के रूप में दी गई सुरक्षा पूर्णतया अपर्याप्त थी ।

इस तथ्य से इसकी संपुष्टि होती है कि प्राधिकारी द्वारा जांच में शामिल चार में से तीन देशों के बारे में निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक थे । तथापि, क्षति मार्जिन पर आधारित शुल्क लगाए गए क्योंकि यह पाटन मार्जिन से कम थी ।

2. डीजीसीआईएस से प्राप्त अविश्वसनीय आंकड़े

मुम्बई, कोचीन तथा चेन्नई पोतों द्वारा जारी दैनिक सीमाशुल्क सूची के आधार पर हमने आयात आंकड़े प्रस्तुत किए हैं । दैनिक सीमाशुल्क अनुसूची के अनुसार वर्ष 2000-01 के लिए 20990 मी. टन आयात हुए जबकि उसी अवधि के लिए किसी एक विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत डीजीसीआईएस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार 18253 मी.टन के कुल आयात हुए । स्पष्टतः ही डीजीसीआईएस आंकड़ों के वर्गीकरण और/या संकलन में कोई त्रुटि है जोकि आंकड़ों को अविश्वसनीय बनाती है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए हमने दैनिक सीमाशुल्क सूची से संकलित आंकड़ों पर विश्वास किया है । यह भी नोट किया जाए कि मूल जांच में भी दैनिक सीमाशुल्क सूचियों से संकलित आयात आंकड़ों को ही प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है ।

3. नए देशों को समीक्षा में शामिल नहीं किया जा सकता

वर्ष 1999-2000 के दौरान चीन से आयात केवल 16 मी.टन थे जो कि जांच अवधि के दौरान बढ़कर 1116 मी.टन हो गए । 20990 मी.टन के कुल आयातों में से 1116 मी.टन के आयात चीन से हुए जो कि कुल आयात का 5.3% बनाते हैं । संबद्ध देशों से आयात कीमत के समान ही औसत आयात कीमत 140 रूपए प्रति कि.ग्रा. थी । तथापि, जांच समीक्षा में कोई भी ऐसे देशों को प्रस्तुत नहीं कर सकता जो कि मूल जांच में शामिल नहीं हैं ।

4. कुछ निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तरों पर टिप्पणियां

(क) **मैसर्स थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज, थाईलैंडः** अन्य बातों के साथ-साथ इस निर्यातक ने (i) बिक्री खर्चों, तथा (ii) उत्पाद मिश्रण अंतर के लिए कटौती का दावा किया है ।

बिक्री खर्चों के अंतर्गत उन्होंने कहा है कि कुछ अप्रत्यक्ष बिक्री खर्चों का लाभ केवल घरेलू बिक्रियों के लिए ही उपलब्ध था, इसलिए उन्होंने अपनी घरेलू बिक्री फाइलों से इसके लिए कटौती का दावा किया है । यह पाटनरोधी नियमावली के विरूद्ध नहीं है । उनके निवेदनों से यह स्पष्ट है कि इस प्रकार के अप्रत्यक्ष खर्चे वास्तव में घरेलू बिक्रियों के लिए किए जाते हैं । यदि इस प्रकार के खर्चों को घरेलू एस जी एंड ए निकालने के लिए शामिल नहीं किया जाएगा तब घरेलू एसजीएंडए को उसी सीमा तक माना जाएगा । उनके अपने शब्दों में वे अप्रत्यक्ष बिक्री खर्चे घरेलू बिक्रियों को लाभ पहुंचाते हैं । इन परिस्थितियों के अंतर्गत इसे अलग नहीं रखा जा सकता ।

उत्पाद मिश्रण अंतर के नाम पर उनके द्वारा बहुत बड़ी कटौती का दावा किया गया है । उन्होंने निर्यात तथा घरेलू बिक्री के लिए कुल उत्पादन लागत को लिया है । दोनों की तुलनाओं से उन्होंने निर्यात बिक्री के लिए कच्ची सामग्री के शुल्क रहित आयात के कारण कच्ची सामग्री लागत की तुलना को अलग रखा है । निर्यात उत्पादन तथा घरेलू उत्पादन के लिए लागत के शेष अंतर पर "उत्पाद मिश्रण अंतर" के कारण कटौती के रूप में दावा किया गया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 6(i) में प्रावधान है कि वे भौतिक विशेषताएं, जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित

करती हैं, में अंतरों के कारण छूट दी जानी चाहिए । इस प्रकार की छूट प्राप्त करने के लिए निर्यातक को भौतिक विशेषताओं में अंतर सिद्ध करना चाहिए तथा वस्तुपरक एवं सत्यापनीय मानदंड का प्रयोग करते हुए मौद्रिक अर्थों में उन विशेषताओं की मात्रा का वर्णन भी करना चाहिए । उत्पादन लागत का संपूर्ण अंतर भौतिक विशेषताओं में अंतर के कारण ही नहीं हो सकता । अन्य मामलों में भी प्राधिकारी इस विचार के अनुरूप चला है विशेषतः थाइलैंड से एक्रीलिक फाइबर पर पाटनरोधी जांच के मामले में । इस प्रकार से यह दावा नियमावली तथा पद्धति के विरूद्ध है ।

(ख) मैसर्स फार्मोसा टैफेटा कं0 लि0, ताइवान

निर्यातक ने अपने प्रत्युत्तर में 36 पृष्ठ का अगोपनीय रूप प्रस्तुत किया है जिसमें सभी 36 पृष्ठ खाली हैं । उन्होंने केवल निर्यातक प्रश्नावली का प्रारूप ही पुनः प्रस्तुत किया है, उसमें पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में एक भी शब्द नहीं लिखा है । यह अति आपत्तिजनक है । चीन तथा यू.ए.ई. से विट्रिफाइड टाइलों के आयात के हाल ही के मामले में यू ए ई के जिस निर्यातक ने उचित अगोपनीय रूप प्रस्तुत नहीं किया उसे "असहयोगी निर्यातक" माना गया तथा पाटन मार्जिन की गणना "उपलब्ध सर्वोच्च सूचना" के आधार पर की थी । हमारा कथन है कि इस निर्यातक से भी उसी तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए । अन्यथा, यह पूर्व-उदाहरण बन जाएगा तथा अन्य निर्यातक भी अपने अगोपनीय रूपों में कोई सूचना न देने के लिए प्रोत्साहित होंगे ।

(ग) मैसर्स पी टी जी टी पेट्रोकैम इंडस्ट्रीज, इंडोनेशिया

निर्यातक ने भारत में केवल ग्रे फैब्रिक का निर्यात किया है तथा अपने घरेलू बाजार में केवल डिप्ड फैब्रिक का विक्रय किया है । उचित तुलना के लिए उन्होंने डिप्ड फैब्रिक की निर्यात कीमत का परिकलन ग्रे फैब्रिक की वास्तविक निर्यात कीमत से किया है । यह निवेदन किया जाता है कि उनके कहे अनुसार निर्यात कीमत का पिरकलन नहीं किया जा सकता । निर्यात कीमत का पिरकलन केवल कुछ परिस्थितियों के अंतर्गत ही किया जा सकता है बशर्ते उनका स्पष्टीकरण धारा 9 क(i)से बी के तहत होना चाहिए । वे परिस्थितियां हैं (क) जबकि कोई निर्यात कीमत न हो या (ख) जबकि निर्यातक, आयातक या तीसरी पार्टी के बीच सांझेदारी या प्रतिपूरक व्यवस्था हो । इस मामले में निर्यात कीमत उपलब्ध है इसलिए निर्यात कीमत का पिरकलन नहीं किया जा सकता । उचित तुलना के लिए घरेलू बाजार में ग्रे फैब्रिक के लिए सामान्य मूल्य का पिरकलन करने की आवश्यकता है । यह डिप्ड फैब्रिक की घरेलू बिक्री कीमतें लेकर तथा उसे डिपिंग की लागत से घटाकर किया जा सकता है । प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि वह उनके दावों की सावधानीपूर्वक जांच करें तथा निर्यात कीमत को परिकलित करने के स्थान पर सामान्य मूल्य का परिकलन करें ।

5. कारणात्मक संबंध

यह निवेदन किया जाता है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को उपर्युक्त अनुसार क्षति हुई है । प्राधिकारी ने पहले ही मूल जांच के दौरान पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच पहले ही कारणात्मक संबंध का निर्धारण किया है । मूल जांच की समाप्ति के पश्चात् भी घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहा और वह भी उच्च स्तर पर क्योंकि केवल एक ही वर्ष में पाटित

आयातों में 85% से अधिक की वृद्धि हुई । यह पूर्णतया क्षति मार्जिन की समाप्ति के कारण हुआ जो कि सी आई एफ कीमतों तथा पहुंच में और गिरावट की वजह से हुई थी ।

प्रत्युत्तर द्वारा निवेदन

(क) थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0 के बारे में निवेदन

पैरा 2 में थाई बड़ौदा ने निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समीक्षा जांच की शुरूआत, बिना किसी औपचारिक याचिका के, हमारे द्वारा दायर किए गए पत्र के आधार पर की है । यह निवेदन सत्य से परे है । नियम 23 में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अनवरत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता का प्रावधान है । यह नियम स्पष्ट तौर पर यह नहीं बताता कि जांच का प्रारंभ निर्दिष्ट प्राधिकारी अपनी ओर से करेगा या हितबद्ध पार्टी के कहने पर । तथापि, नियम में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि यह समीक्षा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्राप्त की गई सूचना पर आधारित होगी। नियम 23 में इस बात का उल्लेख नहीं है कि कथित सूचना औपचारिक याचिका के रूप में उपलब्ध करवाई जानी चाहए । इसके अतिरिक्त नियम 23(3) इस बात को भी स्पष्ट करता है कि नियम 6 से 11 तथा 16 से 20 के प्रावधान समीक्षा के मामले में लागू होंगे । इस सांविधिक प्रावधान के विपरीत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट फार्म में आवेदन दायर करने की आवश्यकता के बारे में नियम 5 में प्रावधान है । नियम 23(3) नियम 5 का विशेष रूप से वर्णन करता है । नए सिरे से जांच को आरंभ करने के लिए यह अपेक्षित है कि याचिका या आवेदन को नियम 5 के अर्थों में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित फार्म में ही होना चाहिए । इस प्रकार के आवेदन की निर्णायक समीक्षा या नियम 23(3) के अंतर्गत समीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है । इस प्रकार के मामलों में महत्वपूर्ण यह है कि प्राधिकारी को ऐसी सूचना प्राप्त होनी चाहिए जो समीक्षा को शुरू करने की आवश्यकता को सिद्ध करे । इसलिए यह निवेदन कि घरेलू उद्योग द्वारा औपचारिक याचिका दायर नहीं की गई, को एक ही बार में अस्वीकार कर देना चाहिए । इसके अतिरिक्त, पत्र, जैसाकि थाई बड़ौदा इसे कहती है, समीक्षा की आवश्यकता तथा आयात एवं क्षति पर आंकड़े उपलब्ध करवाता है ।

2. अगला निवेदन यह है कि मैसर्स लक्ष्मीकुमरन तथा श्रीधरन के पक्ष में प्राधिकार नहीं है । तथ्यात्मक रूप से यह निवेदन अनुचित है । समीक्षा के लिए अनुरोध हेतु मुख्तारनामा उत्पादक द्वारा जारी किया गया जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया । इन मुखतारनामों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया । इन मुख्तारनामों को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा जाएगा ।

3. यह निवेदन कि याचिकाकर्त्ता ने 'अब नए आधार पेश किए हैं' तथा मौखिक सुनवाई पर तर्क दिए गए थे, समीक्षा की आवश्यकता को उचित ठहराते हैं, भी अनुचित है । हमारे आवेदन के अगोपनीय रूप का अवलोकन पैरा 3.2 से 3.6 में आयातों की मात्रा में वृद्धि के मामले को इंगित करेगा । इसी प्रकार से क्षति सूचकों के बारे में पैरा 4.1 से 4.6 में बताया गया था । पैरा 5.1, जो आवेदन का सार प्रस्तुत करता है, स्पष्ट रूप बाता है कि घरेलू उद्योग को दी गई सुरक्षा को समाप्त कर दिया गया है जिसके कारण आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा अनवरत पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । इस प्रकार से समीक्षा शुरू करने के लिए आवश्यक संघटक तथा पाटनरोधी शुल्क का जारी रखना इस आवेदन में निहित थे । अगोपनीय रूप भी यह सारी सूचना देताहै । ऐसा प्रतीत होता है कि थाई बड़ौदा ने आवेदन के अगोपनीय रूप की संवीक्षा नहीं की है । इसलिए यह निवेदन भी अस्वीकार करने योग्य है ।

जांचाधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में

4. थाई बड़ौदा ने स्वीकार किया है कि उनके द्वारा निर्यातित एन टी सी एफ तथा आवेदक द्वारा विनिर्मित एन टी सी एफ समान वस्तुएं हैं । उन्होंने बताया है कि उत्पाद की कीमतें तथा लागत डिनायर्ज के संदर्भ में भिन्नता रखती हैं । हमारा यह नम्र निवेदन है कि यह जांच को किसी भी प्रकार से भिन्न नहीं बनाती । बड़ौदा से अपेक्षा की जाती है कि वे उनके द्वारा निर्यातित एन टी सी एफ के ब्यौरे उपलब्ध करवाएं ।

ग्रे फैब्रिक तथा डिप्ड फैब्रिक के ब्यौरे अलग से दिए जाने चाहिएं । इन दोनों श्रेणियों में विभिन्न डिनायर्जों के लिए अलग परिशिष्ट होने चाहिएं । उनके द्वारा प्रत्येक डिनायरेज के लिए उत्पादन लागत अलग से प्रस्तुत की जाएगी । निर्यातकों की प्रश्नावली में निर्यातकों से विशेष रूप से अनुरोध किया गया है कि वे प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग परिशिष्ट उपलब्ध करवाएं । यदि इस प्रकार से सूचना उपलब्ध करवाई जाती है तो प्राधिकारी पाटन मार्जिन निकालने के लिए समान वस्तुओं का सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत (8400 डिप्ड थाईलैंड में साथ ही भारत में 840 डिप्ड इत्यादि) के बीच तुलना करेगा । चूंकि उत्पाद जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है, वह नॉयलान टायर कोर्ड फैब्रिक है, इसलिए प्राधिकारी को प्रत्येक उत्पाद के प्रकार के लिए पाटन मार्जिन को एकल औसत दर पर इकट्ठा करना है । यह प्रक्रिया उनकी विभिन्न लागतों तथा विभिन्न बिक्री कीमतों के बारे में किए गए निवेदनों का ध्यान रखेगी । यह तर्क कि घरेलू तथा निर्यात कीमतों की तुलना नहीं की जा सकती, पूर्णतः असत्य है ।

पाटन तथा पाटन मार्जिन

5. वर्तमान जांच से हम निवेदन करते हैं कि प्राधिकारी ने पाया कि थाई बड़ौदा की घरेलू बिक्री उत्पादन लागत से कम पर भी अर्थात् घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अंतर्गत नहीं थी। तद्नुसार, प्राधिकारी ने 67.33% का पाटन मार्जिन निर्धारित किया । हम यह निवेदन करते हैं कि वर्तमान जांच में भी वही स्थिति प्रचलित है । हमारा प्राधिकारी से यह अनुरोध है कि वह थाई बड़ौदा द्वारा उपलब्ध करवाए लागत आंकड़ों की, विशेषतौर से ब्याज लागत की, बहुत सावधानीपूर्वक जांच करें । उनका निवेदन कि कीमतें उत्पादन लागत से अधिक हैं, को भी गंभीरतापूर्वक नहीं लेना चाहिए।

6. यह निवेदन कि थाई बड़ौदा से आयातों की मात्रा में कमी हुई है, निराधार है । जब चार देशों से हो रहे आयातों की समीक्षा एक साथ की जा रही है तो यह प्राधिकारी द्वारा स्थापित एवं अनुमोदित पद्धति है कि इन सभी देशों से हो रहे आयातों की गणना एक साथ की जाए । सीमाशुल्क दैनिक सूचियों से एकत्रित आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि थाईलैंड से आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । यह एक सामान्य ज्ञान की बात है कि सभी मामलों में डीजीसीआईएस के आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं । ऐसी बहुत सी घटनाएं हैं जिनमें प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस से प्राप्त आंकड़ों को नहीं माना है तथा गौण स्रोतों से प्राप्त साक्ष्यों का सहारा लिया है । मूल जांच में इस मामले में प्राधिकारी ने इसी पद्धति को अपनाया है । क्या निर्यात कीमत और उसके परिणामस्वरूप पहुंच कीमत में वृद्धि हुई है या कथित पहुंच मूल्य घरेलू उत्पादकों की कीमतों में कटौती कर रहा है। कुछ ऐसे तथ्य हैं जिनकी जांच प्राधिकारी द्वारा की जाएगी ।

क्षति तथा कारणात्मक संबंध

7. थाई बड़ौदा का यह निवेदन है कि सेंचुरीऐंका, जोकि मूल जांच में घरेलू उद्योग का हिस्सा था, की भी प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी चाहिए । हम सुनिश्चित रूप से यह बताते हैं कि इसमें ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है । नियम 23 में ऐसा कहीं नहीं बताया गया कि समीक्षा में घरेलू उद्योग वही होना चाहिए जो कि मूल जांच में है । वास्तव में, आधार का प्रमाण देने की इसमें कोई आवश्यकता नहीं क्योंकि नियम 23(3) द्वारा नियम 5 का विशेष रूप से लोप किया गया है । नियम 23 किसी भ्झी हितबद्ध पार्टी को यह हक देता है कि वह समीक्षा की आवश्यकता को तर्कसंगत बताते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना उपलब्ध करवाए । इसलिए, यह निवेदन कि सेंचुरी ऐंका की भी जांच की जानी चाहिए, बिना किसी कानूनी आधार के है ।

8. वर्तमान में प्राधिकारी डेनमार्क से कैटालिस्ट के आयात पर निर्णायक समीक्षा कर रहा है । इस मामले में, मूलतः घरेलू उद्योग यू सी आई एल तथा पी डी आई एल का बना है । वर्तमान निर्णायक समीक्षा में समीक्षा के लिए अनुरोध केवल यू सी आई एल द्वारा किया गया है । पी डी आई एल अस्तित्व में तो है परंतु इसने आवेदन का समर्थन नहीं किया है इसलिए प्राधिकारी ने इसके आंकड़ों का सत्यापन नहीं किया है । मौखिक सुनवाई के दौरान इस पहलू को निर्दिष्ट प्राधिकारी के सम्मुख लाया गया था । कैटेलिस्ट तथा एनटीसीएफ के मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी की कार्यवाही कानून के अनुसार थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास यह अधिकार नहीं है कि वह किसी भी हितबद्ध पार्टी को सूचना उपलब्ध करवाने के लिए बाध्य करे और न ही उसके पास यह अधिकार है कि वह कथित पार्टी की सहमति लिए बना किसी भी हितबद्ध पार्टी की सूचना का सत्यापन करे । यह केवल घरेलू उद्योगों पर ही नहीं अपितु निर्यातकों तथा आयाताकें पर भी लागू होता है । यहां तक कि गोपनीय सूचनाओं के मामले में प्राधिकारी को यह अधिकार नहीं है कि वह अन्य पक्षकारों को इससे अवगत कराए तब भी नहीं जबकि प्राधिकारी का यह विचार हो कि गोपनीयता के अनुरोध का उचित कारण नहीं है । गोपनीय सूचना तथा प्रत्युत्तर दोनों के मामले में प्राधिकारी को यह अधिकार है कि वह सूचना को अस्वीकार कर दे जब सत्यापन को स्वीकार नहीं किया गया । इसलिए, सीईएल को आवेदन का हिस्सा बनने के लिए बाध्य करने का या उनसे आंकड़ों के लिए अनुरोध करने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

9. यह निवेदन कि मूल जांच में याचिकाकर्त्ता को वित्तीय नुकसान नहीं हुआ फिर से पूर्णतया असत्य कथन है । इसके अतिरिक्त मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदेश पर थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज द्वारा चुनौती दी गई थी । वे उसमें सफल नहीं हुए । इसलिए पाटन, वास्तविक क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी के जांच परिणामों की पुष्टि सीगैट द्वारा की गई । थाई बड़ौदा अब यह प्रस्तुत नहीं कर सकती कि मूल जांच में क्षति नहीं हुई थी । वास्तव में उनके निवेदन से न्यायालय का अवमान होता है । इस संबंध में हम माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान सीगैट के दिनांक 6.11.2000 के आदेश सं0 37-40/2000-एडी के पैरा 5 की ओर आकृष्ट करते हैं । सीगैट इस निष्कर्ष पर पहुंची कि "प्राधिकारी स्पष्ट जांच परिणामों पर पहुंच गया है, घरेलू उद्योग को क्षति हुई तथा इस प्रकार की क्षति का संबंध जांचाधीन देशों से हुए आयातों से था.....अपील असफल रही इसलिए अस्वीकृत की जाती है ।"

10. इसलिए हम माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि मूल जांच के किसी भी पहलू पर थाई बड़ौदा तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के निवेदन को अस्वीकार कर दिया जाए । सीगैट का निर्णय पूर्व-न्याय निर्णित है ।

11. यह निवेदन कि आवेदक की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा आयातों की पहुंच कीमत कथित एनआईपी से अधिक थी, कुछ ऐसे तथ्य हैं जिनकी पुष्टि प्राधिकारी से अपेक्षित है । थाई बड़ौदा के पास ऐसा कोई आधार नहीं है कि वह ऐसे बेबुनियादी निष्कर्षों पर पहुंचे ।

12. अन्य देशों से आयातों से क्षति पर निवेदन के संबंध में हम निवेदन करते है कि वर्तमान समीक्षा में शामिल चार देशों से अतिरिक्त 3% न्यूनतम स्तर से अधिक एन टी सी एफ का निर्यात करने वाला एकमात्र देश चीन है । यह सामान्य ज्ञान की बात है कि समीक्षा उन देशों के विरूद्ध की जा रही है जिनकी मूलतः जांच हो चुकी है । नए देश को मूल जांच में शामिल नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, यह तथ्य कि चीन से कीमत अन्य चार देशों की कीमतों से तुलनीय है, स्वयमेव ही यह सिद्ध नहीं करता कि चीन पाटन कर रहा है । जो भी हो, हम इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं कि क्या चीन वस्तुओं का पाटन कर रहा है । मामला चाहे जो भी हो, जहां तक क्षति तथा कारणात्मक संबंध का मामला है मुख्य कारण चार देशों से आयातों का है, जिनका मिलकर 19787 मी.टन का हिस्सा है जबकि चीन से अकेले ही 1116 मी.टन की मात्रा का हिस्सा है । इसलिए कारणात्मक संबंध मुख्यतः इन चार देशों से है । थाई बड़ौदा का निवेदन भी अस्वीकार करने योग्य है।

13. स्टील बिलेट के जांच परिणामों पर उनके निवेदन के संबंध में, थाई बड़ौदा इस तथ्य को भूल गया कि उस मामले में हितबद्ध पार्टियों के निवेदन को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था । परिणामस्वरूप, कथित निर्णय एक पूर्व-उदाहरण बन गया तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए बाध्यकारी हो गया । यदि उस पूर्व उदाहरण का अनुसरण किया जाए तो निष्कर्ष यह निकलता है कि वास्तविक क्षति का मुख्य कारण चीन नहीं अपितु ये चार देश हैं । वास्तव में, थाई बड़ौदा हमारे मामले की पैरवी कर रहा है ।

उपर्युक्त के मद्देनजर, थाई बड़ौदा के सभी निवेदन खारिज करने के योग्य हैं ।

ख. आत्मा के संबंध में निवेदन

ख.1 1 से 7 तक के पैरे आत्मा के संबंध में कुछ आंकड़ों के साथ उनके निवेदनों तथा उनके द्वारा एनटीसीएफ की खपत के बारे में बताते हैं ।

ख.2 8 तथा 9 पैरा आयातों की आवश्यकता का औचित्य बताते हैं । इस पैरा में आत्मा के निवेदन उनके सही तालमेल के बारे में नहीं बताता । यह सत्य हो सकता है कि भारत में मांग भारत में किए जाने वाले उत्पादन से अधिक हो सकती है तथा इसलिए आयात एक आवश्यकता है । तथापि, इस प्रकार की परिस्थिति सह ये मतलब नहीं कि उन सभी मामलों में जहां घरेलू मांग घरे आपूर्ति से अधिक है, वहां किसी भी प्रकार की पाटनरोधी कार्यवाही नहीं की जाएगी । यह मामला आयात की आवश्यकता का नहीं अपितु " उचित कीमतों " पर आयातों का है । आयातों की मात्रा मांग आपूर्ति अंतर से अधिक हो सकती है बशर्ते कीमतें "उचित" हों । पाटनरोधी जांच में अनुचित व्यापार पद्धति

के रूप में "कीमत विभेदीकरण" एक संगत प्रश्न है । यह एक ऐसा पहलू है जिसकी जांच की जानी है । यह देखना महत्वपूर्ण नहीं है कि क्या भारत में मांग आपूर्ति से अधिक या कम है ।

ख.3 10 से 14 तक के पैरे अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए एनटीसीएफ के आयात के बारे में बताते हैं तथा साथ ही इस निवेदन के बारे में भी बताते हैं कि अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को विश्लेषण से अलग रखना चाहिए । किसी भी सांविधिक पक्ष द्वारा इसका समर्थन नहीं किया गया । यह सत्य है कि अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को पाटनरोधी शुल्क से छूट मिली है । यह प्रावधान ऐसे आयातों की वर्तमान जांच या उसके बाद लगाए जाने वाले शुल्क से प्रतिरक्षा करता है । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अब क 90 से अधिक जांचें की जा चुकी हैं । ईओयू या ईपीजेड द्वारा या अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को अलग रखने की ऐसी कोई पद्धति नहीं है । अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत किए गए आयातों को अलग रखने तथा उनकी पहचान करने के लिए कोई सांख्यिकीय डाटाबेस नहीं है । इसलिए, यह निवेदन भी खारिज करने योग्य है ।

ख.4 15 से 20 तक के पैरा उनके इस निवेदन के बारे में बताते हैं कि स्पिन ड्रा प्रक्रिया से तैयार एनटीसीएफ रूढ़िवादी प्रक्रिया से तैयार एनटीसीएफ से भिन्न है इसलिए पहली वाली श्रेणी के एनटीसीएफ के आयात पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए ।

ख.5 मूल जांच में भी उनके द्वारा उपर्युक्त तर्क दिया गया था । इस तर्क को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया । इस अस्वीकृति से दुखी होकर आत्मा ने सीगैट में अपील की । स्पिन ड्रा प्रक्रिया द्वारा तथा अन्य प्रक्रियाओं द्वारा विनिर्मित एनटीसीएफ को अलग माना जाना चाहिए, के निवेदन को सीगैट द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया । अंतिम आदेश के पैरा 5 में माननीय सीगैट निम्नलिखित निष्कर्ष निकालती है:

"यह निवेदन कि आयातित वस्तुएं भिन्न प्रक्रिया से बनाई जाती हैं तथा आयातित वस्तुएं गुणवत्ता में भी भिन्न होती हैं, जांच परिणामों को अमान्य नहीं ठहराता । पाटनरोधी कानून के अंतर्गत विनिर्माण प्रक्रिया संगत कारक नहीं है । गुणवत्ता का अंतर भी महत्वपूर्ण नहीं है । आयातित वस्तुओं तथा घरेलू उत्पादित वस्तुओं का एक ही प्रयोग है इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उन्हें 'समान वस्तु' माना गया है । इन तथ्यों तथा परिस्थितियों में इन अपीलों में किए गए निवेदनों में कोई गुण नहीं है । अपीलों को रद्द किया जाता है ।"

ख.6 सीगैट के सुस्पष्ट आदेश को ध्यान में रखते हुए, यह मामला पूर्ण हो चुका है तथा पूर्व न्याय-निर्णित की तरह चल रहा है । आत्मा का निवेदन सीगैट के अंतिम जांच परिणामों की अवमानना करता है ।

ख.7 11 तथा 12 पैरा आयात शुल्क में कमी के बारे में बताते हैं । यह निवेदन रद्द करने योग्य है। आवेदकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से निवेदन किया है कि मूल जांच में पाटनरोधी शुल्क क्षति मार्जिन पर आधारित है । क्षति मार्जिन पहुंच मूल्य पर आधारित है तथा पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान प्रचलित सीमाशुल्क की दर पर आधारित है । मूल जांच के पश्चात् सीमाशुल्क में किसी भी परिवर्तन से क्षति मार्जिन में कटौती होगी तथा इसलिए उसके पास समीक्षा करवाने का कानूनी अधिकार है । यह मामला भारत सरकार द्वारा सीमा शुल्क में कमी करने के पीछे उद्देश्य ढूंढने का नहीं है । यह

मामला यह जानने के बारे में है कि क्या कमी के कारण परिस्थितियां ऐसी हो गई हैं जिनमें समीक्षा की आवश्यकता है । पैरा फ.2 सेंचुरी ऐंका तथा चीन से हुए आयातों के बारे में बताता है जिन्हें पहले ही उपरोक्त पैरा क.9, क.10, क.14 तथा क.15 द्वारा इंगित किया जा चुका है ।

ख.8 पैरा फ.3 तथा 26 में आत्मा ने क्षमता वृद्धि तथा परिणामी कारकों का मामला इंगित किया है। यह ज्ञात नहीं है कि किस आधार पर आत्मा ने क्षमता वृद्धि का निवेदन किया था । हमने हमारे आवेदन के पैरा 4.1 में स्थ्ज्ञापित क्षमता के ब्यौरे प्रस्तुत किए थे । उससे यह देखा जा सकता है कि वर्ष 1998-99 से 200-2001 (जांच अवधि) में स्थापित क्षमता एक जैसी रही है । यह ज्ञात नहीं है कि किस आधार पर आत्मा ने घरेलू उत्पादकों की क्षमता वृद्धि के बारे में निवेदन किया था । इसलिए पैरा 26 में दिए गए उनके निवेदनों का कोई परिणाम नहीं निकलता ।

ख.9 पैरा फ.4 में किया गया निवेदन कि पहुंच मूल्य बढ़ गया है, को जांच अवधि के दौरान एनआईपी के संदर्भ में लिया जाएगा । अमेरिकी डालर के मुकाबले रूपये में ह्रास एक ऐसा कारक है जिससे पहुंच मूल्य बढ़ जाता है परंतु डालर के अर्थों में कीमतों में कमी आई है । इसी पकार से पैरा फ.5 में किया गया निवेदन कि एनटीसीएफ अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का अनुसरण कर रहा है एक बार फिर से असंगत है । पाटन में, हम निर्यात कीमत की तुलना में निर्यातकों की घरेलू कीमत लेते हैं । अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की भारत में निर्यात कीमतों से तुलना करने पर ही हम पाटन शुल्क नहीं लगात ।

ख.10 फ.6 पैरा में तुलन-पत्र विश्लेषण के बारे में किया गया निवेदन भी असंगत है । एस आर एफ बहु-उत्पाव कंपनी है । इसके द्वारा कमाया गया कुल लाभ संगत नहीं है । मामला यह है कि इसने यह लाभ उत्पादन में कमाया या संबंधित उत्पाद अर्थात् एनटीसीएफ की बिक्री से । एक बार फिर से यह निवेदन मूल जांच में किया गया और इसे रद्द कर दिया गया । निर्दिष्ट प्राधिकारी के आदेश की संपुष्टि सीगैट द्वारा भी की गई ।

ख.11 32 से 34 तक के पैरों में क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में किए निवेदनों को रद्द किया जाना है । क्षति के विभिन्न मानदंडों के ब्यौरे निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध करवाए गए जो स्पष्टतया इस बात का उल्लेख करते हैं कि समीक्षा की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई । आयातों की बढ़ी हुई मात्रा, कीमत न्यूनीकरण/ह्रास तथा लाभ में कमी/हानि को लेकर कारणात्मक संबंध निर्धारित किया है । एस आर एफ तथा सेंचुरी एंका, निर्लोन, एन आर सी तथा बी आर सी को अलग करके कारणात्मक संबंध का विश्लेषण कानूनी तौर पर मान्य नहीं है । पाटन तथा वास्तविक क्षति के बीच वास्तविक क्षति तथा कारणात्मक संबंध की गणना " घरेलू उद्योग " न कि व्यक्तिगत उत्पादकों के लिए की जाएगी ।

ख.12 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए हमारा सनम्र निवेदन है कि आत्मा का निवेदन रद्द किए जाने योग्य है ।

ग. <u>मैसर्स फॉर्मोसा टेफेटा कं0 (एफ टी सी) के निवेदन पर</u>

ग.1 अपने निवेदन के पैरा 1 व 2 में एफ टी सी ने एफ टी सी का पाटनरोधी शुल्क शून्य होने के आधार पर उसके विरूद्ध की गई समीक्षा पर प्रश्न किया है । इस संदर्भ में उन्होंने धारा 9 क(5) तथा नियम 23 का संदर्भ दिया है ।

ग.2 धारा 9 क (5) पाटनरोधी शुल्क की 5 वर्ष की अवधि की समाप्ति से पहले प्राधिकारी द्वारा की गई निर्णायक समीक्षा की समाप्ति पर लागू होती है । यह धारा अंतरिम समीक्षा पर लागू नहीं होती । इसके अतिरिक्त धारा 9 क(5) में पहली शर्त है कि क्या प्राधिकारी पाटन को अनवरत रखेगा या आवर्ती इसकी प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी है । पाटन का आवर्तन होने से पहले ये मान लिया गया कि पहले पाटन नहीं हुआ था । इसलिए धारा 9 क(5) के अर्थों में एफ टी सी को समीक्षा में शामिल किया जाएगा भले ही मूल जांच में एफ टी सी के लिए पाटन मार्जिन शून्य था ।

ग.3 अंतरिम समीक्षाओं के मामले में नियम 23 लागू होता है जो कि किसी हितबद्ध पार्टी, जिसमें निर्यातक, आयातक घरेलू उद्योग इत्यादि शामिल हैं, के कहने पर शुरू की गई । नियम 23 पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 के तद्नुरूप है । चूंकि पाटनरोधी शुल्क व्यक्तिगत निर्यातकों जिन्होंने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है तथा उस विशेष देश में उन सभी "अन्य निर्यातकों" पर लागू होता है, यह नोट करना महत्वपूर्ण होगा कि एफ टी सी के लिए पाटनरोधी शुल्कों की मात्रा शून्य है जबकि ताईवान से अन्य निर्यातकों के लिए यह अभी भी जारी है । ताईवान के विरूद्ध मूल जांच समाप्त नहीं की गई । केवल एफ टी सी के लिए ही शुल्क की मात्रा शून्य है । इसलिए, ताईवान भी एक ऐसा देश होगा । नियम 23 के अंतर्गत जिसकी समीक्षा की जानी है तथा इसके परिणामस्वरूप एफ टी सी की भी समीक्षा की जाएगी । इस समीक्षा के दौरान एफ टी सी के प्रत्युत्तर की इस बात का निर्धारण करने के लिए समीक्षा की जाएगी कि क्या समीक्षा की अवधि के दौरान एफ टी सी ने वस्तुओं का पाटन किया था या नहीं । यूरोपीय समुदाय का कानून जो कि अनुच्छेद vi पर आधारित है तथा जिसे उत्पन्न हुए 50 वर्ष से अधिक हो चुके हैं निवेदन का समर्थन करता है । विनियम सं0 384/96 का अनुच्छेद 11.6 जिसमें समीक्षा के बारे में बताया गया है, निम्नलिखित उल्लेख करती है:-

> *"जहां उपायों को समग्र देश के लिए ही नहीं अपितु अलग-अलग निर्यातकों के लिए रद्द कर दिया जाता है, ऐसे निर्यातक कार्यवाही के अध्याधीन रहेंगे और उनकी स्वतः ही इस अनुच्छेद के अनुसरण में उस देश के लिए की गई किसी उत्तरवर्ती समीक्षा में पुनः जांच की जा सकती है ।"*

ग.4 निवेदन के पैरा 3 से 6 में एफ टी सी ने मूल जांच पर यह दर्शाने के लिए विचार किया है कि पाटनरोधी शुल्क केवल समीक्षा के तीन महीनों के लिए लागू नहीं था । तथ्य यही है कि आवेदकों द्वारा तीन पत्तनों की दैनिक सीमाशुल्क सूची से एकत्रित सूचना अनुसार ताइवान से आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

ग.5 पैरा 7 में एफ टी सी ने उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के प्रमाण प्रस्तुत किए जाने चाहिएं । उन्होंने इस तथ्य का संदर्भ दिया है कि आवेदन-पत्र की अगोपनीय प्रति में भी वास्तविक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए थे । यदि अगोपनीय रूपांतर में वास्तविक आंकड़े प्रकट करना अपेक्षित है तो अलग गोपनीय तथा अगोपनीय प्रतियों की कोई आवश्यकता नहीं है । अगोपनीय प्रति का प्रयोजन यह है कि हितबद्ध पार्टी अपनी वाणिज्यिक सूचना की गोपनीयता बनाए रखे तथा इसके साथ-साथ अन्य हितबद्ध पार्टी उनके निवेदनों का मूल्यांकन कर सके । यह कर लिया गया वास्तिव में एफ टी सी यह आरोप नहीं लगा सकता जबकि उन्होंने अगोपनीय प्रश्नावली का प्रत्युत्तर खाली दिया है । वास्तव में निर्दिष्ट प्राधिकारी की संगत प्रणाली के अनुसार उचित

अगोपनीय प्रति के न होने के कारण एफ टी सी के प्रत्युत्तर को रद्द किया जाना चाहिए । एफ टी सी को असहयोगी निर्यातक माना जाना चाहिए तथा उनके लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए ।

ग.6 पैरा 8 में एफ टी सी ने कीमत में 1999-20000 में *** रू0 प्रति कि.ग्रा वृद्धि के स्थान पर वर्ष 2000-2001 में *** रू0 प्रति कि.ग्रा. का संदर्भ दिया है । डालर के रूप में कीमत वृद्धि बहुत कम थी (करीब *** डालर) जबकि उस अवधि के दौरान एन टी सी एफ पर सीमा शुल्क 40% से 20% कर दिया गया था । अतः डालर के रूप में पहुंच मूल्य कम हो गया था तथा उसमें वृद्धि नहीं हुई थी । एफ टी सी ने यह भी तर्क दिया है कि डी जी सी आई एस के आंकड़ों का प्रयोग किया जाना चाहिए । निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए डी जी सी आई एस के आंकड़े एवं हितबद्ध पार्टियों द्वारा गौण स्रोतों से प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की जांच करना आवश्यक है । यह प्रणाली इस तथ्य के कारण है कि डी जी सी आई एस आंकड़ों के संकलन में समय लगता है तथा वह यथार्थ भी नहीं होते । हमारे आंकड़ों की यथार्थता के बारे में इस तथ्य से पता चलता है कि वे तीन मुख्य पतनों द्वारा प्रकाशित दैनिक सीमाशुल्क सूची से लिए गए हैं । प्राधिकारी ने गौण स्रोत का प्रयोग मूल जांच में किया था । अतः आवेदकों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों की विश्वसनीयता सही है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस पर स्वीकृति के समर्थन में बड़ी संख्या में मामले हैं ।

ग.7 पैरा 9 में एफ टी सी ने भारत में मांग पूर्ति अंतर और आयातों की आवश्यकता का संदर्भ दिया है । जैसाकि उपरोक्त पैरा ख 2 में उल्लेख किया गया है, एटीएमए के इसी प्रकार के निवेदन के प्रत्युत्तर में हमारा निवेदन आयातों के विरूद्ध नहीं है अपितु "अनुचित कीमतों पर आयातों के विरूद्ध है ।"

ग.8 पैरा 10 से 15 में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति न होने के आरोप पर कार्रवाई की गई है। पैरा 10 में यह निवेदन कि समीक्षा याचिका में वास्तविक क्षति के पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं, यह रिकार्ड के तथ्यों के विपरीत है । समीक्षा याचिका में उत्पादन, क्षमता उपयोग, भण्डार सूची में वृद्धि, कीमत प्रभाव तथा लाभों पर मुख्य संकेतकों के रूप में कार्रवाई की गई है तथा जिनसे वास्तविक क्षति का पता चलता है । अनवरत वास्तविक क्षति के यह पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं । एस आर एफ पर लेखा-परीक्षित तुलनपत्र का संदर्भ अप्रासंगिक है क्योंकि यह जांच करना आवश्यक है कि क्या आवेदक कम्पनियों को जांच अवधि के दौरान संबद्ध उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से हानि हुई है । इन कंपनियों का समग्र निष्पादन, जिसमें अन्य सभी उत्पाद भी शामिल हैं, निराधार है । एफ टी सी ने इस बात से इंकार किया है कि स्टॉक में वृद्धि हुई है या कंपनियों को नुकसान हुआ है । हमारा यह निवेदन है कि ये तथ्य प्राधिकारी के सम्मुख रखे गए तथा एफ टी सी के पास ऐसी कोई सामग्री नहीं कि इन आंकड़ों को चुनौती दे सके । वास्तव में उनमे निवेदन कल्पना मात्र हैं ।

ग.9 16 से 22 तक के पैरा उनके उन निवेदनों जिसमें भारत सरकार द्वारा विभिन्न कारणों की वजह से सीमाशुल्क की कमी तथा आवेदक के पास सीमाशुल्क में कमी के आधार पर समीक्षा के अनुरोध के बारे में बताया गया है । इन निवेदनों पर एटीएमए (पैरा ख.7 बताता है) के निवेदनों के समरूप कार्यवाही की गई । यथेष्ट रूप में कहें तो आवेदन से अपेक्षा की जाती है कि वह बदली हुई परिस्थितियों के आधार पर पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा की आवश्यकता को प्रदर्शित करे । सीमाशुल्क में कमी तथा उसके परिणामस्वरूप पहुंच मूल्य में कमी का मूल जांच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति मार्जिन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है । यह परिवर्तन समीक्षा आरंभ करने के लिए पर्याप्त

है । यह अंतर पर्याप्त नहीं होता यदि मूल जांच में प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को पाटन मार्जिन की तरह लगाया होता । मूल जांच में मामला यह नहीं था ।

ग.10 जांच अवधि के पश्चात् इन देशों में एनटीसीएफ की कीमतों में और कमी प्राधिकारी के सम्मुख इन कंपनियों की धारणा दर्शाने का महत्वपूर्ण अवयव है । कीमतों में ये कमी न तो पाटन मार्जिन को और न ही क्षति मार्जिन को प्रभावित करती है अपितु यह कार्यवाहियों के पीछे निहित सूचनाओं के बारे में बताती है ।

ग.11 पैरा 24 से 26 में क्षति तथा कारणात्मक संबंध, जिनके बारे में उपरोक्त एटीएमए के खंडनों में विस्तार से बताया गया है, के बारे में बताता है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए हम यह निवेदन करते हैं कि एफ टी सी के निवेदनों को रद्द कर दिया जाए ।

ग.12 हम प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वह शीघ्र ही संशोधित पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश करें ताकि सभी चारों देशों से, विशेषतः ताइवान, क्षति प्रभाव को कम किया जा सके ।

ग.13 हम प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि संदर्भ कीमत पर आधारित पाटनरोधी शुल्कों को परिवर्तनशील शुल्क के रूप में लगाया जाए ।

II निर्यातकों द्वारा लिखित निवेदनों और प्रत्युत्तर में किए गए अनुग्रहः

(क) मैसर्स पी टी जी टी पैट्रोकैम इंडस्ट्रीज टीबीके, इंडोनेशिया

1. जैसाकि हमारे प्रत्युत्तर में बताया गया है इंडोनेशिया से आयातों की मात्रा लगभग पिछले वर्ष के समान है । इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई उल्टे ही इसमें कमी आई है, वृद्धि नहीं हुई । तब कैसे एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज ने यह बताया कि आयातों की मात्रा दुगुनी हो गई है ।

2. समीक्षाधीन अवधि में कीमतें वास्तव में बढ़ी न कि कम हुईं । जैसाकि नीचे दर्शाया गया है कीमतें विभिन्न रूपों में अत्यधिक कम हुईं:-

840घ	8.52%
1260घ	11.80%
1680घ	16.54%

3. कीमत मांग तथा आपूर्ति द्वारा निर्धारित होती है । सभी आपूर्तिकर्त्ता भारत में ही क्यों पाटन करेंगे । हम भारत में बड़ी मात्रा में बिक्री नहीं कर रहे हैं । हम अपनी लगभग 3400 टन/माह की क्षमता के मुकाबले औसतन केवल 200 टन/माह अर्थात् 5.88% की बिक्री करते हैं जो बहुत कम है। इस मामले में हम अपनी क्षमता तथा पाटन सामग्री का उपयोग करना चाहते तो हमें अन्य देशों के अपने प्रतिस्पर्धियों से बहुत अधिक मात्रा की बिक्री करनी चाहिए । पी टी जी टी अनेक अन्य देशों को भी निर्यात कर रही है और विश्व में और कहीं भी कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है ।

4. एस आर एफ नाइलोन 6 यार्न नामक कच्ची सामग्री का आयात पी टी फिलामेंडो शक्ति से कर रही है जिन से पीटीजीटी पेट्रोकेम अपने लिए कच्ची सामग्री खरीदती है क्योंकि यह उनकी सहयोग कंपनी है । इसलिए घरेलू उद्योग ने नाइलोन 6 यार्न पर पाटन रोधी उपायों की मांग क्यों नहीं की और केवल एन टी सी एफ पर ही क्यों की । वे यार्न का आयात कर रहे हैं क्योंकि उनके पास घरेलू आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं है । टायर उद्योग की आवश्यकता उनकी क्षमता से अधिक है ।

5. एन टी सी एफ की कीमतें सामान्यतया केपरोलेक्टम की कीमतों द्वारा निर्धारित होती हैं जो पूर्णरूपेण अंतर्राष्ट्रीय तौर पर निर्धारित होती हैं । इसके बहुत कम विनिर्माता हैं और भारत में केवल दो जी एस एफ सी तथा फेक्ट हैं और इस प्रकार ये कीमतों को नियंत्रित करने में सक्षम हैं । घरेलू उद्योग केपरोलेक्टम के आयात के लिए स्वतंत्र है और इस पर एन टी सी एफ के बराबर आयात शुल्क है, इस प्रकार इनमें कोई असमानता नहीं है ।

6. पीटीजीटी ने प्रौद्योगिकी पर बड़ी मात्रा में पूंजी निवेश किया है और उनके पास अत्याधुनिक उपस्कर हैं जो टायर उद्योग के लिए गुणवत्ता, उच्च उत्पादकता और कम अपचय एवं स्क्रैप उत्सर्जन संबंधी बढ़त प्रदान करता है । यही उनके पीटीजीटी पेट्रोकेम से सामग्री आयात करने का कारण भी है ।

7. भारत और अन्य निर्यातक देशों तथा घरेलू बाजार के बीच कीमतों में अंतर 2% से अधिक नहीं है । इसके अतिरिक्त किसी भी सामग्री को घाटे में नहीं बेचा जा रहा है । कंपनी लाभ कमा रही है जैसाकि उनके लाभ एवं हानि लेखे तथा तुलन-पत्र से देखा जा सकता है ।

(ख) मै0 ह्योसंग कार्पोरेशन, कोरिया

इस निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था ।

(ग) मै0 थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0, थाइलैंड

1. प्राधिकारी द्वारा समीक्षा संबंधी जांच निम्नलिखित स्थितियों में शुरू की जा सकती है: (क) सुओमोटो इनिसिएशन (ख) किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा शुरूआत संबंधी आग्रह (याचिका सित या बिना याचिका के) जिसमें पाटन मार्जिन/क्षति मार्जिन में परिवर्तन होने का दावा किया गया हो । वर्तमान मामले में, घरेलू उद्योग द्वारा एक पत्र फाइल करने कश्जांचात (औपचारिक याचिका दायर किए बिना) जांच आरंभ की गई थी । दायर किए गए पत्र में उल्लेख था कि सीमा शुल्क कम कर दिए गए थे इसलिए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की जानी चाहिए । अब याचिकाकर्त्ताओं ने समीक्षा हेतु अपने अनुरोध को न्यायसंगत साबित करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई के समय निम्नलिखित नए आधार प्रस्तुत किए हैं (क) आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई (ख) कम आयात कीमत (ग) सीमाशुल्क में कमी (घ) बाजार हिस्से में कमी (ड.) वर्तमान पाटनरोधी शुल्क अपर्याप्त है (च) कीमतों में कमी हुई है ।

2. याचिकाकर्त्ताओं ने अभी तक क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में अपना पक्ष नहीं रखा है।

3. यद्यपि थाई बड़ौदा से बिक्री कीमतों में गिरावट आई है, परन्तु थाइलैण्ड से निर्यात कीमत तथा पहुंच कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है । अन्य देशों में यही रूख रहा है ।

4. थाईलैण्ड से आयातों की मात्रा में पर्याप्त गिरावट आई है । सभी संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है ।

5. उपरोक्त के मद्देनजर,थाई बड़ौदा द्वारा पाटन नहीं किया गया है ।

6. सेचुरी से भी लागत तथा क्षति संबंधी जानकारी मंगायी जानी चाहिए । प्रथम जांच मे यह कंपनी घरेलू उद्योग का एक हिस्सा थी । वर्तमान समीक्षा किसी याचिका पर आधारित नहीं है और इसकी शुरूआत सीमाशुल्क के संदर्भ में बदली हुई परिस्थितियों के संबंध में भारतीय उत्पादकों द्वारा दायर एक पत्र के आधार पर की गई है । इस तरह के मामले में, घरेलू उद्योग का दायरा अपरिवर्तित रहता है ।

7. यद्यपि याचिकाकर्त्ताओं ने इसका खुलासा नहीं किया है कि अब उन्हें आयातों से कैसे क्षति हो रही है, परन्तु थाई बड़ौदा ने कहा है कि मूल जांच में भी याचिकाकर्त्ताओं को वित्तीय नुकसान नहीं उठाने पड़ रहे थे । याचिकाकर्त्ताओं ने "घटती लाभप्रदत्ता" का दावा किया है न कि "वित्तीय नुकसान" का ।

(घ) मै0 फोरमोसा टाफेटा कं0 लि0 ताइवान

1. धारा 9 क (5) तथा नियम 23 के अनुसार, समीक्षा का कार्यक्षेत्र केवल पाटनरोधी शुल्क को आगे लागू रखने की आवश्यकता के संबंध में जांच करना है । इस प्रकार, समीक्षा केवल उन्हीं मामलों पर अनुरक्षणीय है जहां पाटनरोधी शुल्क लागू हो । सीगैट ने अपने आदेश सं0 37-40/2000-एडी दिनांक 6/11/2000 द्वारा आदेश दिया था कि एफ टी सी पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जा सकता है और केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 27/12/2000 को जारी अधिसूचना द्वारा एफ टी सी पर लागू पाटनरोधी शुल्क को हटाया गया । जैसाकि एफ टी सी के मामले में, चूंकि कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया गया था, इसलिए पाटनरोधी शुल्क को आगे लागू रखने की आवश्यकता संबंधी समीक्षा की कोई जांच नहीं हो सकती है।

1. एफ टी सी द्वारा भारत में एन टी सी एफ के निर्यातों की जांच से संबंधित आरंभिक प्रक्रिया के संबंध में, सीगैट इस निष्कर्ष पर पहुंचा थास कि एफ टी सी द्वारा प्राटन नहीं किया गया था । यह निष्कर्ष निर्दिष्ट प्राधिकारी की कार्य पद्धतियों तथा प्राधिकारी के समक्ष एफ टी सी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर आधारित था । प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन के निर्धारण में गणना संबंधी एक चूक को सीगैट के समक्ष रखा गया तथा इसे स्वीकृत किया गया । सीगैट ने दिनांक 6/11/2000 के आदेश सं0 37-40/2000-एडी द्वारा आदेश दिया कि एफ टी सी पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता है । इसी कार्यप्रणाली के आधार पर समीक्षा अवधि के लिए पाटन मार्जिन से कम 2% से अधिक किसी पाटन मार्जिन की अनुमति नहीं है।

2. समीक्षा संबंधी आवेदन में विशिष्ट रूप से एफ टी सी तथा ताइवान से हुए आयातों संबंधी सत्य घोषणा को अस्वीकार किया गया है । परिशिष्ट 1 और पैरा 2.6, 3.3, 3.4, 3.5 में ताईवान से आयातों के लिए निर्दिष्ट आंकड़ों को विशिष्ट रूप से अस्वीकार किया जाता है । यह अस्वीकार किया गया है कि आवेदक द्वारा 3.4 में किए गए दावे के अनुसार एफ टी सी में " निम्न अनंतिम शुल्क " था । केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 9.11.1999 को जारी अधिसूचना द्वारा एफ टी सी पर लगाया गया अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 5.32 रूपए प्रति किग्रा या सभी संबद्ध देशों से अधिक था । ताईवान के एफ टी सी पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क की दर 2.39 रूपए प्रति किग्रा. था जो इण्डोनेशिया पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से अधिक था और इण्डोनेशिया पर लगाया गया पाटनरोधी शुल्क की दर 1.77 रूपए प्रति किग्रा. था ।

3. चूंकि यह जांच ताईवान, जो घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त साक्ष्य के [illegible] में " निर्दिष्ट देश " है, से किए गए निर्यातों से संबंधित है । इसलिए कोई पाटन [illegible] नहीं लगाया जा सकता है । यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि समीक्षा के लिए दायर याचि[illegible] किसी वास्तविक आंकड़ों का खुलासा नहीं किया गया है जिन्हें बाजार हिस्सा, लाभ, [illegible]मत, बिक्रियां, क्षमता उपयोग और अतिशेष स्टॉक इत्यादि में परिवर्तन के लिए कानूनी तौर पर प्रस्तुत करना अनिवार्य है । आंकड़ों के लिए वास्तविक आंकड़ों का खुलासा न [illegible]के आवेदक उस विधि का खुलासा करने में असफल रहा है जिसमें ताईवान से हुए आयातों से उन्हें हुई वास्तविक क्षति का आरोप लगाया गया है ।

4. ए एस एफ आई द्वारा दायर समीक्षा याचिका के अनुबंध 1 के अनुसार यह बात नोट की जाती है कि एफ टी सी, ताईवान के आयातों के बारे में याचिकाकर्त्ता द्वारा दिए गए आंकड़े निम्नानुसार हैं-

वर्ष	आयातित मात्रा	औसत कीमत
1999-2000	4555	रू0 118/किग्रा.
2000-2001	8472	रू0 138/किग्रा.

उपरोक्त सह यह देखा जाएगा कि याचिकाकर्त्ता की स्वीकृति के अनुसार, औसत इकाई की[illegible] वर्ष 1999-2000 में 118 रूपए/किग्रा. से बढ़कर वर्ष 2000-2001 में 138 रूपए/किग्रा. हो गई है जो लगभग 17% की वृद्धि है । अनुबंध से यह देखा जाएगा कि समीक्षा के दौरान इकाई कीमत वर्ष 1996-97 और 2000-2001 के बीच की अवधि के दौरान एफ टी सी द्वारा किए[illegible]ए निर्यातों की इकाई कीमत सर्वाधिक है ।

5. एएसएफआई ने दावा किया है कि 3 प्रमुख पत्तनों के जरिए किए गए आयातों के आधार पर वर्ष 1999-2000 में आयातों की मात्रा वर्ष 2000-2001 में बढ़कर काफी हो गयी थी । संलग्न निम्न सारणी से यह प्रदर्शित होता है कि एएसएफआई और डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों की तुलना की गयी है । एएसएफआई के विद्वान सलाहकार ने यह दावा किया था कि डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़े अधिक यथार्थ नहीं हैं किन्तु सभी सरकारी संगठन और एएसएफआई स्वयं डीजीसीआईएण्डएस के आंकड़ों पर विश्वास करते हैं । इस सारणी से यह देखा जाएगा कि वर्ष 1999-2000 के दौरान आयात 16,649 एमटी या और 2000-2001 के दौरान यह 18,253 एम टी था, एएसएफआई द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की तुलना में डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों के अनुसार यह मात्रा वर्ष 1999-2000 के दौरान 11,257 एम टी और वर्ष 2000-01 के दौरान 20,999 एम टी थी । इससे यह देखा जाएगा कि सरकारी आंकड़ों से केवल मामूली वृद्धि प्रदर्शित होती है न कि कोई पर्याप्त वृद्धि, जैसाकि एएसएफआई द्वारा दावा किया गया है ।

स्रोत	1999-2000	2000-01	% वृद्धि
एएसएफआई(3 पत्तनों के जरिए किए गए आयातों पर आधारित)	11257	20990	86.5%
डीजीसीआईएण्डएस	16649	18253	11.%

6. यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि समग्र घरेलू उत्पादन संबद्ध माल की कुल घरेलू मांग से काफी कम है । परिणामस्वरूप मांग में आई कमी की पूर्ति आयातों द्वारा की जानी है । जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का कुल भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 18,000/-एम टी की कमी

[illegible] है, चूंकि कुल मांग लगभग 63000/एम टी थी । इस कमी की पूर्ति आवश्यक रूप से [illegible]यातों से की जानी है ।

7. [illegible]ह उल्लेख किया जाता है कि आवेदक ने अपनी समीक्षा याचिका में घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का कोई मामला सिद्ध नहीं किया है । यह निवेदन है कि आयातों की मात्रा में केवल परिवर्तन करने से वास्तविक क्षति अथवा कारणात्मक संबंध का पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिल जाता है । एस आर एफ ने तुलन-पत्र के पृष्ठ 46 में यह स्वीकार किया है कि उद्योग की खण्डित संरचना के कारण विशेषरूप से भारत में उत्पाद कीमतों में चक्रीय प्रवृत्ति रही है। पिछले पांच वर्षों में एस आर एफ ने भारत में उद्योग को समेकित करने में काफी योगदान दिया है, जिसके परिणामस्वरूप वह कम से कम भारतीय बाजार में एक कीमत निर्धारक के रूप में उभरा है ।

8. याचिकाकर्त्ता द्वारा अपनी समीक्षा संबंधी याचिका में इस आरोप को कि " एन टी सी एफ के अंतिम स्टाक में 3-1/2 गुना से भी अधिक की वृद्धि हुई है, सही साबित नहीं किया गया है । हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष नुकसान की मात्रा का खुलासा नहीं किया गया है ।

9. यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि प्रमुख भारतीय घरेलू उत्पादक मुनाफा कमा रहे हैं । समीक्षा आवेदन में दिए गए तर्कों कि घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है, की तुलना में पृष्ठ 24 पर एस आर एफ के तुलन-पत्र में यह कहा गया है कि एफ वाई 2001 के लिए वित्तीय स्थिति पिछले 10 वर्षों में कंपनी द्वारा दर्शाए गए सर्वोत्तम स्थापित अंकों में से है" । यह नोट करनाभी महत्वपूर्ण है कि सेंचुरी एंका जो मूल याचिका का एक पक्षकार था, ने वर्तमान समीक्षा याचिका में शामिल न होने का निर्णय लिया है । संबद्ध वस्तु के कारण लाभकारिता अन्य भारतीय घरेलू उत्पादकों के लिए समान होने की संभावना है । संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए मुख्य कच्ची सामग्री केपरोलेक्टम की कीमत में कमी होने के बावजूद भारतीय घरेलू उत्पादकों ने अनुपातिक रूप से संबद्ध वस्तु की कीमतों को कम नहीं किया ।

10. यदि एएसएफआई का यह तर्क है कि वास्तविक क्षति सीमाशुल्क की कमी के कारण हुई है तो इसका अर्थ यह होगा कि ऐसे सभी उत्पादों के संबंध में अधिक पाटनरोधी शुल्क को दोबारा निर्धारित किया जाए जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था । क्षति के निर्धारण के सिद्धांत यह कहते हैं कि प्राधिकारी पाटित आयातों के अलावा उन सभी ज्ञात घटकों की भी जांच करेंगे जिनसे उस समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही हो और इन अन्य घटकों के कारण हुई क्षति को पाटित आयातों के लिए नहीं समझा जाना चाहिए ।

III आयातकों द्वारा प्रस्तुत निवेदन

दिनांक 3.6.2002 की सार्वजनिक सुनवाई के अनुपालन में ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के लिखित निवेदन

1. ए टी एम ए उन टायर कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है जिनका कुल टायर उत्पादन टन भार/मूल्य के अनुसार भारत में टायर उद्योग के 85% कारोबार को दर्शाता है ।

2. एनटीसीएफ टायरों के विनिर्माण के लिए अनिवार्य मद है और टायर उद्योग द्वारा उपभोग की गई कुल कच्ची सामग्रियों की लागत का 27% हिस्सा है । यह उद्योग द्वारा प्रयोग की गई सभी कच्ची सामग्रियों में अकेली अधिकतम लागत वाली मद भी है । दूसरी अधिकतम कीमत वाली कच्ची सामग्री प्राकृतिक रबड़ है जो कुल कच्ची सामग्रियों की लागत का 24% हिस्सा है ।

3. आयात इसलिए हो रहे हैं कि:-

क) घरेलू उत्पाद घरेलू मांग से कम है ।

ख) टायरों के निर्यात उत्पादन के लिए शुल्क मुक्त आयात (अग्रिम लाइसेंस के तहत) की आवश्यकता ।

ग) यद्यपि एक उत्तम उत्पाद होने के कारण टायर उद्योग को स्पिन ड्रा एन टी सी एफ का अधिक उपयोग करने की आवश्यकता है (निम्न खण्ड III .ख में उल्लिखित कारणों से) परन्तु घरेलू विनिर्माताओं द्वारा स्पिन ड्रा एनटीसीएफ का उत्पादन बहुत ही कम है अतः इसे आयात करने की आवश्यकता है ।

5. एएसएफआई द्वारा प्रस्तुत एन टी सी एफ के आयात आंकड़ों और डीजीसीआईएण्डएस द्वारा यथा प्रकाशित आंकड़ों में सकल अंतर का उल्लेख करना समीचीन है । एएसएफआई ने यह तर्क दिया है कि आयात मात्राएं महत्ववपूर्ण रूप से 86.5% तक बढ़ी हैं । तथापि, डीजीसीआईएण्डएस द्वारा संकलित आंकड़ों से यह मालूम होता है कि वास्तविक आयात बहुत कम रहे हैं । प्रकाशित/प्रस्तुत आंकड़ों के बीच के अंतर को ध्यान में रखते हुए यही उचित होगा कि डीजीसीआईएण्डएस जो नियमित रूप से विदेश व्यापार आंकड़ों पर निगरानी रखता है और उनको नोट करता है, द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को अंतिम आंकड़ों के रूप में लिया जाए ।

6. एनटीसीएफ के अग्रिम लाइसेंस आयातों को समीक्षा याचिका के विचारार्थ एनटीसीएफ के आयात विवरणों से अलग रखा जाना चाहिए ।

7. स्पिन ड्रा प्रक्रिया से विनिर्मित एन टी सी एफ में बेहतर ब्रेकिंग ताकत है । टायर कंपनियाँ अधिकाधिक पारम्परिक प्रक्रिया से विनिर्मित एनटीसीएफ की अपेक्षा स्पिन ड्रा प्रक्रिया का प्रयोग कर रही हैं । स्पिन ड्रा प्रक्रिया और परम्परागत प्रक्रिया में एन टी सी एफ का घरेलू उत्पादन का 70:30 के अनुपात में है । अन्य शब्दों में एनटीसीएफ विनिर्माता स्पिन ड्रा प्रक्रिया के अंतर्गत एनटीसीएफ विनिर्माताओं के लिए टायर उद्योग के लिए सकल मानकों को पूरा करने के लिए सक्षम नहीं हैं । तकनीकी रूप से उत्तम उत्पाद श्रेणी होने के कारण स्पिन ड्रा एन टी सी एफ के आयात को सकल आयातों की गणना के प्रयोजनार्थ शामिल नहीं किया जाना चाहिए ।

8. पाटनरोधी शुल्क उत्पाद विकास और प्रौद्योगिकी विकास के आड़े नहीं आना चाहिए । भारतीय टायर उद्योग विश्वभर के 60 से अधिक देशों को लगभग 1,000 करोड़ रूपये के मूल्य के टायरों का निर्यात कर रहा है जिनमें अत्यधिक विकसित देश भी शामिल हैं ।

9. सेंचुरी ऐंका फरवरी 1999 में ए एस एफ आई द्वारा दायर किए गए आवेदन में एक पक्षकार था । तथापि, समीक्षा याचिका में सेंचुरी एंका एक पक्षकार के रूप में शामिल नहीं हुआ है । सेंचुरी एंका देश में एन टी सी एफ का लगभग 20% उत्पादन करता है और 70% से अधिक घरेलू उत्पादन के लिए एस आर एफ लि0 के साथ संयोजित है । इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी को घरेलू उद्योग में सेंचुरी एंका को अवश्य शामिल करना चाहिए । एटीएमए के अनुसार यह दोनों कंपनियां जो 70% घरेलू उत्पादन करती हैं एन टी सी एफ के आयात से प्रभावित नहीं हुई थी ।

10. एन टी सी एफ के घरेलू उत्पादकों की क्षमता में भी वृद्धि हुई है, एस आर एफ - क्षमता 500 एम टी/माह से बढ़कर 1000 एमटी/माह से अधिक हो गई, सेंचुरी एंका - क्षमता में लगभग 100-150 एमटी/माह की वृद्धि हुई, निर्लोन उत्पादन तमें 5-10% की वृद्धि हुई है ।

11. क्षमता उपयोग में मी के किसी दावे की भी इस पृष्ठभूमि में समीक्षा की जाए कि एन टी सी एफ के अग्रणी घरेलू विनिर्माता एस आर एफ लि0 अपने विदेशी (दुबई) संयंत्र से आपूर्तियां प्राप्त कर रहे हैं । यदि घरेलू क्षमता और उत्पादन घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होता तो यह प्रश्न किया जा सकता है कि अग्रणी उत्पादक को अपने विदेशी संयंत्र से उसी उत्पादक क्यों मंगाया जाना चाहिए जिसमें अतिरिक्त भाड़ा और संबंधित लागतें खर्च हो रही हैं । इसी प्रकार वही अग्रणी कंपनी (एस आर एफ लि0) एक ऐसी कंपनी से पर्याप्त मात्रा में नाइलोन टायर यार्न का पर्याप्त आयात कर रही हैं जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है यदि एस आर एफ एन टी सी एफ की घरेलू आवश्यकता को पूरा करने की स्थिति में होता तो उसे पाटनरोधी शुल्क लगाई गई कंपनी से नाइलोन टायर यार्न का आयात क्यों करना चाहिए ।.

12. आयात शुल्क में 40% से कमी करके 25% कर दिए जाने के बावजूद 2000-01 के दौरान एन टी सी एफ की पहुंच लागत 1999-2000 की तुलना में काफी बढ़ गई थी जो 177 रू0/किग्रा. से बढ़कर 187 रू0/किग्रा. हो गई थी । इसका कारण अमरीकी डालर की तुलना में रूपये का मूल्यह्रास था जो सीमाशुल्क कम करने के लिए परिकलित कीमत से अधिक रहा है । यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि आयातित एनटीसीएफ की पहुंच लागत में वृद्धि के अनुरूप घरेलू एन टी सी एफ की कीमत में भी 1999-2000 में 185 रू0/किग्रा. से वृद्धि होकर 2000-01 में 195 रू0/किग्रा. हो गई थी ।

13. सामान्य तौर पर किसी मामले की जांच अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के आधार पर पाटन सिद्ध करके तैयार किया जाता है । तथापि, एन टी सी एफ के मामले में इसका विलोम ही सत्य है । 1999-2000 के दौरान एन टी सी एफ के औसत अंतर्राष्ट्रीय कीमत 2.72 अमरीकी डालर/किग्रा. थी और वर्ष 2000-01 के दौरान इसकी कीमत 3.10 अमरीकी डालर/किग्रा. हो गई जिसमें 14% की वृद्धि हुई ।

IV प्रकटन विवरण के लिए हितबद्ध पक्षकारों का उत्तर

(क) घरेलू उद्योगः

1. **अनुबंध-1-सामान्य प्रकटन**

हम विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के इन विचारों से सहमत हैं कि भारत में संबद्ध देशों से आयातित एन टी सी एफ और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन एन टी सी एफ पाटनरोधी नियमों के प्रावधानों के अर्थों के भीतर समान वस्तुएं हैं ।

2. **अनुबंध II- पाटन का मूल्यांकन -पद्धति और मापदंड**

मै0 ह्यूसुंग कार्पो0, कोरिया

i) जांच अवधि के दौरान निर्यातक ने भारत को 1260 डी/2(ग्रे), 1260 डी/3 (ग्रे), 1680 डी/2(ग्रे) और 1680 डी/2 (डिप्ड) का निर्यात किया है । तथापि घरेलू बाजार में उन्होंने केवल 1260 डी/2(डिप्ड) और 1890 डी/2 (डिप्ड) की ही बिक्री की है ।

ii) तथापि, प्राधिकारी द्वारा देखी गई विसंगतियों की दृष्टि से प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दावा किए गए सामान्य मूल्य को उचित रूप से अस्वीकार किया है और भारत को निर्यातित चारों ग्रेडों में से प्रत्येक के लिए सामान्य मूल्य परिकलित किया है ।

मै0 थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज, ताइवान

i) प्राधिकारी न नाइलोन टायर कोड फैब्रिक के दोनों ग्रेडों अर्थात् (स्पेस्ड और एनसी के रूप में ग्रेड 'ए' और ग्रेड' बी') को उचित रूप से एकत्र किया है क्योंकि दोनों ग्रेडों में कोई अंतर नहीं है।

iii) प्राधिकारी ने उत्पादन लागत से विदेशी मुद्रा के घाटे को अलग कर दिया है। तथापि, यह निवेदन है कि ऐसे घाटों को केवल तभी अलग किया जा सकताहै जब वे असामान्य खर्चे हों अन्यथा वे सामान्य एस जी एण्ड ए लागतों का हिस्सा होते हैं। थाई एक्रेलिक फाइबर लि0 के मामले में विदेशी मुद्रा के घाटे उस समय उत्पन्न दक्षिण एशियाई मुद्रासंकट के कारण थे जो स्पष्ट रूप से असामान्य स्वरूप का था और इसलिए उसे उचित ढंग से अलग रखा गया था। तथापि, इस मामले में कोई असामान्य विदेशी मुद्रा घाटा मालूम नहीं होता जिसके कारण उसे सामान्य एस जी एण्ड ए लागतों से अलग रखने की आवश्यकता हो इसलिए यह निवेदन है कि उसे इस निर्यातक के लिए एस पी एण्ड ए लागत का निर्धारण करते समय शामिल किया जाए।

iii) निर्यातक ने डिप्ड फेब्रिक को दोनों बाजारों अर्थात् घरेलू बाजार और निर्यात बाजार में बेचा है। उचित तुलना करने के लिए निर्यातक ने अन्य बातों के साथ बिक्री खर्चों और उत्पाद मिक्स अंतर के लिए कटौतियों का दावा किया है।

iv) बिक्री खर्चों के संबंध में, अनुबंध I के पैराग्राफ 6(i) का तीसरा वाक्य निम्न प्रकार है:-

" प्रत्येक मामले में इसके गुण-अवगुण के आधार पर उन अंतरों के लिए उचित अनुमति दी जाएगी जिनसे बिक्री की शर्तों, कराधान, व्यापार स्तरों, मात्राओं, भौतिक विशेषताओं में अंतरों और अन्य कोई अंतर जिन्हें कीमत की तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किया गया हो सहित कीमत की तुलनीयता को प्रभावित करते हों।"

v) प्रश्न यह है कि क्या" बिक्री खर्चों" को उपर्युक्त प्रावधान के अर्थों के भीतर अनुमत उचित अनुमति के रूप में समझा जा सकता है। प्रथमतः उन्होंने प्राधिकारी को खर्चों के स्वरूप के बारे में सूचित नहीं किया है और केवल घरेलू बिक्रियों के लाभ के लिए ऐसे खर्चों का दावा क्यों किया गया है। उन्होंने अपने इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि उन बिक्री खर्चों से केवल घरेलू बिक्रियों को लाभ पहुंचा है। ऐसे साक्ष्य के अभाव में यह दावा कि इन खर्चों से केवल घरेलू बिक्रियों को लाभ पहुंचा है, मान्य नहीं हैं।

i) दूसरे, अगर हम यह स्वीकार किए बगैर मान लें कि उन खर्चों से केवल घरेलू बिक्रियों को लाभ पहुंचा है तो क्या उनकी उचित तुलना करते समय अनुमत राशि के रूप में कम किया जा सकता है? निम्नलिखित की दृष्टि से इसका उत्तर स्पष्ट रूप से "नहीं" है:-

(1) थाई बड़ौदा की अपनी स्वीकारोक्ति (उनके दिनांक 17.6.2002 के पत्र के तहत) के अनुसार यह खर्चे घरेलू एसजीए का हिस्सा है और इसलिए संबंधित परिशिष्टों में उत्पादन लागत के एक भाग के रूप में जोड़े जा सकते हैं।

(2) यदि कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्री कीमत के निर्धारण के समय [परिशिष्ट 5 में] प्रचलित घरेलू बिक्री कीमतों से ऐसे खर्चों को घटाया जाए तो इससे एक असामान्य स्थिति उत्पन्न हो जाएगी जहां लागतों में ये शामिल होंगे जबकि बिक्री प्राप्तियों में नहीं। इसके परिणामस्वरूप बहुत से बिक्री-सौदों को "सीओपी से कम" ठहराया जा सकता है।

(3) अतः यदि ऐसे खर्चे परिशिष्ट 9 में शामिल करने योग्य हैं तो इन्हें परिशिष्ट 5 से बाहर नहीं रखा जा सकता है। थाई बड़ौदा ने स्वयं ही कहा है कि ऐसे खर्चों को परिशिष्ट 9 में शामिल किया जाएगा और इसलिए इन्हें परिशिष्ट 5 से बाहर रखने का प्रश्न नहीं उठता।

(4) परिशिष्ट 5 में कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्री कीमतें दी गई हैं । इसकी संबंधित सी ओ पी से तुलना करनी होगी और सामान्य मूल्य का निर्धारण करनाहोगा । एक बार, सामान्य मूल्य का निर्धारण हो जाता है तो कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत से इसकी तुलना करनी होगी । इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य में किसी भी कटौती का प्रश्न नहीं उठता ।

(5) एकमात्र पद्धति यह है कि ऐसे खर्चों को प्रत्यक्ष बिक्री खर्चे माना जाए और कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्री कीमत के निर्धारण से पूर्व इसमें उचित कटौती की जाए । ऐसी कटौती केवल तभी की जा सकती है यदि संगत खर्च को "प्रत्यक्ष बिक्री खर्च" अर्थात् जो अलग-अलग प्रत्यक्ष बिक्री सौदों के साथ अभिज्ञात की जानी हो के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता हो ।

(6) प्रत्यक्ष खर्च का मापदण्ड भारत के साथ-साथ ईयू में भी समान रूप से अपनाया जा रहा है। इस संबंध में एडविन वर्मुलस्ट और पोल वेयर द्वारा लिखित पुस्तक" ईसी एंटीडंपिंग लॉ एण्ड प्रेक्टिस" का निम्नलिखित उद्धरण संगत हो सकता है:

" अनुच्छेद 2 (10)(क)-(य.) में उपलब्ध समायोजनों की सूची व्यापक मालूम होती है और प्रत्यक्ष संबंध जांच के आयोग के अनुभव के आधार पर निरंतर बनी रहती है: इसका अभिप्राय यह है कि किसी अथवा सभी ऊपरी खर्चों के लिए समायोजन की अनुमति इसलिए नहीं दी जाएगी कि ऐसे खर्चों को विचाराधीन बिक्री के साथ सीधे संबंधित नहीं समझा जाता है.....

.....विज्ञापन देना, अनुमति देने योग्य बिक्री खर्च नहीं है क्योंकि इसे ऊपरी खर्च माना जाता है । यह तब भी ऐसा ही माना जाएगा यदि यह भी साबित किया जा सकता हो कि विज्ञापन देने का खर्च विचाराधीन उत्पाद से सीधा संबंधित हो जैसे कि फोटो एल्बमों में दो कोरियाई उत्पादकों के मामले में था । इसी प्रकार परिवहन लागतों(बिक्री पूर्व), वेयर हाउस,(बिक्री पूर्व) और भण्डारण प्रभार, वित्त पोषण स्टाकों की लागतों, विनिमय घाटों, पैकिंग मशीन की लागतों, रॉयल्टियों जांचाधीन उत्पाद के अनुप्रयोगों के विकास के लिए कार्मिक खर्चों, घरेलू बाजार में भेजने के लिए प्रशासनिक लागतों, बिक्री पूर्व तकनीकी सहायता और सर्विसिंग के लिए कार्मिक खर्चों, संदेहास्पद कर्ज का प्रावधान बिक्री कार्यालयों के प्रशासनिक खर्चों, आर एण्ड डी, बिक्री संवर्धन और साख और पेटेंट शुल्कों में अंतरों के लिए भी समायोजनों से इंकार किया गया है ।

ii) उपर्युक्त की दृष्टि से यह निवेदन है कि केवल बिक्री खर्चों को ऊपरी लागतें माना जा सकता है और उनके लिए कटौती की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

उत्पाद मिक्स अंतर

i) जैसाकि प्रकटन विवरण के पृष्ठ 47-48 में दिया गया है कंपनी ने इस आधार पर उत्पाद मिक्स अंतर के लिए समायोजन का दावा किया है कि इसने अधिकांश 1680 डी को निर्यात बाजार में और अधिकांश 1260 तथा 1890 डी को घरेलू बाजार में बेचा है । यह भी बताया गया है कि जितना अधिक डेनियर होगा फेब्रिक उतना अधिक मोटा होगा, इसलिए प्रति वर्ग मीटर फेब्रिक का भार अधिक होगा । इसके अलावा, यह उल्लेख किया गया कि व्यय जैसे परिवर्तन लागत, ऊपरी लागत आदि मशीन उपयेग से भिन्न हैं । अतः उत्पादनलागत 1260 डी अथवा 1890 डी की तुलना में 1680 डेनियर के विनिर्माण में लगी सामग्री के संदर्भ में ही भिन्न होनी चाहिए । यह भिन्नता उत्पाद की भौतिक विशेषताओं के स्पष्ट संकेत से हो सकता है ।

ii) उत्पाद की भौतिक विशेषताओं की भिन्नता के लिए छूट का दावा करने के लिए निर्यातक को साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए और उसकी समुचित मात्रा बतानीचाहिए । तथापि, निर्यातक 2

बाजारों के लिए उत्पादन की कुल लागत भी है और उत्पाद-मिश्रण भिन्नता के लिए छूट के रूप में दोनों के बीच के अंतर का दावा किया है । ऐसा प्रतीत होता है कि वास्तव में परिशिष्ट 8 और 9 में यथा प्रदत्त कारखाना लागत लागतों के बीच के अंतर को पहले दावा किए गए छूटों का समायोजन करने के पश्चात् उत्पाद मिश्रण की भिन्नता को प्रदर्शित करने वाले मूल्य के रूप में लिया गया है । दो परिशिष्टों (अर्थात् परिशिष्ट 8 और 9)के बीच के अंतर के ऐसे थोक बिक्री की उदासीनीकरण की अनुमति नहीं दी जा सकती है । वस्तुतः इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए थी । थाई बरेदा को प्रत्येक डेनियर के लिए अलग-अलग लागत देनी चाहिए थी ।

iii) निर्यातक भौतिक विशेषताओं के अंतर बताने में असफल रहा है । एक बार पुनः ई सी पाटनरोधी कानून और पद्धति पुस्तिका का उल्लेख करने के लिए भौतिक विशेषताओं के बारे में समायोजन की राशि भिन्नता (लागत के विपरीत) बाजार मूल्य के उचित अनुमान के अनुरूप होगी ।

iv) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, यह निवेदन है कि छूट की अनुमति निर्यातक को नहीं दी जाएगी ।

मैसर्स फोर्मोसा टफेटा, ताईवान

कोई टिप्पणी नहीं ।

ii) अनुबंध-II: क्षति एवं कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन

डीजीसीआईएस के आंकड़े:

i) प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा, आयात कीमत, पहुंच मूल्य, इत्यादि का मूल्यांकन करने के लिए डीजीसीआईएण्डएस के आंकड़ों पर विचार किया है । घरेलू उद्योग ने मुंबई, चेन्नई और कोची पत्तनों द्वारा जीटी की गयी सीमा शुल्क की टैरिफ सूचियों के आधार पर गौण स्रोत के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं ।

ii) डीजीसीआईएण्डएस के आंकड़े विश्वसनीय नहीं थे क्योंकि इनमें डिप्ड फैब्रिक्स और ग्रे फैब्रिक्स के अलग-अलग ब्यौरे नहीं दिए गए थे । डीजीसीआईएस के आंकड़ों में डिप्ड फैब्रिक्स को ग्रे के साथ अंतर-मिश्रण से ग्रे फैब्रिक्स की औसत कीमत में वृद्धि हो गयी है । इसी प्रकार, जब ग्रे फैब्रिक्स का वर्गीकरण डिप्ड फैब्रिक्स के रूप में किया गया था तो डिप्ड फैब्रिक्स की भारित औसत आयात कीमतें कम हो गयी हैं ।

iii) प्राधिकारी ने अपनी पहल पर प्राप्त किए गए डी जी सी आई एस के आंकड़ों पर विचार किया है । प्राधिकारी ने इस बारे में कोई कारण नहीं बताया है कि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों के आंकड़े विश्वसनीय क्यों नहीं हैं ।

एनआईपी का पिरकलन

नुकसान रहित कीमत (एनआईपी) का परिकलन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने 'उपलब्ध तथ्यों' पद्धति के आधार पर मैसर्स सेंचुरी ऐंका से संबंधित आंकड़े शामिल किए हैं । हम निम्नलिखित कारणों को ध्यान में रखते हुए, नुकसानरहित कीमत का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ सेंचुरी ऐंका को शामिल किए जाने का विरोध करते हैं:

(1) ऐसा कोई कानून नहीं है जिसमें यह अपेक्षित हो कि घरेलू उद्योग के संघटक मूल जांच और परवर्ती प्रत्येक समीक्षा जांच के दौरान वही रहेंगे ।

(2) मूल जांच पूरी हो गयी थी । यह जांच सन् 2000 के प्रारंभ में अंतिम जांच परिणामों के प्रकाशन के साथ ही समाप्त हुई थी । मूल जांच अब समाप्त हो गयी है । समीक्षा जांच मूल जांच का विस्तार नहीं है ।

(3) समीक्षा जांच स्वयं एक पृथक जांच है । इस जांच की शुरूआत भारत में 5 घरेलू उत्पादकों में से 4 द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर की गयी है । इन 4 घरेलू एन टी एफ के उत्पादकों का उत्पादन भारत में एन टी सी एफ के कुल उत्पादन का 75% बनता था । पॉचवां उत्पादक-मैसर्स सेंचुरी ऐंका लि0 का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का केवल 25% बनता है ।

(4) यद्यपि सेंचुरी ऐंका मूल जांच के दौरान एक याचिकाकर्त्ता था तथापि उसने समीक्षा जांच करने के लिए निवेदन करने वाली शेष एककों में शामिल नहीं हुआ । तथापि, शेष उत्पादक नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनते थे ।

(5) चूंकि शेष 4 उत्पादकों ने " अधिकांश उत्पाद" जांच की शर्त पूर्णरूप से पूरी की है और इसीलिए वे कानूनी रूप से घरेलू उद्योग बनते हैं । समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग के एक और संघटक के रूप में सेंचुरी ऐंका को शामिल करने की कोई जरूरत नहीं है ।

(6) इसके अलावा, समीक्षा जांच नियम 23 द्वारा शासित होती है । नियम 23 में ऐसा कहीं भी नहीं कहा गया है कि समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग वही होना चाहिए जो मूल जांच में था । वस्तुतः समीक्षा में घरेलू उद्योग की स्थिति का ब्यौरा देने की भी जरूरत नहीं है क्योंकि नियम 23(3) द्वारा विशेषरूप से नियम 5 समाप्त कर दिया गया है । नियम 23 किसी हितबद्ध पार्टी पक्षकार को यह अधिकार प्रदानकरता है कि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को समीक्षा की जरूरत को न्यायोचित बताते हुए सूचना प्रदान करें ।

(7) प्राधिकारी द्वारा अब तक की गयी लगभग अधिकांश जांचों में, प्राधिकारी ने याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर एन आई पी का निर्धारण किया है बशर्ते कि उन्होंने भारत में समान माल के कुल उत्पादनका 50% से अधिक का प्रतिनिधित्व किया हो ।

(8) प्राधिकारी की यह कार्रवाई स्थापित कानूनी सिद्धांतों के खिलाफ है । वर्तमान परिस्थितियों में यह अनुचित है । यह संबंधित पूर्ववर्ती किसी जांच के अभूतपूर्व है ।

अतः घरेलू उद्योग के लिए एन आई पी का निर्धारण करते समय सेंचुरी ऐंका से संबंधित आंकड़ों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए था ।

(ख) एटीएमए:

1. एनटीसीएफ का घरेलू उत्पादन घरेलू मांग से कम होना, टायरों के निर्यात उत्पादन के लिए अग्रिम आयात लाइसेंस और एन टी सी एफ स्पिन ड्रा प्रोसेस का आयात करने की जरूरत ये तीन कारण एटीएमए द्वारा बताए गए हैं । उन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा दी गयी एन टी सी एफ की कुल मात्रा बतायी है जिसे टायर उद्योग द्वारा उठाया गया है । लेकिन टायर उद्योग

की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए यह पर्याप्त नहीं है जिससे टायर उद्योग को आयातों के जरिए मांग-पूर्ति के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

2. सरकार ने पाटनरोधी शुल्क लगाने से अग्रिम लाइसेंस आयात को उचित रूप से छूट दी है। इससे घरेलू निर्यातक अन्य देशों में अपने समकक्षों के साथ समस्तरीय कार्य क्षेत्र प्राप्त कर सकेंगे।

3. वर्तमान मामले में सिगैट ने यह माना है कि पारम्परिक प्रक्रिया अथवा स्पिन ड्रॉ प्रक्रिया के जरिए विनिर्मित एनटीसीएफ समान वस्तु है। इसी प्रकार यह निवेदन है कि प्राधिकारी को इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि स्पिन ड्रॉ प्रक्रिया का एनटीसीएफ (जो मुख्यतः आयात किया जाता है) पारम्परिक प्रक्रिया के एनटीसीएफ की तुलना में उत्तम गुणवत्ता का होता है क्योंकि पहले वाले में उत्तम ब्रेकिंग शक्ति (अधिक तन्यता के कारण) होती है।

4. हम अपने इस रूख को पुनः दोहराते हैं कि सरकार द्वारा लागू आयात शुल्क कटौती को विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क के साथ नहीं जोड़ा जा सकता। घरेलू उद्योग ने हमारे इस उल्लेख का कोई उत्तर नहीं दिया है कि सरकार ने प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स पर आयात शुल्क 25% से बढ़ाकर 70% कर दिया है और घरेलू उद्योग के इस तर्क को मानते हुए कि यदि प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाया होता तो उसे आयात शुल्क में वृद्धि होने पर समाप्त कर दिया जाना चाहिए था। पुनः यदि घरेलू उद्योग के तर्क को स्वीकार किया जाए तो प्रति वर्ष जब आयात शुल्क को कम किया जाता है तो, वह उद्योग जिन्होंने अपने आयातित उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क प्राप्त कर लिया था, सरकार से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि करने की सिफारिश कर सकते हैं। पाटनरोधी कानून के अंतर्गत इसकी परिकल्पना नहीं की गयी है।

(ख) थाई बड़ीवा इंडस्ट्रीज लि०:

1. टीबीआईएल ने विस्तृत प्रश्नावली उत्तर का ब्यौरा दिया गया है जिसमें यह स्थापित किया गया है कि थाईलैंड के निर्यात कीमत में काफी वृद्धि हुई है। इसी प्रकार का रूख अन्य देशों से रहा है। थाईलैंड से आयातों की मात्रा में गिरावट आई है।

2. कैप्रोलेक्टम जो एनटीसीएफ के उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत इसी सीमा में कमोबेश रही है (वस्तुतः कैप्रोलेक्टम की कीमतों में मामूली गिरावट आई है)।

3. टी बी आई एल ने निवेदन किया है कि विचाराधीन उत्पाद ग्रे एनटीसीएफ है। मूल जांच भी ग्रे फैब्रिक के लिए ही की गयी थी। अंतिम शुल्क समान वस्तु संबंधी जांच परिणाम के कारण डिप्ड एनटीसीएफ पर लगाया गया था।

4. टीबीआईएल पुनः इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारतीय बाजार में टीबीआईएल का कोई पाटन नहीं किया गया है।

(घ) फोरमोसा टफेटा कम्पनी ताईवान

1. मूल जांच में संपूर्ण जांच ग्रे फैब्रिक तक सीमित थी और फोरमोसा द्वारा जो सूचना दी गयी थी वह केवल ग्रे फैब्रिक के लिए थी। अभिलेखा में उपलब्ध डेनियर-वार सूचना के बावजूद अंतिम तुलना उस जांच में भारित औसत के आधार पर की गयी थी। तथापि, वर्तमान समीक्षा में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डेनियर से डेनियर तुलना का सहारा लेकर तुलना प्रणाली में परिवर्तन किया है।

2. फोरमोसा ने सभी सूचना जांच की प्रक्रिया के दौरान प्रदान कर दी थी । प्रकटीकरण विवरण के अवलोकन से यह प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने प्रस्तुत सूचना में कुछ भिन्नताएं नोट की थीं ।

3. फोरमोसा ने दोहराया है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ग्रे एन टी सी एफ है । मूल जांच में भी पूरी जांच केवल ग्रे फैब्रिक के लिए की गई थी । समान वस्तु पर जांच परिणाम के कारण डिप्ड एन टी सी एफ पर संभावित शुल्क लगाया गया था ।

4. फोरमोसा को सामान्य मूल्य के प्रस्तावित निर्धारण से बहुत दुःख हुआ है । फोरमोसा के संबंध में उपलब्ध सूचना के साथ-साथ विधि और व्यवहार के रूप में असमर्थित है ।

(ड.) पीटी,जीटी, इंडोनेशिया:

निर्यातक द्वारा यथा दावा किए गए डिपिंग को ग्रे 840डी/2 और 1680डी/2 की परिकलित लागत की गणना करने के लिए समायोजन के रूप में लिया जाना चाहिए ।

अन्य मुद्दों पर प्राधिकारी द्वारा जांच:

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए सभी अभ्यावेदनों पर योग्यता और उपर्युक्त नियमों के अनुसार विचार किया है ।

ज. पाटन:-

5. प्राधिकारी ने धारा 9क(i) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी । मै0 पीटी जी टी पेट्रोकैम इंडस्ट्रीज टीबीके, इंडोनेशिया, मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन,कोरिया, मै0 थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0, थाईलैंड और मै0 फोरमोसा टेफेटा कंपनी लि0, ताइवान ने इस मध्यावधि समीक्षा जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर दिया है । कोरिया से मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन द्वारा अपने गोपनीय उत्तर में अगोपनीय सारांश उपलब्ध नहीं कराया गया है ।

(क) सामान्य मूल्य

(i) मै0 पीटी जी टी पैट्रोकेम इंडस्ट्रीज टीबीके, इंडोनेशिया

1. सामान्य मूल्य का दावा घरेलू बाजार और घरेलू बाजार में बिक्रियों के बारे में सूचना के आधार पर किया गया है जिसे उत्तर के परिशिष्ट 3 के यथानुसार भारत को किए गए निर्यात, घरेलू बाजार बिक्रियां और अन्य देशों के हुए निर्यात जैसे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है । सूचना 840डी/2, 1260डी/2 और 1680डी/2 के लिए दी गई है और जो निम्नानुसार है:

कुल बिक्रियां घरेलू (डिप्ड)				निर्यात भारत(ग्रे)			अन्य देश		
ग्रेड	किग्रा.	अम.डा	प्र.किग्रा	किग्रा.	अम.डा.	प्र.किग्रा	किग्रा.	अम. डा.	प्र.किग्रा
840डी/2	***	***	***	***	***	***	***	***	***
1260डी/2	***	***	***	***	***	***	***	***	***

1680डी/2		0.00	0.0	***	***	***	0.0		0.0
भारित औसत			***			***			

परिशिष्ट 8,9 और 10 में प्रस्तुत कारखाना लागतें और लाभ परिशिष्ट 8 में 840डी/2, 1260डी/2 और 1680डी/2 (ग्रे और परिकलित मूल्य डिप्ड) परिशिष्ट 9 और 10 में केवल डिप्ड के लिए (भारत को किए गए निर्यातों की कारखाना लागत और लाभ) (घरेलू बिक्रियों और भारत को छोड़कर अन्य देशों के लिए कारखाना लागत और लाभ) ग्रेडों के लिए है । परिशिष्ट 4 में (भारत को निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचा) समायोजनों का दावा कमीशन के अतिरिक्त बोर्ड पर्यन्त निःशुल्क से पहले और बाद मे किया गया है । परिशिष्ट 5 में (घरेलू बिक्रियों और गैर भारतीय देशों के लिए बिक्री कीमत ढांचा) समायोजनों का दावा कमीशन के पहले और बाद के प्रभावों के कारण किया गया है । 31 दिसम्बर 2002 और 1999 को समाप्त वर्षों के लिए तुलन-पत्रों की प्रति ।

2. **उत्पादन की लागतः**

परिशिष्ट 9 में घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना लागत में 840डी/2, 1260डी/2 और 1680डी/2 (डिप्ड) ग्रेडों के लिए सूचना प्रस्तुत की गई है । घरेलू बाजार में 1680डी/2 (डिप्ड) की कोई बिक्री नहीं हुई थी । 840डी/2 के लिए कारखाना निकासी लागत *** अम0डा0 है । *** कि.ग्रा. पश्चात् कारखाना निकासी पर इकाई बिक्री कीमत *** /कि.ग्रा. अम0 डा0 है ।

1260डी/2 के लिए कारखाना निकासी लागत *** अम0 डा0 है । *** /कि.ग्रा. अम0 डा0 का निवल लाभ जोड़ने के पश्चात् कारखाना निकासी स्तर पर इकाई बिक्री कीमत *** /कि.ग्रा. अम0 डा0 है ।

1680डी/2 (ग्रे) के लिए परिकलित लागत *** /किग्रा. अम.डा. है और *** अम0डा0/किग्रा. का निवल लाभ जोड़ने के पश्चात कारखाना निकासी स्तर पर बिक्री कीमत *** /कि.ग्रा. अम0डा0 दर्शाई गई है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

परिशिष्ट 5 में दावा किए गए समायोजन (इंडोनेशिया में घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री मूल्य ढांचा):-

840डी/2(डिप्ड)- दावा की गई सूची कीमत *** अमरीकी डालर है । परिशिष्ट 1 क से यह मालूम होता है कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान इंडोनेशिया में विभिन्न कंपनियों को *** अम0 डा0 के मूल्य की ** कि.ग्रा. की कुल मात्रा की बिक्री की है । यूनिट मूल्य *** अमरीकी डालर परिकलित होता है । *** अम0 डा0 की राशि का कमीशन और *** अम0 डा0 की राशि की ऋण शर्तें मानने के पश्चात् कारखाना निकासी स्तर पर कीमत *** अम0 डा0/कि.ग्रा. परिकलित होती है । घरेलू बाजार में 840डी/2 (डिप्ड) की कारखाना लागत *** अम0डा0/किग्रा0 है और कारखाना निकासी स्तर पर कीमत उत्पादन की लागत से अधिक है । लाभांश को समायोजित करने के बाद कीमत *** डा0/किग्रा0 परिकलित होती है ।

*** की दर पर डिपिंग की लागत समायोजित करने पर ग्रे 840डी/2 की लागत *** अम0डा0/किग्रा. परिगणित हुई है ।

1260डी/2(डिप्ड)दावा की गई सूची कीमत *** अमरीकी डालर है । परिशिष्ट 1 क से यह मालूम होता है कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान इंडोनेशिया में विभिन्न कंपनियों को *** अम0 डा0 के मूल्य की ** कि.ग्रा. की कुल मात्रा की बिक्री की है । यूनिट मूल्य *** अमरीकी डालर परिकलित होता है । *** अम0 डा0 की राशि का कमीशन और *** अम0 डा0 की राशि की ऋण शर्तें मानने के पश्चात् कारखाना निकासी स्तर पर कीमत *** अम0 डा0/कि.ग्रा. परिकलित होती है । घरेलू बाजार में 1260डी/2 (डिप्ड) की कारखाना लागत *** अम0डा0/किग्रा0 है और कारखाना निकासी स्तर पर कीमत उत्पादन की लागत से अधिक है । लाभांश को समायोजित करने के बाद कीमत *** अम0डा0/किग्रा0 परिकलित होती है ।

*** की दर पर डिपिंग की लागत समायोजित करने पर ग्रे 1260डी/2 की लागत *** अम0डा0/किग्रा. परिगणित हुई है ।

1680डी/2(ग्रे)-जांच की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में 1680डी/2(डिप्ड) की कोई बिक्री नहीं हुई थी । इसलिए 1680डी/2(ग्रे) के उत्पादन लागत निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार के लिए *** अम0डा0/किग्रा0 परिगणित की गई है ।

प्राधिकारी ने 1680डी/2(ग्रे) के लिए परिगणित लागत को पुनः परिकलित किया है । प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री की लागत *** अम0डा0/किग्रा0, प्रत्यक्ष श्रम लागत *** अम0डा0/किग्रा0, उपयोगिताएं *** अम0डा0, निर्माण के ऊपरी खर्चे *** अम0डा0, मूल्य ह्रास *** अम0डा0, ब्याज की लागत *** अम0डा0 और पैकिंग लागत *** अम0डा0 मानी है जिससे कारखाना निकासी लागत *** अम0डा0/किग्रा0 परिकलित हुई है । बिक्री कीमत *** % का लाभ जोड़ने के पश्चात् बिक्री और प्रशासन लागत *** अम0डा0/किग्रा0 मानी गई है तथा 1680डी/2(ग्रे) के लिए कारखाना निकासी इकाई बिक्री कीमत *** अम0डा0/किग्रा0 मानी गई है ।

इंडोनेशिया के घरेलू बाजार में बेची गई मात्राएं, जैसे कि ऊपर दी गई हैं, और दावा किए गए समायोजनों पर विचार करने के पश्चात 840डी/2 और 1260डी/2 ग्रेडों के अलग-अलग कारखाना निकासी बिक्री कीमतों के आधार पर प्राधिकारी ने इन दो ग्रेडों में भारित औसत सामान्य मूल्य *** अम0 डा0 निकाला है । डिप्ड फैब्रिक (840डी/2 और 1260डी/2) के लिए भारित औसत लागत कीमत *** अम0डा0/किग्रा0 है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारित औसत कारखाना निकासी सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत से अधिक है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि 840डी/2 और 1260डी/2 ग्रेडों के सौदे घाटे वाले नहीं थे । भारित औसत सामान्य मूल्य *** अम0डा0/किग्रा0 निकलता है ।

इंडोनेशिया से अन्य निर्यातक/उत्पादक

प्राधिकारी पाते हैं कि इंडोनेशिया से अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसलिए प्राधिकारी ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और सर्वोत्तम उपलब्ध

सूचना पर कार्यवाही करते हैं । इंडोनेशिया से सहयोगी निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों को प्रदान करने के पश्चात् बेचे गए विभिन्न ग्रेडों के लिए कारखाना निकासी भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत *** अम0 डा0 मानी गई है ।

(ख) मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन कोरिया:-

निर्यातक ने निर्यातकों की प्रश्नावली के अपने उत्तर के अगोपनीय रूपान्तर को उपलब्ध नहीं करवाया है और मौखिक सुनवाई के अनुसरण में लिखित निवेदन उपलब्ध नहीं करवाए हैं ।

1. निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी कमियों के पत्र का उत्तर भी नहीं दिया है ।

(क) सामान्य मूल्य:

1. परिशिष्ट 1 जिसे अगोपनीय बताया गया है में केवल उत्पाद के ग्रेड बताए गए हैं, जिससे यह मालूम होता है कि ग्रेड 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) और 1890डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) घरेलू बाजार में बेचे गए हैं । उन्होंने परिशिष्ट 1 में भी कहा है कि उनके सभी घरेलू और विदेशी ग्राहकों ने भारतीय ग्राहकों को छोड़कर केवल डिप्ड टायर को फैब्रिक का ही प्रयोग किया है क्योंकि उनके पांस रॉ फैब्रिक को डिप्ड फैब्रिक में बदलने के लिए डिपिंग मशीनें नहीं हैं । इसलिए वह प्राधिकारी को उसी मद की घरेलू बिक्री की सूचना नहीं दे सकते जिसके लिए भारतीय ग्राहकों को आपूर्ति की गई है । इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्रियों के कोई सौदेवार आंकड़े नहीं हैं । परिशिष्ट 4 में भारत को निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचे में कंपनी ने बोर्ड पर्यन्त निःशुल्क से पहले और बाद के प्रभारों की समायोजनों का दावा किया है जिनमें अन्तर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग, अन्य विदेशी बीमे तथा अन्य और 12600डी/2 (रॉ फैब्रिक) के निर्यातों के लिए डिस्काउंट/कमीशन शामिल हैं ।

परिशिष्ट 3 में (कंपनी के माल की बिक्री), स्थिति निम्न प्रकार है:

	भारत को निर्यात			घरेलू बिक्रियां			तीसरे देशों को		
ग्रे	किग्रा.	कुल डा.	डा/किग्रा	किग्रा.	कुल डा.	डा/किग्रा	किग्रा	कुल डा.	डा/किग्र
1260डी/2	***	***	***						
1260डी/3	***	***	***						
1680डी/2	***	***	***						
डिप्ड									
1260डी/2				**	**	**	**	***	**
1260डी/3							**	***	**
1680डी/2	***	**	**					0	
1890									
डी/2				**	**	**	**	***	**
कुल	**	**	**	**			**		
कुल बिक्रियां	**								

यह देखा जा सकता है कि परिशिष्ट 3 के अनुसार बिक्रियां *** एमटी हैं जबकि परिशिष्ट 7 के अनुसार बिक्रियां *** एमटी दर्शाई गई हैं ।

परिशिष्ट-5 में घरेलू बिक्रियों के बारे में दावा किए गए समायोजन

3. परिशिष्ट 5 में घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत ढांचें में कंपनी ने कारखाना निकासी के पश्चात् के प्रभारों के कारण समायोजनों का दावा किया है जिनमें 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) और 1890डी/2 (डिप्ड फैबिक) की बिक्रियों के लिए डिस्काउंट के अतिरिक्त अन्तर्देशीय भाड़ा कर और अन्य शामिल हैं । इसलिए कारखाना निकासी स्तर पर इकाई बिक्री कीमत 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अम0 डा0/कि.ग्रा. और 189डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अम0डा0/कि.ग्रा. परिकलित हुई हैं ।

(ख) उत्पादन की लागत:-

परिशिष्ट 9 में (घरेलू बिक्रियों की कारखाना लागत और लाभ) निर्यातक द्वारा कारखाना निकासी स्तर पर इकाई बिक्री कीमत 1260/डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अम0 डा0/किग्रा. का दावा किया गया है । घरेलू बाजार में बेची गई कुल मात्रा *** अम0 डा0 के मूल्य की *** है ।

1890डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए निर्यातक द्वारा दावा की गई कारखाना निकासी स्तर पर इकाई बिक्री कीमत *** अम0डा0/किग्रा. है । घरेलू बाजार में बेची गई कुल मात्रा *** अम0 डा0 के मूल्य की *** कि.ग्रा. है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

2000 को समाप्त वर्ष के लिए प्रस्तुत आय विवरण का विश्लेषण करते हुए:
निर्यातक ने जांच अवधि के लिए ब्यौरेवार वार्षिक लेखे उपलब्ध नहीं कराए हैं, तथापि 2000 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्चों का एक विवरण उपलब्ध कराया गया है । यह मालूम होता है कि बिक्री मूल्य *** (एमएलएन कोरियन वून) है, इसमें *** से लाभ कम करके उत्पादन की लागत *** है । एसजीए खर्च *** दर्शाया गया है, यह ***% (***/***)परिकलित होता है । लाभ की गणना ***% (***/***) हुई है । जांच विनियोजन न होने के कारण इन % को जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित ग्रेडों के संबंध में सामान्य मूल्य परिकलित करने के लिए अपनाया गया है ।

1260डी/2(डिप्ड फैब्रिक)-प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि निर्यातक ने घरेलू बाजार में बेचे गए 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अम0डा0/कि.ग्रा.की कारखाना निकासी उत्पादन लागत का दावा किया है । कच्ची सामग्री की लागत में *** अम0डालर के मूल्य के *** किग्रा.की मात्रा का कच्चा बैरिक शामिल होता है उसके बाद उसकी प्रति इकाई लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. आती है । *** अम0 डा0 के मूल्य के *** किग्रा. की मात्रा की डिप मिश्रण लागत होती है उसके बाद प्रति इकाई डिप मिश्रण लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. आती है । इस प्रकार कच्ची फैब्रिक और डिप मिश्रण की कुल कच्ची सामग्री की लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है । प्रत्यक्ष मजदूरी लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. क्षमता उपयोग लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. और कुल ऊपरी खर्च संबंधी लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है ।

1890डी/2(डिप्ड फैब्रिक)- प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में बेचे गए 1890 डी/2(डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अम0डा0/कि.ग्रा. के उत्पादन की कारखाना निकासी लागत का निर्यातक द्वारा दावा किया गया है । कच्चे माल की लागत में *** अम0 डा0 कीमत के लिए *** कि.ग्रा. की मात्रा का रॉ फैब्रिक शामिल है जिससे प्रति इकाई लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. हो जाती है । *** कि.ग्रा. की मात्रा का रॉ फैब्रिक शामिल है जिससे प्रति इकाई लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. हो जाती है । *** किग्रा. मात्रा के लिए डिप मिश्रण का मूल्य *** अम0 डा0 है जिससे प्रति इकाई डिप मिश्रण की लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. हो जाती है । इसलिए कच्चे फैब्रिक और डिप मिश्रण के कारण कुल कच्ची सामग्री की लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है । प्रत्यक्ष श्रम लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है, उपयोगिता लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है, और सकल ऊपरी खर्च की लागत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि परिशिष्ट 9(घरेलू बिक्रियों की कारखाना लागत और लाभ) में निर्यातक द्वारा दावा की गई 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) और 1890डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए कारखाना निकास इकाई बिक्री कीमत क्रमशः *** अम0डा0/कि.ग्रा. और *** अम0डा0/कि.ग्रा. है जो परिशिष्ट 3 (कंपनी के माल की बिक्रियां) जिसके अनुसार यह मालूम होता है कि 1260डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) ग्रेड की इकाई बिक्री कीमत *** अम0डा0/कि.ग्रा. है और 1890डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) ग्रेड के लिए*** अम0डा0/कि.ग्रा.है, में उपलब्ध आंकड़ों के साथ मेल नहीं खाती है ।

परिशिष्ट 3 और 9 में दी गई इकाई कारखाना निकास बिक्री कीमतों में विषमता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अपनी प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक द्वारा दावा किए गए सामान्य मूल्य से संबंधित आंकड़ों को अस्वीकार करने के लिए बाध्य हैं ।

परिगणित सामान्य मूल्यः

1260डी/2 ग्रे

निर्यातक ने बिक्री कीमत *** डालर और *** डा0 के रूप में विभिन्न लेखों में समायोजनों का दावा किया है जिससे कारखाना निकासी कीमत *** डालर के रूप में परिकल्पित होती है । उत्पादन की लागत के अनुसार एसजीए द्वारा *** का दावा किया गया है ।
दावा किए गए एसजीए(*** -***) का समायोजन करके उत्पादन लागत *** बनती है । 14% की दर पर एसजीए (आय के विवरण में यथा परिकलित) को जोड़कर तथा **% की दर पर लाभ को शामिल करके परिगणित निवल मूल्य *** डा0/किग्रा. बनता है जिसे स्वीकार किया गया है ।

1260डी/3 ग्रे

निर्यातक ने *** डा0 की निर्यात कीमत और *** डा0 विभिन्न लेखरों में समायोजनों का दावा किया है जिससे कारखाना निकास पर कीमत *** डा0 परिकलित होती है । उत्पादन की लागत के अनुसार इस ग्रेड के लिए दावा किया गया एसजीए *** है ।

दावा किए गए एसजीए(*** -***) का समायोजन करने के बाद उत्पादन लागत *** परिकलित होती है । ***% की दर पर एसजीए (आय के विवरण में यथा परिकलित), और ***% की दर पर लाभ को जोड़कर परिगणित निवल मूल्य *** डा0/कि.ग्रा. बनता है जिसे स्वीकार किया गया है ।

1680डी/2 ग्रे

निर्यातक ने *** डा0 की निर्यात कीमत और *** डा0 विभिन्न लेखरों में समायोजनों का दावा किया है जिससे कारखाना निकास पर कीमत *** डा0 परिकलित होती है । उत्पादन की लागत के अनुसार इस ग्रेड के लिए दावा किया गया एसजीए *** है ।

दावा किए गए एसजीए(*** -***) का समायोजन करने के बाद उत्पादन लागत *** परिकलित होती है । ***% की दर पर एसजीए (आय के विवरण में यथा परिकलित), और ***% की दर पर लाभ को जोड़कर परिगणित निवल मूल्य *** डा0/कि.ग्रा. बनता है जिसे स्वीकार किया गया है ।

1680डी/2 (डिप्ड)

निर्यातक ने *** डा0 की निर्यात कीमत और *** डा0 विभिन्न लेखरों में समायोजनों का दावा किया है जिससे कारखाना निकास पर कीमत *** डा0 परिकलित होती है । उत्पादन की लागत के अनुसार इस ग्रेड के लिए दावा किया गया एसजीए *** है ।

दावा किए गए एसजीए(*** -***) का समायोजन करने के बाद उत्पादन लागत *** परिकलित होती है । ***% की दर पर एसजीए (आय के विवरण में यथा परिकलित), और ***% की दर पर लाभ को जोड़कर परिगणित निवल मूल्य *** डा0/कि.ग्रा. बनता है जिसे स्वीकार किया गया है ।

कोरिया के अन्य निर्यातक/उत्पादकः

प्राधिकारी ने यह देखा है कि कोरिया के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य,, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की । इसलिए प्राधिकारी ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उन्होंने उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे कार्यवाही की है । कोरिया के सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात् बेचे गए विभिन्न ग्रेडों के लिए कारखाना निकासी अधिमानी औसत घरेलू बिक्री कीमत *** अम0 डा0/किग्रा. (ग्रे फैब्रिक) और *** अम0 डा0/किग्रा.(डिप फैब्रिक) मानी गई है ।

(घ) मै0 थाई बड़ौदा, थाईलैंड

(क) उत्पादन लागतः

मध्यावधि समीक्षा के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 की है । कंपनी प्रतिवर्ष सितंबर में समाप्त होने वाले अपने वित्तीय खातों को रखती है । कंपनी ने सितम्बर, 1999 और सितम्बर 2000 को समाप्त वर्षा के लिए अपने तुलन-पत्र प्रस्तुत किए हैं । कंपनी ने 30 सितम्बर, 2000 से 31 दिसम्बर, 2000 के तीन महीनों की अवधि के लिए विधिवत् प्रमाणित तुलन-पत्र प्रस्तुत किए हैं । 31 मार्च,2000 (जांच अवधि) को समाप्त अवधि के लिए खर्च, समूहबद्ध खर्च, परीक्षण शेष और तुलन-पत्र के व्यापक शीर्ष को इंगित करते हुए राजस्व और खर्चों से संबंधित आय

का एक विवरण भी उपलब्ध कराया है । ये सभी जांच की अवधि के लिए विधिवत् रूप से लेखा परीक्षित हैं । खर्च से संबंधित विभिन्न शीर्षों के संबंध में लेखाओं की स्थिति जांच अवधि के लिए तद्नुसार उपलब्ध कराए गए हैं । कंपनी द्वारा यह भी बताया गया है कि इस संयंत्र में एन टी सी एफ के अलावा कोई दूसरा उत्पाद नहीं बनाया जा रहा है । तथापि, बिक्रियों के (1%) यार्न जोकि कंपनी के लिए एक मध्यवर्ती हैं, की एक छोटी सी मात्रा की भी बिक्री की गई । तथापि, एन टी सी एफ का विभिन्न डेनियरों में उत्पादन किया जाता है । यह भी उल्लेख किया जाता है कि कंपनी ने दोनों बाजारों अर्थात् भारत और घरेलू बाजार में केवल डिप्ड फैब्रिक(अलग अलग ग्रेड) की बिक्री की है । चूंकि अलग अलग डेनियरों द्वारा केवल एक ही प्रकार का उत्पाद बनाया जाता है इसलिए औसत आधार पर एन टी सी एफ की प्रति कि.ग्रा. लागत निकालने के लिए आसान गणना करना संभव है । निकाली गई लागत के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

विवरणियां	कुल खर्च (बाहत)	लागत बाहत/किग्रा.
बिक्री की मात्रा	***	***
बिक्री खर्चे(भाड़ा और परिवहन समेत)	***	***
प्रशासनिक खर्चे	***	***
वित्तीय खर्चे	***	***
अवमूल्यन खर्च	***	***
विनिमय पर घाटे-छोटे	***	***
विनिमय पर घाटे -बड़े	***	***
कुल खर्च	***	***
घटाः अन्य आय	***	***
कुल लागतें	***	***

परिशिष्ट 7 के अनुसार कंपनी ने जांच अवधि अर्थात् अप्रैल 2000 से मार्च, 2001 के लिए अपने उत्पादन को *** किग्रा. के रूप में बताया है जिसे कुल उत्पादन के द्वारा विभाजित किया गया है जिसकी औसत लागत *** बाहत/किग्रा. निकलती है । प्राधिकारी उत्पादन लागत के निर्धारण के संगत तत्वों के रूप में विनिमेय दर के उतार-चढ़ाव(अल्पावधि और दीर्घावधि) से हुए घाटों को नहीं माना है । कंपनी ने अपने तुलन-पत्र में बताया है कि कतिपय विदेशी मुद्रा ऋणों का निपटान करने के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम से बचने के लिए कंपनी ने अग्रवर्ती विनिमय संविदा समझौता किया है । संबंधित अग्रवर्ती प्रीमियम को अग्रवर्ती संविदा के अनुसार स्ट्रेटलाइन पद्धति के द्वारा परिशोधन किया जा रहा है। इस प्रकार के सौदों का परिणाम घाटा या मुनाफा हो सकता है । इन्हें उत्पादन की प्रचालनात्मक लागत को प्रमाणित करने के लिए व्यापार के सामान्य सिद्धान्त में सामान्य और गैर प्रचालनात्मक नहीं माना जाना चाहिए । मै0 थाई एक्रिलिक फाइबर लि0 की दूसरी जांच में उत्पादन की लागत के एक तत्व के रूप में हानि/लाभ को विदेशी विनिमय में उतार-चढ़ाव को नहीं माना गया था । इस उत्पाद के बारे में मूल जांचों में भी विनिमय लाभ/हानि को उत्पादन की लागत के एक तत्व के रूप में नहीं माना गया था ।

विनिमय दरों के घाटों के लिए खर्च को घटाने के बाद भारित औसत उत्पादन लागत *** बाहत/किग्रा. निकलती है । प्रति कि.ग्रा. की यह औसत लागत सही अर्थ में ग्रेड ए, ग्रेड बी, स्पलिस्ड(डेनियर से भिन्न) के लिए है ।

थाई बड़ौदा ने दावा किया है कि कंपनी ने भारत में दो तरह के नाइलान टायर कोर्ड फैब्रिक नामतः "ए" ग्रेड और "बी" ग्रेड एन टी सी एफ की बिक्री की है । कंपनी द्वारा यह प्रमाणित किया गया है कि ग्रेड की विशेषता निर्यात बीजकों में भी दी गई है जिसमें कंपनी ने अपने बीजकों में " स्पलिस्ड " "एन सी" इत्यादि का उल्लेख किया है । चूंकि दोनों ग्रेडों की कीमतों में काफी अन्तर है इसलिए निर्यातकों ने दोनों ग्रेडों के लिए अलग मूल्यांकन करने का दावा किया है । तथापि, प्राधिकारी द्वारा उत्पाद का अन्तिम निरीक्षण करने के आधार पर ग्रेडों की विशेषता को नोट किया गया है । यह जानबूझकर नहीं किया गया है विभिन्न ग्रेडों के साथ इन उत्पादों का उत्पादन करना कंपनी का सुविचारित निर्णय है । दोनों ग्रेडों की उत्पादन लागत भिन्न नहीं है । यह देखते हुए प्राधिकारी दोनों ग्रेडों को एक करना उचित मानते हैं ।

कंपनी ने *** बाहत/किग्रा. के रूप में विभिन्न समायोजनों के पश्चात् *** बाहत/किग्रा. की घरेलू सूची कीमत और कारखाना निकासी स्तर का दावा किया है (परिशिष्ट 4-5) । यह तर्क दिया जा सकता है कि *** बाहत/किग्रा. (उपर्युक्त गणना के आधार पर) की औसत लागत सही तौर पर नहीं दर्शाई गई है और निर्यातक की उत्पादन लागत को सही तौर पर नहीं दर्शाती है । परन्तु कंपनी ने अपनी स्वयं की स्वीकारोक्ति में निर्यातित समान वस्तुओं के लिए *** बाहत/किग्रा. के रूप में अपनी घरेलू लागत (परिशिष्ट 8-9) का दावा किया है ।

मूल जांच के दौरान सामान्य मूल्य को परिकलित किया गया था । निर्यातकों के आवेदनों के साथ संघटक-वार स्थिति की तुलना की गई है जो निम्नानुसार है:-

अम0 डा0/किग्रा.

विवरणियां	मूल जांच	मध्यावधि समीक्षा
प्रत्यक्ष सामग्री लागत	***	***
वेतन और मजदूरी	***	***
भण्डार और मरम्मत	***	***
बिजली और अन्य उपयोगिता	***	***
ऊपरी बिक्रियां	***	***
प्रशासनिक खर्चे	***	***
वित्तीय खर्चे	***	***
ह्रास	***	***
विनिमय पर घाटा	***	***
उत्पादन की कारखाना निकासी	***	***

यह देखा जा सकता है कि लागत की कमी का मुख्य प्रभाव वित्तीय खर्चों से होता है जिसकी पुर्नआकलित किया गया है और कंपनी ने अपने तुलन-पत्र में विधिवत रूप से बताया गया है और इसे अन्यत्र पुनः दर्शाया गया है ।

निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई समचना पर भरोसा किया गया है और परिशिष्ट 8 और 9 के अनुसार उत्पादन लागत *** बाहत/किग्रा. के रूप में निकाली गई है ।

सामान्य मूल्य:

निर्यातक ने घरेलू बाजार में एन टी सी एफ की बिक्रियों के बारे में पण्यवार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। यह देखा जा सकता है कि कंपनी दोनों बाजारों अर्थात् घरेलू बाजार और भारत को निर्यात कर डिप्ड फैब्रिक की बिक्री कर रही है। निर्यातक ने दो तरह की एन टी सी एफ जो ए ग्रेड एन टी सी एफ और बी ग्रेड एन टी सी एफ हैं, का निर्यात किया है। विशिष्ट ग्रेड बीजक में दिया गया है। घरेलू बाजार में ए ग्रेड श्रेणी की बिक्रियाँ *** बहत मूल्य पर *** किलो की बनती हैं जिनकी औसत *** बाहत/किग्रा. निकलती है। *** किग्रा.. ग्रेड बी की बिक्री का *** बहत/किग्रा. आती है जिसका कंपनी द्वारा परिशिष्ट 4-5 में दावा किया गया है।

कंपनी की घरेलू बिक्रियों का विस्तृत कारोबार विश्लेषण भी किया गया है। इस बात का भी परीक्षण किया गया है कि क्या 20% घरेलू बिक्रियां उत्पादन की लागत से कम हैं। परिशिष्ट 1 में दी गई बिक्री कीमत भी निकाली गई है। इनकी तुलना उत्पादन की लागत से की गई है। यह परीक्षण करते समय यह पाया गया कि कंपनी की 10.7% घरेलू बिक्रियां उत्पादन की लागत से कम पर हुई हैं। चूंकि 20% घरेलू बिक्रियां उत्पादन की लागत से कम पर हुई हैं, सामान्य मूल्य पर पहुंचते समय कुल घरेलू बिक्रियों को ध्यान में रखा जाता है। घरेलू बिक्रियों के सभी कारोबारों की औसत बिक्री कीमत *** बाहत/किग्रा. माना गया है। दावे किए गए समायोजन नीचे दिए गये हैं :

(क) कमी/कमीशन

कटौती *** बहत की कुल राशि के साथ *** कि.ग्रा. की मात्रा दर्शाते हुए परीक्षण बैलेंस ए/सी कोड नं0 530105 के अनुसार यथावत सूचित की गयी है। इस प्रकार *** बहत/किग्रा. का असर दिया गया है।

(ख) अंतर्राज्यीय भाड़ा

कटौती को *** बहत की कुल राशि के साथ *** कि.ग्रा. की मात्रा को दर्शाते हुए परीक्षण बैलेंस कोड नं0 530201 कु अनुसार यथावत सूचित किया गया है अतः यह *** बहत/किग्रा. के प्रभाव को दर्शाता है। कंपनी ने इस बारे में बीजक भी प्रस्तुत किए हैं। इसकी अनुमति दी गई है।

(ग) बीमा

कटौती को *** बहत की कुल राशि के साथ *** कि.ग्रा. की मात्रा को दर्शाते हुए परीक्षण बैलेंस कोड नं0 530201 के अनुसार यथावत सूचित किया गया। दावा किए गए अनुसार इसकी अनुमति दी गई है।

(घ) ऋण/भुगतान की शर्तें

कंपनी ने ***% की दर पर ब्याज दर को अंगीकार करते हुए ऋण लागत के लिए *** बहत का दावा किया है। कंपनी के तुलन-पत्रों(31 दिसंबर, 2000 को समाप्त) से दिखाई देता है कि बैंक के ओवरड्राफ्ट ब्याज दर (निर्यात) ***% ,पैकिंग ऋण ***% से ***% है तथा न्यास

प्राप्तियों के तहत देयताएं **% से ***% के बीच हैं । यह देखा गया है कि देनदार का ऋण मुख्यतः कार्यशील पूंजी (बैंक ओवर ड्राफ्ट) से संबंधित है अतः बैंक के ओवर ड्राफ्ट के लिए लागू ब्याज की दर की अनुमति दी गई है । जैसाकि कंपनी ने दावा किया है ऋण के प्रभाव का आंकलन प्रतिवर्ष ***% की बजाय ***% की दर से किया गया है ।

ऋण के प्रभाव *** बहत होता है जिसकी अनुमति दी गई है ।

(ङ.) बिक्री व्यय

कटौती का दावा *** बहत की कुल राशि के साथ *** किग्रा. की मात्रा को दर्शाते हुए किया गया है इस प्रकार यह *** बहत प्रति किग्रा. का प्रभाव देता है । इसकी दावा किए अनुसार अनुमति दी जा सकती है ।

(च) उत्पाद मिश्रण संबंधी अन्तर

कंपनी ने उत्पाद मिश्रण संबंधी अंतर के लिए *** बहत प्रति किग्रा. के समायोजन का दावा किया है । कंपनी ने स्पष्ट किया है कि संबद्ध ग्रेड कुछेक डेनियरों(निर्यातक के उत्तर का पृष्ठ 5) में उत्पादित किए जाते हैं । कम्पनी ने अनुरोध किया है कि विभिन्न डेनियरों का भारत को निर्यात किया गया है । कंपनी ने दावा किया है कि अत्यधिक डेनियर के इस्तेमाल से आखिरकार कपड़े मोटे हो जाते हैं जिससे प्रति वर्ग मीटर वजन बढ़ जाता है । कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने निर्यात बाजार में 1680 डेनियरों से अधिक की बिक्री की है और 1260 और 1890 से अधिक डेनियरों की बिक्री आंतरिक बाजार में की गई है । यह अनुरोध किया गया है कि किसी उत्पादक के लिए बहुलकीकरण की अवस्था तक उत्पादन की लागत में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं है ।

फैब्रिक का उत्पादन भारत के रूप में दर्ज किया जाता है । जितना अधिक डेनियर होगा उतना मोटा कपड़ा होगा और इस प्रकार कपड़े का प्रति वर्गमीटर भार अधिक होगा । इस प्रकार जितना मोटा कपड़ा होगा बुनाई और डिपिंग की अवस्था में प्रति घंटा उत्पादन अधिक होगा । तथापि ऐसे व्यय जैसे परिवर्तन लागत और ऊपरी लागत मशीन उपयोग से भिन्न नहीं होगी । इसलिए जितना अधिक उत्पादन होगा उतना ही परिवर्तन लागत और निर्धारित लागतों का प्रभाव कम होगा ।

कंपनी ने दो बाजारों में उत्पादन की लागत में अंतर के आधार पर घरेलू बाजार से भत्ते का दावा किया है जो *** बहत प्रति किग्रा. है । यह दावा परिशिष्ट 8 और 9 पर आधारित है । कंपनी ने *** बहत प्रति किग्रा.के रूप में उत्पादन की घरेलू लागत और उत्पादन की निर्यात लागत *** बहत प्रति किग्रा. के रूप में दर्शाई है । यह अन्तर *** बहत प्रति किग्रा. है । कंपनी ने दावा किया है कि *** बहत प्रति किग्रा. कच्चे माल की लागत (घरेलू *** - निर्यात ***) में अन्तर के कारण है । इस शेष का दावा विभिन्न शीर्षों के तहत उत्पाद मिश्रण संबंधी अन्तर के कारण किया गया है । यह देखा जा सकता है कि छूट @ बहत (***), अन्तर्राज्यीय भाड़ा(***),बीमा(***),ऋण (***), बिक्री खर्च (***), के कारण समायोजनों की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है । इस प्रकार इन्हें उत्पाद मिश्रण संबंधी अन्तर के कारण दावा की गई राशि में से भी काटा जाना चाहिए । कुल *** बहत/किग्रा. बैठता है । इस धारणा से उत्पादन की वर्द्धित लागत का पुनः

परिकलन करने के बाद कंपनी द्वारा किए गए दावे के इस राशि में से कम किया गया है तथा दावा किए गए *** बहत/किग्रा.के लिए *** बहत/किग्रा. की अनुमति दी गई है ।

दावे किए गए समायोजनों का सत्यापन तुलन-पत्र से किया गया है इस प्रकार प्राधिकारी *** बहत/किग्रा. के रूप में सामान्य मूल्य रखने का प्रस्ताव करते हैं । समायेजन करने के पश्चात् घरेलू बिक्री के लिए कारखाना द्वार स्तर पर कीमत *** बहत/किग्रा. बैठती है । बहत/यूएस डालर परिवर्तन दर 41.61 लेते हुए यह *** डालर/किग्रा. बैठती है ।

याचिकाकर्त्ता ने इस भत्ते पर आपत्ति की है । तथापि, प्राधिकारी पाते हैं कि निर्यातक ने घरेलू बाजार और निर्यात बाजार में बेचे गए सभी डेनियरों के लिए उत्पादन की डेनियर-वार लागत उपलब्ध कराई है । इसके अलावा भिन्न-भिन्न डेनियरों को उत्पादन की लागत में निश्चित रूप से अन्तर है । इसके लिए तर्क नहीं किया जा सकता कि लागतों में अन्तर होने पर भी एक उत्पाद की कीमत के बाजार मूल्य में कोई अन्तर नहीं होगा ।

(च) मै0 फारमोसा टफेटा, ताइवान

इस कंपनी के निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर पर कार्रवाई की गई है ।

3 जुलाई, 2002 के अपने अनुरोध के तहत कंपनी ने यह निवेदन किया है कि उन्होंने घरेलू बाजार में ग्रे एन टी सी एफ की कोई बिक्री नहीं की है। कंपनी ने केवल भारत को ग्रे एन टी सी एफ का निर्यात किया है । अतः कंपनी ने अनुरोध किया है कि इस उत्पाद से संबंधित पूर्ववर्ती जांच में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत के आधार पर कया गया था । आगे यह दोहराया जाता है कि वर्तमान जांच मौजूदा शुल्क की समीक्षा है और एएसएफआई द्वारा प्रस्तुत समीक्षा के आधारों में न तो सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार शामिल है और न ही ए एस एफ आई ने पूर्ववर्ती मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण को चुनौती दी थी । ऐसा मामला होने के कारण एफ टी सी का विचार यह है कि घरेलू बाजारर में गिरे एन टी सी एफ की बिक्री के अभाव में इस मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत के आधार पर किया जाएगा ।

उपर्युक्त को देखते हुए एफटीसी ने ताइवान के घरेलू बाजार में कंपनी द्वारा बेची गई डिप्ड एन टी सी एफ के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए थे । आगे यह दोहराया गया था कि कंपनी ने घरेलू बाजार में केवल डिप्ड एन अ सी एफ की बिक्री की है । इन परिस्थितियों में एफ टी सी का विचार है कि घरेलू बाजार में अलग-अलग उत्पाद की बिक्रियों के बारे में सूचना वर्तमान जांच में प्रासंगिक नहीं होगी तथापि कंपनी ने वर्तमान जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पूरा सहयोग देने के बारे में अपनी इच्छा व्यक्त की है ।

कम्पनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से सूचना का प्रतिसत्यापन करते समय कुछेक कमियां पाई गई थीं और उन्हें सूचित किया गया था । कंपनी द्वारा इस स्तर पर यह बताया गया था कि कंपनी ने भारतीय बाजार में डिप्ड एन टी सी एफ की कुछ मात्रा की बिक्री की है । यह सूचना देते समय भी कंपनी ने भारत को निर्यातित अथवा घरेलू बाजार में बेची गई डिप्ड एन टी सी एफ के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए थे । तथापि, प्राधिकारी ने पूर्ण सूचना तथा भारत को निर्यातित और घरेलू बाजार में बेची

गई डिप्ड एनटीसीएफ के बारे में सूचना की जरूरत को दोहराया था । अन्ततोगत्वा फार्मोसा ने भारत को निर्यातित तथा घरेलू बाजार में बेची गई डिप्ड एन टी सी एफ के ब्यौरे उपलब्ध कराए थे ।

प्राधिकारी द्वारा कंपनी के अनुरोधों की जांच की गई है । परिशिष्ट 3(1 से 6) में समय-समय पर प्रस्तुत सूचना के आधार पर घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों, भारत को किए गए निर्यातों, अन्य देशें को किए गए निर्यातों की स्थिति को संकलित किया गयाहै और जो निम्नानुसार है:

टाइप	भारत को निर्यात		घरेलू बिक्रियां		अन्य देशों को निर्यात	
	किग्रा.	अम.डा.	किग्रा.	एनटीडा.	किग्रा.	अम.डा.
ग्रे						
एन6 840डी/डी/2	***	***				
एन6 1260डी/2	***	***	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
एन6 1680डी/2	***	***				
कुल	***	***				
डिप्ड						
एन6 840डी/2 डिप					***	***
एन6 1260डी/2 डिप	***	***	***	***	***	***
एन6 1680डी/2 डिप	***	***	***	***	***	***
कुल	***	***	***	***	***	***
महायोग	***	***	***	***	***	***

भारत को निर्यात

कंपनी द्वारादी गई सूचना का विश्लेषण किया गया था । परिशिष्ट 1 में किए गए उल्लेख के अनुसार ग्रेड 1260डी/2 डिप्ड के संबंध में बिक्री मूल्य *** किग्रा. की मात्रा की तुलना में *** एनटी दर्शाया गया था । परिशिष्ट 3-5 में इसी ग्रेड के लिए कंपनी ने *** एनटी मूल्य पर इसी मात्रा को प्रदर्शित किया है । बिल-वार प्रविष्टियों का मिलान नहीं हो सका । कंपनी ने किसी बीजक की प्रतियाँ उपलब्ध नहीं कराई हैं ।

"कंपनी ने 4.2.2003 के अपने पत्र के तहत यह स्पष्ट किया था कि उक्त असंगति गलत प्रविष्टि के कारण हुई थी । परिशिष्ट 01 में क्रम संख्या 6 पर मात्रा *** किग्रा. और मूल्य *** एनटी डालर दर्शाया गया है । प्रदर्शित यूनिट मूल्य *** एनटी डालर था । संलग्न विवरण से यह देखा जा सकता है कि ** किग्रा. का कुल मूल्य *** एनटी डालर होना चाहिए तथा जोकि एक टंकण संबंधी त्रुटि है । यह टंकण संबंधी त्रुटि है और यदि इसे ठीक कर दिया जाता है तो परिशिष्ट 1 और 3-5 से मिलान हो जाएगा । हमने बीजक संख्या क्यू 15725310 की प्रति संलग्न की है जिससे *** किग्रा. के लिए एनटी% *** प्रदर्शित होता है और जिससे सही मूल्य न्यायोचित ठहरता है ।"

परिशिष्ट 2-21 में भारत को किए गए निर्यात से संबंधित सूचना के बारे में ग्रेड 1260डी/2 के लिए रिबेट/कमीशन/छूट/समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा से संबंधित प्रविष्टियाँ उपलब्ध नहीं कराई गई हैं । इनके अलावा *** किलो की मात्रा वाले इसी संख्या के बीजकों (अर्थात एफ एम ई 007614 दिनांक

20.7.00) और *** किलो की मात्रा वाले इसी संख्या और तारीख के बीजक से अपोलो टायर्स लि0, गुड़गाँव को किए गए निर्यितों का पता चलता है । जहां तक मै0 मोदी रबड़ लि0 को किए गए निर्यातों का संबंध है ग्रेड 1260डी/2 डिप्ड तथा 1680डी/2 डिप्ड के लिए रिबेट/समुद्री भाड़े और बीमा के लिए समायोजनों के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है ।

इसी संख्या के बीजकों के बारे में कंपनी ने 4.2.2003 और 7.2.2003 के अपने पत्र के तहत स्पष्टीकरण दिया था " ऐसा इसलिए है क्योंकि यह बीजक 2 खरीद आर्डरों से संबंधित है और इस प्रकार इसमें इसी कीमत पर अलग-अलग मात्रा प्रदर्शित की गई है । बीजक में *** किग्रा. की कुल मात्रा, यूनिट कीमत *** अमरीकी डालर प्रदर्शित की गई है तथा पैकिंग सूची में *** किग्रा. और *** किग्रा. की अलग-अलग मात्रा प्रदर्शित की गई है ।

जहां तक परिशिष्ट 2-21-मोदी रबड़ तथा बालकृष्ण टायर का संबंध है, जिसमें एफ टी सी ने समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा को प्रदर्शित नहीं किया है, यह उत्तर दिया गया था कि " ऐसा एफ टी सी द्वारा अनदेशी किए जाने के कारण हुआ है । तथापि, हम इन बीजकों के संबंध में समुदे भाड़े और समुद्री बीमें के ब्यौरे तुरंत देने में असमर्थ हैं क्योंकि एफ टी सी चीन के नव वर्ष अवकाश के कारण बंद है और यह 7 फरवरी को पुनः खुलेगा । हम यह ब्यौरे 7 फरवरी तक प्रस्तुत कर सकते हैं तथापि समुद्री भाड़े और बीमा में तुलनात्मक दृष्टि से काफी अन्तर नहीं होगा ।

जहां तक इन बीजकों पर रिबेट और कमीशन का संबंध है, यह उत्तर दिया गया था कि "कृपया यह नोट करें कि एफ टी सी ने इन ग्राहकों को बिक्री भारत में कैम प्लास्ट को एजेंटों के रूप में शामिल किए बिना सीधे की गई है और इस प्रकार इन बीजकों पर कोई रिबेट अथवा कमीशन नहीं दर्शाया गया है । अतः मोदी रबड़ तथा बालकृष्ण टायर्स के लिए बीजकों के संबंध में कोई कमीशन शामिल नहीं होगा ।"

दिनांक 7.2.2003 के पत्र के तहत समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा हेतु मोदी रबड़ के संबंध में सूचना शामिल की गई थी । यह उत्तर दिया गया था कि " 4 फरवरी, 2003 को हमारे पत्र सं0 सीपी/ए/506/2002-03 के अनुसार यह व्यापार एफ टी सी द्वारा मोदी रबड़ के साथ सीधे किया गया था और इस प्रकार कोई रिबेट अथवा कमीशन देय नहीं बनता है" और बालकृष्ण टायर्स 1680/डी/2 डिप्ड फेब्रिक के बारे में समुद्री भाड़े को शामिल करते हुए सूचना के संबंध में एफ टी सी ने यह सूचित किया" यह सी एंड एफ संविदा होने के कारण उन्होंनें बीमा संबंधी कोई खर्च नहीं किया है । यह व्यापार भी एफ टी सी द्वारा सीधे किया गया था और इस प्रकार कोई कमीशन अथवा रिबेट देय नहीं बनता है ।"

परिशिष्ट 7

कंपनी से यह अनुरोध किया गया था कि वह परिशिष्ट 7 में सूचना उपलब्ध कराएं ताकि आंकड़ों (आंकड़ों के वास्तविक सत्यापन के अभाव में) का मिलान किया जा सके । 3 जुलाई 2002 के अपने पत्र के तहत कंपनी ने यह उल्लेख किया कि" इस पत्र के साथ परिशिष्ट 7 संलग्न है (अनुबंध घ) और यह बताया कि एफ टब् सी एफ बहु-उत्पाद कंपनी है । जैसाकि पहले स्पष्ट किया जा चुका है वर्तमान जांच मौजूदा शुल्कों की समीक्षा है तथा आगे इस बात पर विचार करते हुए कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ताइवान के दौरे सहित विस्तृत जांच कर ली है, एफ टी सी का मानना है कि वर्तमान

समीक्षा पूर्ववर्ती जांच में निर्धारित की गई पद्धति के आधार पर सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के पुनः निर्धारण तक ही सीमित रखी जाएगी । तथापि कंपनी ने इस पत्र के साथ संगत सूचना संलग्न की है ।

हालांकि कंपनी ने अनुबंध 7 में यथापेक्षित कुछ सूचना उपलब्ध कराई है तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सूचना अत्यधिक अपर्याप्त है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने डिप्ड एन टी सी एफ को "अन्य उत्पाद" के रूप में दर्शाया है और न कि " विचाराधीन उत्पाद" के रूप में । इसके अलावा कंपनी ने उसके द्वारा बेची गई डिप्ड एन टी सी एफ की मात्राओं के ब्यौरो ही उपलब्ध कराए हैं । इसके अतिरिक्त् कंपनी ने डिप्ड एन टी सी एफ को दो श्रेणियों - (क) डेनियर 840डी/1260डी/1680डी तथा (ख) अन्य डेनियर में भी विभाजित किया है । उत्पाद को स्वतः दो श्रेणियों में विभाजित करने का कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया गया है । स्पष्टतः निर्यातक ने एन टी सी एफ के अन्य डेनियरों की बिक्री की है जिसके पर्याप्त ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं । वर्तमान जांच एन टी सी एफ के सभी प्रकारों के संबंध में होने के कारण, जैसा कि पहले अधिसूचित की गई जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना तथा अन्तिम जांच परिणामों में उल्लेख किया गया है, निर्यातक का यह दायित्व था कि वह घरेलू अथवा निर्यात बाजार में बेचे गए सभी डेनियरों के पूरे ब्यौरे प्रस्तुत करें। यह भी नोट किया जाता है कि निर्यातक ने स्वयं यह दावा किया है कि एन अ सी एफ (नाइलोन-6 और नाईलोन-66 दोनों), पोलिएस्टर फैब्रिक तथा ऐसे अन्य फ्रेबिक के संबंध में उसकी क्षमता परस्पर व्यापी है । ऐसी स्थिति होने के कारण अन्य फेब्रिक के बारे में सूचना संगत एवं अति महत्वपूर्ण बन जाती है । कंपनी का क्षमता उपयेग ग्रे के लिए 96%(***/***)और डिप्ड के लिए 94%(***/***) है ।

क) बिक्री मात्रा में अन्तर - परिशिष्ट 7 और परिशिष्ट 3 -ग्रे श्रेणी

कंपनी ने परिशिष्ट 7 दो बार प्रस्तुत की है । इस परिशिष्ट से संबंधित उत्पाद के आरंभिक स्टॉक, उत्पादन, बिक्री और अंतिम स्टॉक से संबंधित सूचना से मिलान करने का प्रयोजन सिद्ध होता है । इस सूचना में उत्पाद के लिए क्षमता उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया है । कंपनी ने यह उल्लेख किया है कि जांच अवधि के दौरान नायलोन-6 ग्रे का उत्पादन *** मी.टन तथा बिक्री *** मी.टन की हुई थी । परिशिष्ट 3 से संकलित सूचना के अनुसार भारत को ग्रे के लिए किए गए निर्यातों के कारण बिक्री *** मी.टन की प्रतीत होती है ।

कंपनी ने 4.2.03 को अपनेपत्र के तहत यह स्पष्ट किया था कि " उक्त परिशिष्ट के बीच लगभग *** कि.ग्रा.(*** मी.टन) का मामूली अन्तर है । यह मात्रा समान थी, अर्थात् (***-** *=*** मी.टन) ऐसा एक बीजक में टंकण संबंधी त्रुटि के कारण हुआहै । पूर्ववर्ती अनुरोध में इस बीजक में मात्रा और मूल्य को क्रमशः *** कि.ग्रा/ *** अमरीकी डालर दर्शाया गया था । इसके बाद में 3 जुलाई को किए गए अनुरोधों में परिशिष्ट 2 में ठीक कर दिया गया था और परिशिष्ट 2 के अनुसार मात्रा *** कि.ग्रा. की थी । ग्रे फेब्रिक की बिक्री के लिए परिशिष्ट 7 तैयार करते समय इस त्रुटि में सुधार नहीं किया गया था और इस प्रकार इन दोनों आंकड़ों के बीच लगभग *** कि.ग्रा. का अंतर है । इस असुविधा के लिए हमें खेद है ।"

ख) बिक्री मात्रा में अन्तर - परिशिष्ट 3 तथा परिशिष्ट 7 डिप्ड श्रेणी

परिशिष्ट 7 के अनुसार कंपनी ने 3 जुलाई 2000 के अपने अनुरोध के तहत नायलोन-6 डिप्ड 840डी/126डी/1680डी की *** मी.टन की बिक्री प्रदर्शित की है । तथापि 12.7.02 के अपने अनुरोध के साथ प्रस्तुत की गई परिशिष्ट 7 से इन किस्मों की बिक्री जांच अवधि के दौरान *** मी.टन होने का पता चलता है । परिशिष्ट 3 में प्रदत्त सूचना के अनुसार भारत/अन्य देशों को किए गए निर्यातों/घरेलू बिक्रियों के लिए डिप्ड किस्म की कुल मात्रा *** मी.टन का अंतर है । इस प्रकार स्वयं कंपनी द्वारा विभिन्न परिशिष्टों में प्रस्तुत किए गए आंकड़े मेल नहीं खाते हैं ।

कंपनी से विभिन्न परिशिष्टों में अंतरों को स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। निर्यातक ने 7.2.03 के पत्र के तहत उत्तर दिया था और इस चरण पर यह खुलासा किया था कि एफ टी सी द्वारा अन्य देशों को आपूर्ति की गई 1260डी/3 में एक अन्य स्पेशल ब्लैक डिप्ड फेब्रिक है जो भारतीय ग्राहकों के निर्देशन से संबंधित नहीं है । अन्तर को निम्नानुसार स्पष्ट किया गया था ।

" लगभग *** कि.ग्रा.(*** मी.टन) का अंतर एफ टी सी द्वारा अन्य देशों को आपूर्ति की गई 1260डी/3 में विशेष ब्लैक डिप्ड फैब्रिक से संबंधित जो भारतीय ग्राहकों के विनिर्देशनों से संबंधित नहीं था । मूल जांच ग्रे फेब्रिक से संबंधित थी और बाद में प्राधिकारी ने डिप्ड फैब्रिक के बारे में ब्यौरे मांगे थे और इसके अनुपालन में एफ टी सी ने परिशिष्ट 3 के अनुसार प्राधिकारी को 840डी, 1260डी और 1680 डी में डिप्ड फैब्रिक के ब्यौरे प्रस्तुत किए थे । चूंकि डिप्ड फैब्रिक एन टी सी एफ की मूल जांच में शामिल नहीं था और प्राधिकारी के निर्देशानुसार बाद में अनुरोध किए गए थे और इसलिए एफ टी सी ने परिशिष्ट 3 में इस स्पेशल ब्लैक डिप्ड फेब्रिक को शामिल नहीं किया था । चमंकि परिशिष्ट 7 में डिप्ड फैब्रिक 860 डी, 1260 डी और 1680 डी की कुल बिक्रियां प्रदर्शित करना अपेक्षित था इसलिए एफ टी सी ने परिशिष्ट 7 में बिल्कुल सही ढंग से कुल बिक्रियों का उल्लेख *** मी.टन के रूप मे किया था किन्तु यह परिशिष्ट 3-4, 3-5 और 3-6 से तुलनीय नहीं था । एफ टी सी यह स्पष्ट करना चाहता है कि यह अन्य देशों को आपूर्ति किया गया एक स्पेशनल ब्लैक डिप्ड फैब्रिक था और यह सबसे संबंधित नहीं था और इस प्रकार इसे परिशिष्ट 3 में नहीं दर्शाया गया था किन्तु 1260 डी को परिशिष्ट 7 के अनुसार कुल बिक्रियों में शामिल किया गया था । इस प्रकार यह अन्तर आया ।"

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने प्रश्नावली की अपेक्षाओं के अनुसार आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं बल्कि उन्हें टुकड़ों में प्रस्तुत किया है । इससे प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की स्वीकार्यता विश्वसनीय नहीं बनती हैं । तथापि किसी अन्य सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने संभव सीमा तक अनुरोधों पर विश्वास किया है और औचित्यपूर्ण ढंग से दावों को स्वीकार किया है ।

उत्पादन लागत

इस संबंध में किए गए अनुरोधों की जांच की गई थी । कंपनी ने अपनी संबद्ध कंपनी से यार्न की खरीद की है । प्राधिकारी ने यह मानते हुए उक्त यार्न के संबंध में उत्पादन लागत की मांग की थी कि यह आपूर्तियां एक संबद्ध कंपनी द्वारा की जा रही है और खरीद कीमत व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं हो सकती । वांछित सूचना देने के बजाय कंपनी ने इस बात को न्यायोचित ठहराने

हेतु तर्क दिया है कि खरीद कीमत उचित है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक अपना तर्क देने के लिए स्वतंत्र है । तथापि जैसा कि हलदर टोप्से के मामले में नोट किया गया था, निर्यातक का पहला दायित्व यह है कि वह प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना प्रस्तुत करे । इस मामले में निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराए बिना केवल अपनी सूचना को न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया है ।

कंपनी ने दिसम्बर 2000 तथा दिसम्बर 1999 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व/व्यय का विवरण दर्शाते हुए एक शीट प्रस्तुत की है । कंपनी ने संबद्ध वस्तु के लिए व्यय के आंबंटन के साथ-साथ अपने टायर कोल्ड फेब्रिक प्रभाग के लिए व्यय संबंधी आबंटन भी प्रस्तुत किए हैं ।

कंपनी ने परिशिष्ट 8 में अलग-अलग व्यय शीर्षों के तहत ग्रेड-वार लागत उपलब्ध की है । परिशिष्टें ग्रे और डिप्ड के बारे में 840डी/2, 1260डी/2, 1680डी/2 के संबंध में हैं । यह सूचना अम0 डालर में उपलब्ध कराई गई है । परिशिष्ट 8 में दी गई समस्त सूचना को एकत्र करने तथा उसका प्रतिसत्यापन करने का प्रयास किया गया है । ब्यौरे निम्नानुसार हैं:-

फारमोसा टेफेटा कं0 लि00, ताइवान जांच अवधि 1.4.2000 से 31.3.2001 (अम.डा.एनटी परिवर्तन दर=31.68)

कंपनी द्वारा अलग-अलग डेनियरों के परिशिष्ट 8 में उपलब्ध कराए अनुसार अम.डा. में 000 एन टी में अम.डा. में

	840डी/2	1260डी/2	1680डी/2	1260डी/2डिप	1680डी/2डिप	840डी/2डिप	कुल		
उत्पादन/किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***		
सामग्री	***	***	***	***	***	***	***	***	***
वार्प यार्न	***	***	***	***	***	***			
वेफ्ट	***	***	***	***	***	***			
फिलिंग									
रसायन				***	***	***			
प्रत्यक्ष	***	***	***	***	***	***	***	***	***
श्रम									
उपयोगिता	***	***	***	***	***	***	***		
विनिर्माण खर्च	***	***	***	***	***	***	***	***	***
मूल्य ह्रास	***	***	***	***	***	***	***		
वित्त पोषण	***	***	***	***	***	***	***	***	***
व्यय*									
ब्याज	***	***	***	***	***	***	***		

व्यय*									
पैकिंग व्यय	***	***	***	***	***	***	***		
बिक्री/ प्रशा*	***	***	***	***	***	***	***	***	***
कुल व्यय	***	***	***	***	***	***	***	***	***
	औसत								
व्यय एसजी ए *	***	***	***	***	***	***	***	***	
जोड़िए 14.59%	***	***	***	***	***	***	***	***	
लाभ 14.2%	***	***	***	***	***	***	***	***	
लागत प्रति किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***	***	
भारित औसत		***		***					
निर्यात कीमत	***	***	***	***	***				
कारखाना द्वार पर भारित औसत		***		***					

* एसजीए में कंपनी द्वारा किए गए दावे के अनुसार वित्त-पोषण व्यय, ब्याज व्यय तथा बिक्री/प्रशासनिक व्यय शामिल हैं ।

दिसम्बर, 2000 को समाप्त अवधि के लिए विवरण के जरिए प्रतिसत्यापन

3.7.2003 के अपने अनुरोधा के साथ कंपनी ने 31.12.2002 तथा 31.12.99 को समाप्त वर्ष के लिए आयकर का विवरण दर्शाते हुए एक शीट प्रस्तुत की थी । कंपनी से बार-बार यह कहा गया था कि वह तुलन-पत्र की पूर्ण प्रति प्रस्तुत करे जिसे प्रस्तुत नहीं किया गया था ।

इस सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एस जी एंड ए व्यय के कारण 31.12.0 को समाप्त वर्ष के लिए दर्ज व्यय निम्नानुसार है :-

	एनटीडा.(हजारों में)
बिक्री व्यय	***
प्रशासनिक व्यय	***
ब्याज	***
अन्य व्यय	***
कुल	***

निबल प्रचालन राजस्व *** है, आय (आयकर पूर्व) अर्थात *** को कम करने के बाद उत्पादन लागत *** बनती है । एसजीएंडए व्यय (***)की मात्रा की तुलना करते हुए यह लागत भी ***% बनती है । आय निवल प्रचालन राजस्व के प्रतिशत के रूप में ***% बनती है ।

यह देखा जा सकता है कि परिशिष्ट 8 के अनुसार कंपनी ने वित्त और ब्याज, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय के कारण उत्पन्न व्ययों का दावा किया है, जो उत्पादन लागत का ***% बनता है । इसकी गणना ***+ ***+ ***= *** को जोड़कर की गई है और इसकी तुलना कुल व्यय अर्थात् *** के साथ की गई है । तथापि, यद्यपि कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए लाभ और हानि लेखे जांच अवधि के लिए नहीं हैं । संपूर्ण वर्ष 2000 के लिए पी एंड एल यह दर्शाता है कि लागत का ***% इन कारणों से है ।

सूचना में अनेक त्रुटियों और विरोधाभासों के होते हुए भी प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा किया गया एसजीए का दावा सम्पूर्ण अवधि हेतु लाभ एवं हानि के मद्देनजर स्वीकाय नहीं हो सकता /। पूर्ण सूचना के अभाव में और विभिन्न विरोधाभासों के मद्देनजर यह सर्वथा वांछनीय होगा कि एसजीए व्यय को लेखा परीक्षित लाभ एवं हानि लेखे पर आधारित किया जाए। वर्तमान परिस्थितियों में एसजीए का आबंटन सर्वथा वांछनीय है और इस प्रकार प्राधिकारी का प्रस्ताव इसे लागू करने का है । अतः प्राधिकारी ने प्रत्येक ग्रेड के लिए उत्पादन लागत का पुनः निर्धारण किया है और तद्नुसार पाटन मार्जिन निर्धारित किया है ।

चूंकि घरेलू बाजार में एन टी सी एफ की बिक्री के बारे में निर्यातक द्वारा दी गई सूचना अपर्याप्त है इसलिए प्राधिकारी घरेलू बाजार में बिक्रियों से निर्यातक को हुए लाभ का आंकलन करने से वंचित हुआ है । इस बात को देखते हुए प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा अपने सभी उत्पादों जिनमें समान उत्पाद भी शामिल हैं, अर्जित लाभ के रूप में उचित लाभ पर विचार किया है । लाभ मार्जिन ***% बनता है ।

आबंटन शीट के जरिए प्रतिसत्यापन

कंपनी ने ग्रे और डिप्ड के बारे में 840डी/2, 1260डी/2, 1680डी/2 के संबंध में परिशिष्ट 8 के तहत फैक्टरी लागत तथा भारत को निर्यात से प्राप्त लाभ के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं । बार-बार अनुस्मारकों के बावजूद कंपनी ने मुद्रित तुलन-पत्र नहीं भेजा है । 8.7.2002 के अपने पत्र के तहत जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध वस्तु से भिन्न वस्तु के लिए व्यय का आबंटन प्रस्तुत किया है ।

ऐसा प्रतीत होता है कि आंकड़ों का मिलान कंपनी के तुलन-पत्र के साथ किया गया है और विधिवत मिलान करने के बाद उन्हें प्रस्तुत किया गया है । कंपनी ने अपने समूचे दायर कोड फैब्रिक प्रभाग के लिए सूचना उपलब्ध कराई है और उसे सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध वस्तु से भिन्न वस्तु के लिए कालमों में विभाजित कर दिया है । कंपनी द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि टायर कोर्ड

फेब्रिक प्रभाग के लिए अलग रिकार्ड रखे जाते हैं अतः प्राधिकारी का यह अनुमान न्यायोचित है कि प्रस्तुत किए गए आंकड़े मुख्य तुलन-पत्र से लिए गए हैं और उनका विधिवत मिलान किया गया है । आंकड़े हजार न्यू ताइवान डालरों में व्यक्त किए गए हैं । कंपनी द्वारा अपने अनुरोध में न्यू ताइवान डालर को एन टी के रूप में प्रदर्शित किया गया है । जांच अवधि के लिए अम. डालर के साथ औसत परिवर्तन दर 31.68 दी गई है ।

उपर्युक्त तालिका का अवलोकन करते हुए यह देखा जा सकता है कि परिशिष्ट 8 के अनुसार *** अम0 डालर की धनराशि को उपर्युक्त ग्रेड ग्रे और डिप्ड के विनिर्माण हेतु उत्पादन लागत पर व्यय के रूप में आबंटित किया गया है । लेखाशीर्ष के सामने दी गई राशियों को अनुमानित रूप से हिसाब में लेते हुए, समस्त व्यय को उत्पादन लागत मानते हुए जो आंकड़े उभरते हैं वो *** एनटी के हैं । इन्हें दी गई परिवर्तन दर से परिवर्तित करते हुए उक्त आंकड़े *** अम0 डालर बनते हैं । 8.7.2002 को प्रस्तुत की गई परिशिष्ट 7 के अनुसार कंपनी ने उपर्युक्त ग्रे और डिप्ड ग्रेडों के *** मी.टन के उत्पादन मूल्य के रूप में *** अम0 डालर के आंकड़े दर्शाए हैं । ये आंकड़े आपस में मेल नहीं खाते हैं ।

संबद्ध वस्तु के व्यय के आंबटन के रूप में प्रस्तुत आंकड़ों पर विश्वास करते हुए कंपनी ने टायर कोर्ड फैब्रिक प्रभाग के कुल व्यय की तरफ कुल *** हजार एनटी दर्शाए हैं । वित्तीय आय तथा अन्य राजस्व के कारण प्राप्तियों की अनुमति देने के बाद भी केवल व्यय *** हजार एनटी(*** हजार अम0 डालर) बना रहता है । इसे समूचे टायर कोर्ड फैब्रिक प्रभाग के लिए किसी अन्य आय इत्यादि को शामिल न करते हुए कुल उत्पादन लागत माना जा सकता है ।

परिशिष्ट 7 के अनुसार यह अनुरोध है कि कंपनी ने ग्रे/डिप्ड एन टी सी एफ की *** मी.टन और अन्य सम्बद्ध उत्पादों की *** मी.टन की बिक्री की है । कुल योग *** मी.टन बनता है । कंपनी ने अन्य उत्पादों के लिए बिक्री मूल्य उपलब्ध नहीं कराया है । कंपनी ने परिशिष्ट 7 में (बार-बार अनुरोध करने पर)उत्पादन के ब्यौरे/मूल्य प्रस्तुत नहीं किया है ताकि प्राधिकारी ग्रे/डिप्ड एनटीसीएफ तथा अन्य उत्पादों की उत्पादन की मात्रा का पता लगा सके । अन्य उत्पादों के लिए उत्पादन की मात्रा संबंधी ब्यौरों के अभाव में व्यय के आबंटन हेतु अगली उपलब्ध प्रणाली बिक्री की मात्राओं पर आधारित है ।

आबंटन शीट निम्नानुसार है:-

जांच अवधि- 1.4.2000 से 31.3.2001 तक न्यू ताइवान डालर

विवरण	टायर कोर्ड फैब्रिक्स प्रभाग	संबद्ध वस्तु
परिवर्ती लागत	***	***
प्रत्यक्ष सामग्री	***	***
फैक्टरी ऊपरी खर्च	***	***
बिक्री व्यय	***	***
नियत लागत		

प्रत्यक्ष श्रम	***	***
फैक्टरी ऊपरी खर्च	***	***
बिक्री व्यय	***	***
प्रशासनिक व्यय	***	***
कुल लागत		
वित्तीय व्यय	***	***
अन्य अप्रचालनात्मक व्यय	***	***
वित्तीय आय	***	***
अन्य राजस्व	***	***
निवल लागत	***	***

*** मी.टन की कुल बिक्री मात्रा पर *** हजार अम0 डालर (टायर कोर्ड फैब्रिक प्रभाग के लिए कुल) में परिवर्तित (*** एनटी डालर) के व्यय के आबंटन से उपयुक्त ग्रे/डिप्ड ग्रेडों की *** मी.टन की बिक्री पर *** हजार अम. डालर के व्यय का पता चलता है । यह औसतन *** अम.डालर है जो कि अन्य आय/राजस्व द्वारा कुल व्यय की अनुमति देने/कमी करने के बाद औसत उत्पादन लागत है ।

इस संबंध में प्रश्न उठाया जा सकता है कि भिन्न-भिन्न ग्रेडों/डेनियरों ग्रे तथा डिप्ड के लिए औसत की गणना कैसे की जाती है । डिप्ड किस्म के बारे में माना जाता है कि उसकी उत्पादन लागत अपेक्षाकृत अधिक होती है । तथापि कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए पूर्ण ब्यौरों के अभाव में जो विकल्प बचते हैं वे उस सीमा तक कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों पर विश्वास करने से संबंधित हैं जिस सीमा तक उनका मिलान प्रस्तुत किए गए परिशिष्टों से किया जा सकता है ।

सामान्य मूल्य

कंपनी द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि उन्होंने घरेलू बाजार में ग्रे एन टी सी एफ सी की कोई बिक्री नहीं की है । कंपनी ने भारत को ग्रे एन टी सी एफ का निर्यात किया है । कंपनी ने आगे यह सुझाव दिया है कि घरेलू बाजार में ग्रे एन टी सी एफ की बिक्री के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत के आधार पर किया जाएगा । इस बात के मद्देनजर कंपनी ने ताइवान के घरेलू बाजार में उसके द्वारा बेची गई डिप्ड एन टी सी एफ के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं । आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि कंपनी ने घरेलू बाजार में केवल डिप्ड एन टी सी एफ की बिक्री की है और उसने ताइवान में न तो किसी ग्रे एन टी सी एफ की बिक्री की है और न ही ग्रे एन टी सी एफ का निर्यात अन्य देशों को किया है ।

अतः कंपनी यह निष्कर्ष निकालती है और यह मानती है कि घरेलू बाजार में अलग-अलग उत्पादों की बिक्री के बारे में सूचना वर्तमान जांच में प्रासंगिक होगी । इस स्थिति में ग्रे/डिप्ड के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन दिसम्बर, 2000 को समाप्त वर्ष के लिए आय विवरण के अनुसार तथा टायर कोर्ड प्रभाग और संयमीदीन उत्पाद के लिए व्यय आबंटन शीट के अनुसार परिशिष्ट 8 के तहत कंपनी द्वारा प्रदान की गई सूचना के आधार पर किया गया है ।

फारमोसा टेफेटा कं0 लि00, ताइवान जांच अवधि 1.4.2000 से 31.3.2002 (अम.डा.एनटी परिवर्तन दर=31.68)

कंपनी द्वारा अलग-अलग डेनियरों के परिशिष्ट 8 में उपलब्ध कराए अनुसार अम.डा. में 000 एन टी में अम.डा. में

	840डी/2	1260डी/2	1680 डी/2	1260डी /2डिप	1680डी /2डिप	840डी/ 2डिप	कुल		
उत्पादन/ किग्रा.	***	***	***	***	***	***	***		
जोड़िए 14.59%	***	***	***	***	***	***	***	***	***
लाभ 14.2%	***	***	***	***	***	***			
लागत प्रति किग्रा	***	***	***	***	***	***			
भारित 14.59%		***		***					
लाभ 14.2%	***	***	***	***	***	***	***	***	
लागत प्रति किग्रा	***	***	***	***	***	***	***	***	***
भारित औसत		***							

निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति के प्रति आपत्ति जताई है तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रस्तुत की गई सूचना में भारी अंतर था और इसे निर्यातक द्वारा भी स्वीकार किया गया है । निर्यातक द्वारा यह तर्क नहीं दिया जा सकता कि उसे इन विसंगतियों के बारे में जानकारी नहीं थी और न ही निर्यातक द्वारा किसी भी स्तर पर स्वतः इन विसंगतियों को प्राधिकारी की जानकारी में लाया गया है । इसके अलावा, अनेक अवसरों के बावजूद निर्यातक ने पर्याप्त अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए । उदाहरणार्थ जहाँ कहीं कुछ विसंगतियों का उल्लेख किया गया था वहाँ संगत बीजकों की प्रतियाँ, सम्बद्ध कंपनी से खरीदे गए एन टी सी एफ यार्न की उत्पादन लागत का विवरण तथा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट की प्रति ।

(ज) ताइवान के अन्य उत्पादक/निर्यातक

प्राधिकारी ने यह पाया है कि ताइवान को किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है । अतः प्राधिकारी ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उन्होंने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई की है । अतः असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य ग्रे के लिए *** अम0 डालर और डिप के लिए *** अम0 डालर/किग्रा. स्वीकार की है ।

(ख) निर्यात कीमत

(क) मै0 पीटीजीटी पैट्रोकैम इंडस्ट्रीज टीबीके, इंडोनेशिया

निर्यातक ने परिशिष्ट 3 के अनुसार संबद्ध वस्तु की बिक्री अर्थात भारत को निर्यात, घरेलू बाजार में बिक्री तथा अन्य देशों को निर्यात के बारे में सूचना प्रस्तुत की थी । निर्यातों के बारे में सूचना 840डी/2, 1260डी/2 तथा 1680डी/2 ग्रेडों (ग्रे फैब्रिक) के लिए प्रस्तुत की गई है । ग्रे फैब्रिक के इन ग्रेडों के लिए परिशिष्ट 8 में फैक्टरी लागत तथा लाभ के ब्यौरे भी प्रस्तुत किए गए हैं । परिशिष्ट 9 और 10(फैक्टरी लागत तथा घरेलू बिक्रियों और भारत से इतर देशों के लिए लाभ) में 1680डी/2 के लिए परिकलित लागत भी दी गई है । परिशिष्ट 4(भारत को निर्यात हेतु बिक्री कीमत संरचना) में एफ ओ बी पूर्व तथा पश्चात् प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

840डी/2(ग्रे)-सूची कीमत का दावा *** अम0 डा0 का किया गया है । परिशिष्ट 3-क से यह देखा जाताह कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** अम0 डा0 मूल्य की *** कि.ग्रा. की कुल मात्रा की बिक्री की है । यूनिट कीमत*** अम0 डा0 बनती है । *** अम0 डा0 की कमीशन राशि, *** अम0 डा0/कि.ग्रा. के अन्तर्देशी भाड़े, *** अम0 डा0 के विदेशी भाड़े तथा *** अम0 डा0/किग्रा. के विदेशी बीमा पर विचार करने के बाद कारखाना द्वार पर कीमत *** अम0 डा0/कि.ग्रा. बनती है । 1680 डी/2(ग्रे) की कारखाना लागत *** /कि.ग्रा. है और कारखाना निकासी स्तर पर कीमत उत्पादन लागत से अधिक है ।

प्राधिकारी यह नोट करते है कि उपर्युक्त ग्रेडों में ग्रे फैब्रिक की *** /कि.ग्रा. की कुल मात्रा जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात की गई थी जिसका मूल्य *** अमेरिकी डालर था । किए गए दावे के अनुसार समायोजनों पर विचार करने के पश्चात् ग्रे फैब्रिक के सभी तीनों ग्रेडों के लिए कारखाना निकासी पर औसत निर्यात अधिमानित कीमत 1260डी/2(ग्रे) के लिए *** /कि.ग्रा. अमेरिकी डॉलर परिकलित होती है ।

इंडोनेशिया के अन्य उत्पादक/निर्यातक:

प्राधिकारी को यह मालूम हुआ है कि इंडोनेशिया के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की है । प्राधिकारी ने इंडोनेशिया के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों का सहयोग प्राप्त न होने पर रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया है ।

प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान न्यूनतम निर्यात कीमत *** /कि.ग्रा. डालर मानी है और दावा किए गए *** समायोजनों की अनुमति देते हुए कारखाना निकासी पर निर्यात कीमत *** /कि.ग्रा.डालर परिकलित होती है ।

(ख) मैसर्स ह्योसुंग कॉरपोरेशन, कोरिया

परिशिष्ट 3 में यह मालूम होता है कि भारत को निम्नलिखित आपूर्तियों की गई हैं:-

ग्रेड	मात्रा(कि.ग्रा)	मूल्य(अ.डा.)	यूनिट
			कीमत(अ.डा./कि.गा.)
1260डी/2(रॉ फैब्रिक)	***	***	***
1260डी/3(रॉ फैब्रिक)	***	***	***
1680डी/2(रॉ फैब्रिक)	***	***	***
1680डी/2(डिप्ड फैब्रिक)	***	***	***

परिशिष्ट 4 में निर्यात बिक्रियों के लिए दावा किए गए समायोजन (भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढांचा):

1260डी/2(रॉ फैब्रिक)- परिशिष्ट 4 में भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढाँचे में कंपनी ने एफ ओ बी के पहले और बाद में प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है जिनमें 1260डी/2 (अपरिष्कृत फैब्रिक) के निर्यातों के लिए छूट/कमीशनों के अलावा अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग, अन्य, विदेशी भाड़ा, समुद्री बीमा एवं अन्य शामिल हैं । *** अ.डा./कि.ग्रा. (जैसा कि परिशिष्ट 3 में दावा किया गया है) की औसत सी.आई.एफ कीमत पर समायोजनों पर विचार करने के बाद 1260डी/2 के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है ।

1260डी/3(रॉ फैब्रिक)- परिशिष्ट 4 में भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढाँचे में कंपनी ने एफ ओ बी के पहले और बाद में प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है जिनमें 1260डी/3 (अपरिष्कृत फैब्रिक) के निर्यातों के लिए छूट/कमीशनों के अलावा अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग, अन्य, विदेशी भाड़ा, समुद्री बीमा एवं अन्य शामिल हैं । *** अ.डा./कि.ग्रा. (जैसा कि परिशिष्ट 3 में दावा किया गया है) की औसत सी.आई.एफ कीमत पर समायोजनों पर विचार करने के बाद 1260डी/3 के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है ।

1680डी/2(रॉ फैब्रिक)- परिशिष्ट 4 में भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढाँचे में कंपनी ने एफ ओ बी के पहले और बाद में प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है जिनमें 1260डी/2 (अपरिष्कृत फैब्रिक) के निर्यातों के लिए छूट/कमीशनों के अलावा अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग, अन्य, विदेशी भाड़ा, समुद्री बीमा एवं अन्य शामिल हैं । *** अ.डा./कि.ग्रा. (जैसा कि परिशिष्ट 3 में दावा किया गया है) की औसत सी.आई.एफ कीमत पर समायोजनों पर विचार करने के बाद 1680डी/2 के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है ।

1680डी/2(डिप्ड फैब्रिक)- परिशिष्ट 4 में भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढाँचे में कंपनी ने एफ ओ बी के पहले और बाद में प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है जिनमें 16800डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के निर्यातों के लिए छूट/कमीशनों के अलावा अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग, अन्य, विदेशी भाड़ा, समुद्री बीमा एवं अन्य शामिल हैं । *** अ.डा./कि.ग्रा. (जैसा कि परिशिष्ट 3 में दावा किया गया है) की औसत सी.आई.एफ कीमत पर समायोजनों पर विचार करने के बाद 1260डी/2 के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है । डिप विलयन की लागत को 1680डी/2 डिप्ड की निर्यात कीमत में से घटाया गया है ताकि ***-***=*** /कि.ग्रा. की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकाली जा सके ।

प्राधिकारी द्वारा जांचः

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने परिशिष्ट 9 में घरेलू बाजार में बेचे गए डिप्ड फैब्रिक के लिए डिपिंग विलयन की लागत के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है । प्रति यूनिट डिप विलयन लागत 1260डी/2(डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अ.डा./कि.ग्रा. और 1890डी/2 (डिप्ड फैब्रिक) के लिए *** अ.डा./कि.ग्रा. है । डिप विलयन की लागत औसतन *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है । निर्यातक ने प्राथमिक अपरिष्कृत फैब्रिक (1260 डी/2, 1260 डी/3 और 1680 डी/2) का भारत को निर्यात किया है । डिप्ड श्रेणी में 1680 डी/2 ग्रेड का निर्यात किया गया है जिसके ब्यौरे उपलब्ध कराए गए हैं ।

भिन्न-भिन्न ग्रेडों (गे) के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निम्नानुसार हैः-

1260डी/2-अ.डा. *** /कि.ग्रा. (अपरिष्कृत फैब्रिक के लिए)
1260डी/3-अ.डा. *** /कि.ग्रा. (अपरिष्कृत फैब्रिक के लिए)
1680डी/2-अ.डा. *** /कि.ग्रा. (अपरिष्कृत फैब्रिक के लिए)
1680डी/3-अ.डा. *** /कि.ग्रा. (ग्रे के लिए परिकलित)

कोरिया के अन्य उत्पादक/निर्यातकः

प्राधिकारी ने यह पाया है कि कोरिया के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है । प्राधिकारी ने कोरिया के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों से सहयोग के अभाव में रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया है ।

कोरिया के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए सभी ग्रेडों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा.(ग्रे फैब्रिक) और *** अ.डा./कि.ग्रा.(डिप फैब्रिक) निर्धारित की गई है ।

(ग) थाई बड़ौदा, थाईलैंडः

निर्यात कीमतः

कंपनी ने अनुबंध 2 के तहत जांच अवधि के दौरान भारत को की गई निर्यात बिक्रियों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं । कंपनी ने ग्रेड ए के *** कि.ग्रा. और ग्रेड बी के *** कि.ग्रा. का निर्यात किया है जिनका योग *** कि.ग्रा. बनता है । डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में जांच अवधि के दौरान 3818443 का निर्यात दर्शाया गया है । यह अंतर पोत लदान तथा वास्तविक आगमन के कारण हो सकता है । तथापि, चूंकि निर्यातक द्वारा घोषित तारीख पहले की है इसलिए इसमें किसी छिपाव का संकेत नहीं मिलता है ।

भारित औसत निर्यात कीमत *** बहत/कि.ग्रा. बनती है ।

कंपनी ने शुल्क मुक्त आयातों के कारण कीमत सूची में शुल्क लाभ के लिए पुनः अभिवृद्धि का दावा किया है । यह *** बहत/कि.ग्रा. बनती है । कंपनी ने इस संबंध में सरकार के प्रमाण-पत्र को दर्शाते हुए दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं । यह प्रमाण-पत्र निवेश बोर्ड के कार्यालय से संवर्द्धन प्रमाण-पत्र के

स्वरूप में है जिसमें इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि खंड 36 (1)(2) के तहत निर्यात हेतु उत्पादन के लिए आयातित कच्ची सामग्रियों और आवश्यक सामग्रियों पर 15 अगस्त, 1999 से 14 अगस्त 2001 तक की अवधि के लिए आयात शुल्क की छूट है । कंपनी ने जांच अवधि में *** बहत का कुल शुल्क लाभ प्राप्त किया है । इसकी तुलना में कंपनी ने *** कि.ग्रा. का निर्यात किया है (परिशिष्ट 3क के अनुसार भारत *** कि.ग्रा.+अन्य देश *** कि.ग्रा.) उक्त लाभ *** बहत/कि.ग्रा. बनता है । इसे कंपनी के *** बहत/कि.ग्रा. के दावों में जोड़ दिया गया है ।

कंपनी ने हैंडलिंग समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए कमियों का दावा भी किया है । कंपनी ने अनुरोध किया है कि हैंडलिंग के कारण समायोजनों में अंतर्देशीय भाड़ा भी शामिल है । *** कि.ग्रा.के निर्यात के सामने परीक्षण संतुलन कोड सं0 530203 के अनुसार हैंडलिंग की राशि *** बहत बनती है जिसका प्रभाव *** बहत/कि.ग्रा. है । इसकी अनुमति दी गई है ।

कंपनी ने समुद्री भाड़े के लिए समायोजन का दावा किया है । यह परीक्षण संतुलन कोड सं0 530203 के अनुसार है जिसमें ग्रेड ए के *** कि.ग्रा. का निर्यात दर्शाया गया है । जिसका योग *** बहत बनता है और जिसका प्रभाव *** बहत/कि.ग्रा. है । इसकी अनुमति दी गई है ।

कंपनी ने समुद्री बीमा के लिए समायोजन का दावाकिया है । यह परीक्षण संतुलन कोड सं0-530202 के अनुसार है जिसमें ग्रेड ए के *** कि.ग्रा. का निर्यात दर्शाया गयाहै जिसका योग *** बहत बनता है और जिसका प्रभाव *** बहत/कि.ग्रा. है । इसकी अनुमति दी गई है ।

इन समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्यात कीमत *** बहत/कि.ग्रा. बनती है ।

मूल जांच में परिकलित निर्यात कीमत की जांच भी की गई है । *** अ.डा. के सी आई एफ बीजक मूल्य में खर्च की अनुमति *** अ.डा./कि.ग्रा. की दी गई थी और निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. की थी ।

मध्यावधि समीक्षा के दौरान सी आई एफ बीजक मूल्य .*** अ.डा./कि.ग्रा. का है और *** के समायोजनों की अनुमति देने के बाद कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है । यह देखा जा सकता है कि मूल जांच की तुलना में सी आई एफ कीमत में वृद्धि हुई है जबकि समायोजन कमोवेश समान रहे हैं ।

पाटन मार्जिन

अनुमत्य कमियों तथा *** बहत की निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद *** बहत/कि.ग्रा. के सामान्य मूल्य के आधार पर पाटन मार्जिन ** बहत बनता है । यह निर्यात कीमत का 0.035 प्रतिशत है ।

थाईलैंड के अन्य उत्पादक/निर्यातक

न्यूनतम निर्यात कीमत (*** बहत, *** अ.डा. में परिवर्तित) पर विचार करने के बाद और थाईलैंड के सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार समायोजना(*** बहत) की अनुमति

देने के बाद कारखाना द्वार पर भारित औसत निर्यात कीमत *** बहत अथवा *** डालर/कि.ग्रा. बनती है ।

(घ) मैसर्स फारमोसा टेफेटा कंपनी, ताईवान

निर्यात कीमतः

कंपनी ने ग्रे और डिप्ड किस्मों के अपने भिन्न-भिन्न ग्रेडों के लिए भारत को निर्यात हेतु बिक्री कीमत संरचना उपलब्ध कराई है । कंपनी ने दावा किए गए समायोजनों की पुष्टि हेतु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है । कंपनी ने *** अ.डा./कि.ग्रा. की भारित औसत निर्यात कीमत से *** अम.डा. के कुल मूल्य के *** मी.टन (ग्रे और डिप्ड) का निर्यात किया था । कंपनी ने छूट/कमीशन (***%), पैकिंग, स्वदेशी भाड़े, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा के लिए तथा निकासी एवं हैंडलिंग के समायोजनों का दावा किया है । इन सभी समायोजनों का औसत लगभग *** अ.डा./कि.ग्रा. है । कंपनी ने इन समायोजनों की पुष्टि हेतु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है । तथापि संगत दस्तावेजों के अभाव में और अनुरोध किए गए समायोजनों की तुलनात्मक पर्याप्तता के अनुसार प्राधिकारी उसकी अनुमति देने का प्रस्ताव करते हैं ।

इससे कारखाना द्वार पर समायोजित भारित औसत निर्यात कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. बनती है ।

फारमोसा टेफेटा कं0 लि0, ताइवान
अलग-अलग डेनियरों के लिए परिशिष्ट 8 में कंपनी द्वारा दिए गए ब्यौरों के अनुसार

	840डी/2	1260डी/2	1680डी/2	1260डी/2 डिप	1680डी/2 डिप	840डी/2 डिप
उत्पादन/ कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
निर्यात कारखाना द्वार पर	***	***	***	***	***	
भारित औसत		***		***		

ताईवान के अन्य उत्पादक/निर्यातक

*** अ.डा. की न्यूनतम भारित औसत निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद और सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार *** डालर की दर से समायोजनों की अनुमति देने के बाद ग्रे के लिए कारखाना द्वार पर भारित औसत निर्यात कीमत *** डॉलर/कि.ग्रा., बनती है और डिप्ड के लिए *** डॉलर/कि.ग्रा. की दर से न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद तथा *** डॉलर की दर से समायोजनों की अनुमति देने के बाद डिप्ड के लिए भारित औसत निर्यात कीमत *** डॉलर/कि.ग्रा. बनती है ।

(ग) पाटन मार्जिनः

प्राधिकारी द्वा जांचः

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में यथा निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शामिल करने वाले नियमों को अपनाने की संगत नीति का अनुसरण किया है । उपर्युक्तानुसार कारखाना द्वार पर समान्य मूल्य तथा कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्न तालिका के अनुसार किया हैः

	उत्पादक/निर्यातक	पाटन मार्जिन(%)		
		सामान्य मूल्य (अ.डा./किग्रा.)	निर्यात मूल्य (अ.डा./किग्रा.)	पाटन मार्जिन
इंडोनेशिया	(1) मैं0 पीटीजीटी पैट्रोकेम इंडस्ट्रीज टीबीके	840/2(बेचा गया डिप्डः डिप लागत को शामिल न करने के बाद) अ.डा. ***	840डी/2 (निर्यातित ग्रे) अ.डा. ***	10.46%
		1260/2(बेचा गया डिप्डः डिप लागत को शामिल न करने के बाद) अ.डा. ***	1260डी/2 (निर्यातित ग्रे) अ.डा. ***	7.84%
		1680/2(ग्रे) परिकलित कीमत अ.डा. ***	1680डी/2 (निर्यातित ग्रे फैब्रिक) अ.डा. ***	15.58%
	(2) अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	अ.डा. ***	अ.डा. ***	23.08%

कोरिया	(1) मै0 हैयोसुंग कारपो.	1260डी/2 ग्रे अ.डा. ***	1260डी/2 अ.डा. ***	18.6%
		1260डी/3(ग्रे) अ.डा.3 ***	1260डी/3 ग्रे अ.डा. ***	12.74%
		1680डी/2(ग्रे) अम.डा. ***	1680डी/2 अम.डा. ***	16.50%
		1680डी/2 (डिप्ड) अम.डा. ***	1680डी/2 अम.डा. ***	30.60%
	(2) अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	ग्रे डालर *** डिप्ड डालर ***	डालर *** डालर ***	29.67% 30.60%
थाईलैंड	(1) मै0 थाई बड़ौदा(डिप्ड)	अम.डा. ***	अम.डा. ***	--- 0.035%
	(2) अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	अम.डा. ***	अम.डा. ***	12.80%
ताइवान	(1) मै0 फोरमोसा टैफेटा 840डी/2-ग्रे	अम.डा. ***	अम.डा. ***	18.37%
	1260डी/2-ग्रे	अम.डा. ***	अम.डा. ***	16.28%
	1680डी/2-ग्रे	अम.डा. ***	अम.डा. ***	16.16%
	भारित औसत-डिप्ड	अम.डा. ***	अम.डा. ***	16.33%
	1260डी/2-डिप्ड	अम.डा. ***	अम.डा. ***	15.85%
	1680डी/2-डिप्ड	अम.डा. ***	अम.डा. ***	14.97%
	भारित औसत-डिप्ड	अम.डा. ***	अम.डा. ***	16.62%

झ. क्षतिः

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । "कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

उपर्युक्त नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध- II (iii)में आगे यह प्रावधान किया गया है कि जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच साथ-साथ की जा रही है वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेगा जब वह यह निर्धारित करे कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के

प्रतिशन के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आतें की 3% है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है और आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वसतु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच तुलना की स्थितियों के मद्देनजर उचित है ।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा तथा पाटन मार्जिन उपर्युक्त नियम 11 में निर्धारित सीमाओं से अधिक है ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए हम उक्त नियमावली के अनुबंध- II (iv)के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि जिनके ब्यौरे निम्नानुसार हैं:-

(क) आयातों की मात्रा

डीजीसीआईएस के अनुसार मात्रा(किग्रा.)

देश	1998-99	1999-2000	जांच अवधि(1 अप्रैल 2000-31 मार्च 2001)
इंडोनेशिया	19,29,424	22,34,172	29,90,624
कोरिया	37,13,979	16,14,684	16,21,698
थाईलैंड	49,94,124	52,86,331	38,18,443
ताइवान	39,25,564	49,79,795	63,62,563
उप-देश	1,45,63,091	1,41,14,982	1,47,93,328
अन्य स्रोत	21,41,719	25,34,450	34,59,212
कुल आयात	1,67,04,810	1,66,49,432	1,82,52,540

प्राधिकारी ने संबद्ध जांच के प्रयोजनाथ डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया है क्योंकि डी जी सी आई एंड एस समस्त पत्तनों के लिए सांख्यियकीय आंकड़ों की संगणना करता है और आयात संबंधी आंकड़ों के बारे में यह कहा जा सकता है कि उनमें देश में हुए कुल आयातों की मात्रा समुचित रूप से प्रदर्शित होती है ।

एन टी सी एफ के कुल आयातों में जांच अवधि के दौरान 98-99 की तुलना में 9.26% तक तथा 99-2000 की तुलना में 9.63% तक की वृद्धि हुई है । संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में वृद्धि 1999-00 की तुलना में 4.8% की हुई थी और जिसमें 1998-99 के स्तर से 99-2000 में 3.71% तक की कमी आई थी । डी जी सी आई एस ने जांच अवधि के लिए सौदेवार आयात आंकड़े प्रस्तुत किए हैं । यह देखा जा सकता है कि कुल आयातों तथा संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में 1998-99 के स्तर की तुलना में वृद्धि हुई है ।

कुल आयातों के % के रूप में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 1998-99 में 87.18% से क्रमिम रूप से घटकर 1999-000 में 84.78% और जांच अवधि के दौरान 81.05% हो गया है । अतः कुल आयातों के हिस्से के रूप में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में गिरावट का रूख प्रदर्शित हुआ है ।

(ख) उत्पादन एव क्षमता उपयोग

याचिकाकर्त्ताओं की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा था:

याचिकाकर्त्ता	वर्ष	स्थापित क्षमता(मी.टन)	उत्पादन (मी.टन)	क्षमता उपयोग%
घरेलू उद्योग	1998-99	39500	29755	75.32
	1999-2000	39500	34531	87.42
	जांच अवधि			
एसआरएफ लि0		18300	16468	89.99
एनआरसी लि0		78500	6116	81.53
निर्लोन लि0		7200	5688	79.
टीएफएल लि0		6500	2140	32.92
घरेलू उद्योग(कुल)		39500	30412	77.00

तीनों वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता 39500 मी. टन पर स्थिर रही है । घरेलू उद्योग काउत्पादन 1999-2000 के दौरान 34531 मी.टन हुआ था जो 2000-01 के दौरान घटकर 30412 मी.टन हो गया । क्योंकि उत्पादन में गिरावट आई थी इसलिए क्षमता उपयोग भी 1999-2000 के दौरान 87.42% से घट कर 2000-01 के दौरान 77.0% हो गया । उत्पादन में उक्त गिरावट टी एफ एल लि0 के संयंत्र संबंधी उपयोग के कम स्तर के कारण आई थी जो काफली कम 32.92% था । घरेलू उद्योग के सभी अन्य घटकों ने क्षमता उपयोग का उच्च स्तर हासिल किया था।

(ग) बिक्री एवं बाजार हिस्सा:

याचिकाकर्त्ताओं द्वारा की गई बिक्रियों की मात्रा और उनका मूल्य निम्नानुसार था:

	1998-99	1999-2000	जांच अवधि
मात्रा(मी.टन)			
एसआरएफ लि0	16926	19580	1747
एनआरसी लि0	6054	6685	5545
निर्लोन लि0	4104	4899	5372
टीएफएल लि0	1475	3326	2094
कुल	28559	34490	30481
मूल्य(रू0/कि.ग्रा.)			
एसआरएफ लि0	***	***	***
एनआरसी लि0	***	***	***
निर्लोन लि0	***	***	***
टीएफएल लि0	***	***	***
कुल	***	***	***

घरेलू उद्योग की बिक्री 1999-00 के दौरान 34490 मी. टन की हुई थी । यह 2000-01 के दौरान घट कर 30481 मी. टन हो गई जिसमें एक ही वर्ष में 4009 मी. टन की गिरावट दर्ज होती है। प्रतिशत के रूप में उक्त गिरावट 11.62% बनती है । तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है । पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत कीमतों में भी वृद्धि हुई है

मात्रा(मी.टन)

	1998-99	1999-00	2000-01
कुल आयात	16705	16649	18252
घरेलू उद्योग	28559	34490	30481
सेंचुरी ऐंका	9485*	10172	9842*
मांग(लगभग)	54749	61311	58575
घरेलू उद्योग का हिस्सा	52.16%	56.25%	52.04%
आयातों का हिस्सा%	30.51%	27.15	31.16%
पाटित आयातों का हिस्सा%	26.59%	23.02%	25.25%

* कम्पनी के तुलन-पत्र के अनुसार

मांग में कुल आयातों का हिस्सा 98-99, 99-2000 और जांच अवधि के दौरान क्रमशः 30.51%, 27.15% और 31.16% रहा था । मांग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा 98-99, 99-2000 और जांच अवधि के दौरान क्रमशः 26.6%, 23.02% और 25.25% रहा था । मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा स्थिर बना रहा । जहां कुल आयातों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है वहीं 98-99 की तुलना में पाटित आयातों के हिस्सम गिरावट आई है । वर्ष 2000-01 में 1603 मी.टन तक की आयातों में हुई उक्त वृद्धि याचिकाकर्ताओं की बिक्री मात्रा में आई 4009 मी.टन तक की गिरावट से काफी कम है ।

(ग) कीमत कटौती एवं कीमत ह्रास

डी जी सी आई एस के आंकड़ों के अनुसार पहुंच कीमतें निम्नानुसार हैं:

1998-99				
देश/स्रोत	**मात्रा(कि.ग्रा)**	**कुल(रू0)**	**सीआईएफ/किग्रा**	**पहुंच/कि.ग्रा**
ताईवान	39,25,564	49,63,97,425	126.45	178.80
इंडोनेशिया	19,29,424	25,10,65,791	130.12	184.00
कोरिया	37,13,979	47,16,81,739	127.00	179.58
थाईलैंड	49,94,124	63,11,11,954	126.37	178.69
1999-00				
देश/स्रोत	**मात्रा(कि.ग्रा)**	**कुल(रू0)**	**सीआईएफ/किग्रा**	**पहुंच/कि.ग्रा**
ताईवान	49,79,795	64,88,81,537	130.30	184.25
इंडोनेशिया	22,34,172	27,59,88,575	123.53	174.67

कोरिया	16,14,684	20,40,48,125	126.37	178.69
थाईलैंड	52,86,331	65,57,53,091	124.05	175.40
		2000-01		
देश/स्रोत	मात्रा(कि.ग्रा)	कुल(रू0)	सीआईएफ/किगा	पहुंच/कि.ग्रा
ताईवान	63,62	95,01,42,262	149.33	188.53
इंडोनेशिया	29,90,624	44,89,37,884	150.12	189.52
कोरिया	16,21,698	24,13,84,18	148.85	187.92
थाईलैंड	38,18,443	58,19,41,882	152.40	192.41

पहुंच कीमत की गणना 40% सीमा शुल्क तथा 1998-99, 99-00 के लिए 1% हैंडलिंग प्रभारों और 2000-1 (जांच अवधि) के लिए 25% सीमा शुल्क को लेने के बाद की गई है ।

रू0/कि.ग्रा.

वर्ष	घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति	आयातों की पहुंच कीमत			
		इंडोनेशिया	कोरिया	थाईलैंड	ताईवान
1998-99	***	184.00	179.58	178.69	178.5
1999-2000	***	174.67	178.69	175.4	184.25
जांच अवधि	***	189.52	187.92	192.41	188.53

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में 98-99 तथा 99-00 की तुलना में सुधार हुआ है । जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों के पहुंच मूल्य में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।

याचिकाकर्त्ता द्वारा तर्क दिया गया है कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों को अपनाए जाने के कारण और डिप्ड एन टी सी एफ के आयातों का संचयन हो सकता है । तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि थाई बड़ौदा द्वारा किए गए समूचे निर्यात केवल डिप्ड के थे तथापि पी टी जी टी, इंडोनेशिया द्वारा केवल ग्रे का निर्यात किया गया था । इसके अलावा, फार्मोसा तथा ह्योसंग द्वारा किए गए अधिकांश निर्यात ग्रे और डिप्ड के मिले जुले थे । तथापि फार्मोसा और ह्योसुंग के मामले में अधिकांश आयात ग्रे के हुए थे । किसी भी मामले में प्राधिकारी ने उस कीमत पर विचार किया जो संबंधित निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई थी और तद्नुरूपी पहुँच कीमत की तुलना याचिकाकर्त्ताओं की बिक्री कीमत की तुलना याचिकाकर्त्ताओं की बिक्री कीमत के साथ की और कीमत कटौती का कोई साक्ष्य नहीं पाया जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:-

जांच अवधि	घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति	आयातों की पहुंच कीमत			
		इंडोनेशिया	कोरिया	थाईलैंड	ताईवान
ग्रे		***	***	कोई निर्यात नहीं	***
डिप्ड		कोई निर्यात नहीं	***	***	***
औसत	***	189.52	187.92	192.41	188.53

(घ) लाभप्रदता:

निम्नलिखित तालिका से यह देखा जा सकता है कि उत्पादन लागत में जहाँ गिरावट आई है वहीं बिक्री प्राप्ति में वृद्धि हुई है । संबद्ध वस्तु के हुए घाटे में सुधार से यह पता चलता है कि प्रति यूनिट बिक्री में हुआ प्रत्यक्ष घाटा 98-99 में -19.72/कि.ग्रा. से घटकर जांच अवधि में -8.75/कि.ग्रा. हो गया है ।

	98-99	99-2000	जांच अवधि
उत्पादन लागत(रु/कि.ग्रा.)			
एसआरएफ लि0	***	***	***
एनआरसी लि0	***	***	***
निर्लोन लि0	***	***	***
टायर कोर्ड फैब्रिक लि0	***	***	***
कुल	***	***	***
बिक्री मूल्य (रू0/कि.ग्रा.)उत्पाद शुल्क को छोड़कर			
एसआरएफ लि0	***	***	***
एनआरसी लि0	***	***	***
निर्लोन लि0	***	***	***
टायर कोर्ड फैब्रिक लि0	***	***	***
कुल	***	***	***
लाभ/हानि (रू0/कि.ग्रा.)			
एसआरएफ लि0	***	***	***
एनआरसी लि0	***	***	***
निर्लोन लि0	***	***	***
टायर कोर्ड फैब्रिक लि0	***	***	***
कुल	(19.72)	(11.04)	(8.75)

(ङ.) अंतिम स्टॉक (मी.टन)

याचिकाकर्त्ताओं के अंतिम स्टॉक नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

	98-99	99-2000	जांच अवधि
अंतिम स्टॉक (मी.टन)	1767	529	1249

31 मार्च 2000 को अंतिम स्टॉक, 1999-200 के दौरान की गई 6 दिनों की बिक्री के बराबर था जबकि 31 मार्च 2001 को अंतिम स्टॉक 2000-01 के दौरान की गई 15 दिनों की बिक्री के बराबर था । तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री में गिरावट (4009 मी.टन के लगभग), स्टॉक में

बढ़ोत्तरी से कहीं अधिक है, और आयात में वृद्धि अथवा बिक्री मात्रा में गिरावट के लिए उसे कारक नहीं ठहराया जा सकता ।

(च) रोजगार तथा वेतनः-

1999-2000 के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा रोजगार प्रदान किए गए व्यक्तियों की संख्या, समग्र रूप से, 4187 थी । जांच की अवधि के दौरान यह 3927 तक घट गई । यह नोट किया जाना चाहिए कि याचिकाकर्त्ता कंपनियों द्वारा नियुक्त किए गए कर्मचारियों की कुल संख्या संबंधित उत्पाद पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों की वास्तविक संख्या को नहीं दर्शाती है । तथापि, लगातार घाटे के कारण वेतन का स्तर लगभग समान रहा । अब पाटित आयातों का प्रभाव हटाया जाएगा तब घरेलू उद्योग वेतन में वृद्धि करने की स्थिति में होगा ।

(छ) नकद प्रवाह तथा निवेश करने की क्षमताः-

पिछले तीन वर्षों के दौरान सतत घाटे के कारण घरेलू उद्योग में नकद प्रवाह पर गहरा प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग के किसी एक घटक की लाभप्रदत्ता में ह्रास भी प्रतिकूल नकद प्रवाह के लिए जिम्मेदार हो सकता है ।

न. प्राधिकारी द्वारा एन आई पी की गणना

इसलिए प्राधिकारी ने इन समीक्षा जांचों में निम्नलिखित कारकों के आधार पर मै0 सेंचुरी ऐंका विचार करने के बाद घरेलू उद्योग की एन आई पी का निर्धारण किया हैः-

(क) मूल जांच के दौरान मै0 सेंचुरी ऐंका घरेलू उद्योग का हिस्सा था :

(ख) सेंचुरी ऐंका, संबद्ध वस्तुओं के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक हैः

(ग) मै0 सेंचुरी एंका ने इन मध्यावधि समीक्षा जांचों में " सक्रिय भागीदार" नहीं होने के लिए कोई कारण नहीं दिया है ।

(घ) घरेलू उद्योग का अनुप्रयोग यह नहीं दर्शाता कि सेंचुरी ऐंका, घरेलू उद्योग की घटक इकाई क्यों नहीं है । इसी समय घरेलू उद्योग का अनुप्रयोग विशिष्ट रूप से इस बात का उल्लेख नहीं करता कि सेंचुरी जांच में हिस्सा नहीं लगा और संगत सूचना उपलब्ध करने के लिए तैयार नहीं हैः

(ड.) सेंचुरी ऐंका याचिका का विरोध नहीं करताः

(च) सेंचुरी ऐंका एन टी सी एफ का उत्पादन जारी रखेगा :

(छ) सभी इकाईयों (याचिकाकर्त्ताओं, समर्थकों और गैर-विरोधी) की लागत आसूचना सभी संबद्ध वस्तुओं के घरेलू विनिर्माताओं की युक्तिसंगत गैर-क्षतिकारक कीमत का विश्लेषण करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अंततः किसी भी पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सभी उत्पादकों को एक समान स्तर प्रदान करने का है :

(ज) घरेलू उद्योग द्वारा इस समीक्षा याचिका के दायर किए जाने का मुख्य कारण अंतिम अधिसूचना के तुरंत बाद सीमाशुल्क में कटौती होना है जिसके कारण घरेलू उद्योग को प्रदत्त सुरक्षा के प्रभाव का क्षरण हुआ है । सीमा शुल्क में कटौती और उसके फलस्वरूप पहुंच मूल्य में कटौती का, मूल जाँच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति मार्जिन पर सीधा प्रभाव पड़ता है । क्षति मार्जिन एन आई पी तथा पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होताहै । इसका प्रभाव सभी भारतीय उत्पादकों पर समान रूप से पड़ता है । इसलिए इन जांचों के लिए आवश्यक सुरक्षा स्तर का निर्धारण केवल सभी उत्पादकों के लागत डाटा के आधार पर किया जा सकता है ।

(झ) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) जैसा कि जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में दोहराया गया है, में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि " यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से

मना करती है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जाँच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।"

नियम 2(ग)(iii) में किसी हितबद्ध पार्टी को" भारत में समान वस्तु के किसी उत्पादक अथवा ऐसी कोई व्यापारिक और व्यावसायिक एसोसिएशन, जिसके अधिकांश सदस्य भारत में समान वस्तु का उत्पादन करते हैं" के रूप में परिभाषित किया गया है ।

ट. क्षति संबंधी निष्कर्ष

6. पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि :-

(क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है (1999-00 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 4.8 % तक): जबकि 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 6.98% तक की वृद्धि हुई है तथापि संबद्ध देशों से आयातों में 1998-99 की तुलना में जाँच अवधि में केवल 1.58% तक की ही वृद्धि हुई है: कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 1998-99 में 87.18% से उत्तरोत्तर घटकर जांच अवधि के दौरान 81.05% हो गया है :

(ख) याचिकाकर्त्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है: लेकिन आयातों में वृद्धि याचिकाकर्त्ताओं की बिक्री मात्रा में आई गिरावट की तुलना में कम रही है:

(ग) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योगों की कीमतों में कटौती नहीं हुई है और वह मोटे तौर पर उस कीमत पर हुई है जो कि घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से अधिक है ।

अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण नहीं हुई है ।

7. पाटन मार्जिन से कम शुल्क

प्राधिकारी ने एन टी सी एफ के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया है और पाटन मार्जिन की राशि का निर्धारण किया है । इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयात के पहुंच मूल्य के साथ की है । प्राधिकारी ने यह पाया है कि क्षति मार्जिन कुल मिलाकर ऋणात्मक था ।

प्राधिकारी द्वारा मूल जाँच में प्रस्तुत आंकड़ों को अपनाकर, मै0 सेंचुरी ऐंका लि0 के संबंध में समग्र घरेलू उद्योग के अनुरूप उत्पादन लागत में आनुपातिक वृद्धि करके घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है ।

ठ. कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में 1999-00 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 4.8% तक की समग्र वृद्धि हुई है । यद्यपि 1998-99 की तुलना में मांग में जांच अवधि के दौरान 6.98% तक की वृद्धि हुई है तथापि 1998-99 की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों में जाँच अवधि के दौरान केवल 1.58% की वृद्धि हुई है । कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयतों का हिस्सा 1998-99 में 87.18% से धीरे-धीरे घटकर जांच अवधि के दौरान

81.05% हो गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि में आयातों में उक्त गिरावट यांचिकाकर्त्ता की बिक्री मात्रा में आई गिरावट से काफी कम है । इस प्रकार संबद्ध देशों से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा था । कीमत प्रभाव अर्थात् क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है की जांच में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ताईवान से एन टी सी एफ का पहूँच मूल्य जाँच अवधि के दौरान याचिकाकर्त्ता की निवल बिक्री कीमत से काफी अधिक रहा है अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा नहीं पहुंची है ।

8. **अंतिम जांच परिणाम**

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

क. इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ताईवान मूल के अथवा वहां से निर्यातित एन टी सी एफ का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है :

ख.. घरेलू उद्योग को उस सीमा तक क्षति पहुंची है जिस सीमा तक उसे घाटा हुआ है, किंतु प्रति यूनिट बिक्री संबंधी प्रत्यक्ष घाटे में कमी आई है:

ग. तथापि घरेलू उद्योग को हुई क्षति और संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बीच किसी कारणात्मक संबंध की पुष्टि नहीं हो सकी ।

9. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ नियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

10. उपर्युक्त को देखते हुए और इस समीक्षा जांच के परिणामस्वरूप निर्दिष्ट प्राधिकारी इंडोनेशिया, कोरिया, थाईलैंड और ताईवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 में सीमाशुल्क उपशीर्ष 5902.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक, जो इस जांच की विषय वस्तु है, के सभी आयातों पर दिनांक 22/2/2000 के अंतिम जांच परिणाम संख्या 31/01/1998-एडीडी के तहत पहले सिफारिश किए गए तथा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश करना उचित समझते हैं ।

11. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th March, 2003

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigations concerning imports of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan.

F. No. 57/1/2001-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:

(a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Final Findings vide Notification No. 31/1/1998- ADD dated 22/2/2000 recommending imposition of anti-dumping duties on all imports of Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from Indonesia, Korea, Thailand and Taiwan.

(b) The Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Rules made thereunder require the Authority to review from time to time, the need for the continued imposition of definite anti dumping duty imposed by the Central Government. The Domestic Industry vide their letter dated 29th October, 2001 had requested for initiation of a review of the recommendation made by the Authority vide Notification No. 31/1/1998 dated 22.2.2000, in the changed circumstances. The Domestic Industry pointed out that reduction in Customs duty immediately after the Final Notification had eroded the impact of protection provided to the Domestic Industry against dumped imports from the subject countries.

(c) Having decided to review the Final Findings made vide Notification 31/1/98-ADD, dated 22.2.2000, the Authority initiated these investigations to review the need for continued imposition of anti dumping duty on NTCF from the subject countries in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. This review covers all aspects of Notification No. 31/1/98-ADD issued on 22.2.2000.

(d) The Authority initiated the review of anti dumping duty imposed on NTCF on the subject countries vide Notification No. 57/1/2001-DGAD, dated 23rd November, 2001 and requested the interested parties to furnish their views in writing within forty days from the date of the letter;

(e) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 3rd June 2002. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any.

(f) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;

(e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in these findings;

(f) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, (submitted by the domestic industry alone) have been duly considered in these findings;

(g) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(h) Investigations were carried out for the period POI 1st April 2000 to 31st March 2001 (12 months).

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product under investigation in the present case is Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from Indonesia, Korea, Thailand and Taiwan and classified under Customs Sub heading 5902.10.00 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however indicative only and is in no way binding upon the scope of the present investigations.

NTCF finds application in different kinds of tyres like bus and truck tyres, two wheelers tyres, light commercial vehicles, animal driven vehicles, etc. NTCF also finds application in non- tyre industries. NTCF is of various deniers.

None of the interested parties have raised any objection with regard to product under consideration and scope of investigation. Even though M/s. Formosa originally provided information with regard to Grey NTCF, citing that the investigation related to Grey NTCF only, the company eventually provided information with regard to Dipped NTCF also. Thus, Formosa also conceded that the investigations related to all types of NTCF. The Authority therefore holds that the product under consideration is Nylon Tyre Cord Fabric as classified under Customs Sub heading 5902.10.00 of the Customs Tariff Act.

C. LIKE ARTICLES

3. The petitioners have claimed that NTCF being produced and sold by Domestic Industry and those imported from subject countries, are being used interchangeably by customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over the world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor differences such as additives, automation in material handling etc. There are no arguments disputing that the goods produced by the domestic industry are like article to the imported product.

In view of the same, Authority hold that NTCF being produced by domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.

(A) Views expressed by Domestic Industry on Like Article:-

Thai Baroda has conceded that NTCF exported by them and that produced by the applicants are like articles. They have stated that the prices and cost of the product varies with reference to denierage. This does not make the investigation any different. Thai Baroda is required to provide details of the NTCF exported by them separately for grey fabric and dipped fabric. Within each of these two categories, there should have been separate appendices for different denierages. The cost of production for each denierage would also have been submitted separately by them. The Authority will compare the normal value and export price of identical goods (dipped 840 in Thailand with dipped 840 in India and so on) to arrive at the dumping margin. Since the product on which the anti-dumping duty is imposed is NTCF, the Authority has to combine the dumping margins for each product type into a single average rate.

(B) Submissions by Exporters on Like Article:-

Thai Baroda, Thailand

1. While it is not disputed that the goods being produced by the domestic industry are like article to the goods being exported by Thai Baroda, it is submitted that the company is now exporting only dipped NTCF. Further, NTCF has various deniers which vary significantly in cost. Thai Baroda, therefore, strongly refutes the claim of the petitioners that various types of NTCF are not different in terms of their associated costs and prices. Since NTCF is produced in different deniers, the cost of production of different deniers significantly varies. Further the product mix sold by the company to India and that sold in the domestic market were different.

(C) Examination by the Authority on Like Article:-

Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

Some interested parties have stressed on the differences between dipped and grey fabric in terms of costs and in differences between various grades based on denierage that are also imported and that are manufactured by the petitioner. The Authority notes that the raw material composition and the production process are the same for various deniers. The authority further notes that as compared to the total cost of production of grey fabric, the cost of dipping for dipped fabric is only incremental and is not exceeding 10%. The Authority notes that there are no significant physical attributes or technical distinctions (other than weight) that differentiate the different deniers/grades of the subject goods.

The Authority concludes therefore, that the basic manufacturing process, the applications and overall use of the imported product (in various grades) and that manufactured by the petitioner are similar. There is a high degree of interchangeability and consequently of competition between the imported product in various grades and that manufactured by the petitioner being the subject matter of this investigation.

In order to establish that the subject goods in different grades of NTCF produced by the domestic industry is a Like Article to the subject goods in different grades of NTCF that are exported from Indonesia, Korea, Thailand and Taiwan, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority. There are general similarities in physical characteristics, production process, end use in the subject products imported from the subject countries and that produced by the petitioner. The subject products compete directly with each other and with those imported from other countries and together compete with the domestic like product.

The Authority finds that there is no argument disputing that the subject goods produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by NTCF in various grades imported from the subject countries both commercially and technically. NTCF of all grades produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Indonesia, Korea, Thailand and Taiwan, within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY:-

4. The review petition has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industry on behalf of M/s SRF Ltd., New Delhi, M/s NRC Ltd., Mumbai, M/s Nirlon Ltd., Mumbai and M/s TFL (a 100% subsidiary of M/s. SRF Ltd. since May, 2000). The total production of NTCF and the production by the petitioners is given below. The authority notes that as per this information (provided vide letter dated 29.10.01), domestic industry has mentioned installed capacity of M/S NRC as 6400 MT and for M/S Century Enka as 10900 MT, whereas as per the information provided in the costing details and Balance sheet(of Century), the installed capacity of these firms is 7500MT and 12000 MT respectively. Further, the production for year 1999-2000 for M/s NRC has been reported as 5885MT whereas as per the costing details, it is shown as 6343MT. Similarly for M/s Nirlon the production is shown as 5062MT whereas as per the costing details, it is shown as 5688MT. In view of the above, the relevant figures have been modified accordingly.

Qty. (MT)

Name of the Company	Installed Capacity(MT)	1998-99	1999-2000	POI (Ap2000-Mar01)
SRF Ltd.	18300	17507	19145	16468
NRC Ltd.	7500	5776	6343	6116
Nirlon Ltd	7200	4979	6098	5688
TFL	6500	1493	2945	2140
Total production of NTCF By the domestic industry	39500	29755	34531	30412
Others (Century Enka Ltd.)	12000	9396	10372	10093
Total	51500	39151	44903	40505
Share of petitioners	77%	76%	77%	75%

E. Views expressed by Interested Parties:-

Submissions made by exporters:-

(A) **PTGT Petrochem Industries Tbk, Indonesia:**

1. PTGT was established in 1986. The factory is located in Tangerang. For the production of tyre cord fabric for domestic and international markets, the company involves no other factory.
2. The Nylon 6 yarn being the only major raw material in the making of tyre cord fabric is obtained locally. The portion of imported raw materials is very limited and mainly consist of supporting materials such as chemical solutions. All of these local and imported raw materials are subject to value added tax of 10%. However, this 10% VAT is refundable at the end of every fiscal year, usually in the month of December.
3. The majority styles exported to India are Grey Nylon 6 tyre cord of styles 840D/2, 1260D/2, and 1680D/2.

Examination by the Authority:-

1. The company has furnished data on sales in the domestic market as per Appendix 1 to tyre manufacturer companies in Indonesia for 840D/2 and 1260D/2.
2. They have provided information relating to exports to India in Appendix 2. The styles exported are Grey Nylon 6 tyre cord of styles 840D/2, 1260D/2, and 1680D/2.
3. Data on sales for export to India, domestic market and export to other countries during the period of investigations and for two preceding consecutive years (1998-99) have been provided in Appendices 3A, 3B and 3C.
4. Sales price structure for exports to India, for domestic sales and for exports to other countries have been provided in Appendices 4 to 6 and in 6B.
5. The commission for Indian sales is ***% on the fob value. The commission for local market and non Indian market are the same i.e. ***% from the fob value. The average costing values of packing, insurance, storage, handling, taxes, repairs and maintenance are already included in the costing calculation of overheads.
6. The shipping charges are already included in the overseas freight charges.

7. Duty and sales tax as 10% VAT (Value Added Tax) will not be included in the sales price structure because the Company is entitled for reimbursement at the end of every fiscal year.
8. Clearance and handling are not applicable for the Company.
9. The respondent has furnished the factory cost of exports to India in Appendix 8 and the factory cost of domestic sales and non-India countries in Appendices 9 and 10.
10. In response to the deficiency letter issued by the Authority dated 21st June 2002, the exporter has furnished a reply dated 3rd July 2002.

(B) **M/s Hyosung Corporation, Korea**

1. M/s Hyosung T&C was incorporated in 1966. T & C merged with Hyosung Corporation ('HC') in 1998.
2. HC purchases the materials used to produce the product concerned from both foreign and domestic suppliers and pays the appropriate import duties when purchases are made from foreign suppliers. HC also obtains duty drawback from the Korean Government.
3. HC has filed information relating to sales in the home market in Appendix 1. The data is for 1260D/2 Dip fabric and 1890D/2 Dip fabric.
4. Information relating to exports to India have been furnished in Appendix 2 pertaining to 1260D/2 raw fabric and 1680D/2 dip and raw fabric.
5. Sales of Goods of the company have been given in Appendix 3.
6. Sales price structures have been provided for Exports and Domestic Sales and to Countries Other than India in Appendices 4, 5 and 6 respectively.
7. Statement showing the licensed capacity, installed capacity, production and sales have been given in Appendix 7.
8. The factory cost and profit of Exports and Domestic Sales and to Countries Other than India have been given in Appendices 8, 9 and 10 respectively.

Examination by the Authority

1. On examination of the response filed by the exporter, a deficiency letter was issued to the exporter dated 21st June 2002 citing and calling for clarification on the discrepancies in the response. It was also stated in the said deficiency letter by the Authority that a copy of the non-confidential version of the response submitted by HC had not been provided to enable the other interested parties to offer their comments. A copy of the non-confidential response was called for immediately failing which it was stated that the Authority would have no recourse but to disregard the entire response in terms of the relevant Anti-Dumping Rules. In the deficiency letter it was also pointed out that copies of balance sheet and profit and loss account for the POI and for the previous two years were not made available and HC was requested to provide the same.
2. The Authority notes that no response to the deficiency letter was filed by HC, Korea.

(C) **M/s Thai Baroda, Thailand**

1. Thai Baroda has sold two types of NTCF; (a) "A" grade NTCF and (b) "B" grade NTCF and the distinction of grade is in the export invoices. The company has sold only dipped fabric in both India and the Home market. Accordingly, the information provided is I respect of dipped NTCF divided into "A" and "B" grade.

2. The subject goods are sold in a number of deniers. The company has sold 840/2, 1260/2 and 1890/2 denier in the domestic market and has exported 840/2, 1260/2, 1260/3 and 1680/2 denier to India.
3. Thai Baroda Industries Limited was set up as a limited company in 1990.
4. The company was entitled to import of raw materials, free of customs duty in the investigation period. The company utilized this incentive to import the raw materials without payment of duty.
5. The company has enclosed details of sales in the home market in Appendix 1 and details of sales to India in Appendix 2. Details of quantities sold and net sales revenue per unit for sales to India and the Domestic Market have been given as per Appendix 3.
6. Price Structures and Sales Arrangements for exports to India and the domestic market have been given in Appendices 4 and 5.
7. Information on licensed, installed capacity, production and sales have been given in Appendix 7 There is no addition to capacity by Thai Baroda since previously investigated investigation period.
8. The factory cost and selling price for exports to India and the Domestic Market have been provided in Appendices 8 and 9. They have stated that insignificant sales of the company in the domestic market were below the cost of production. Thus sales made by the company in the investigation period in the home market were viable sales.
9. Thai Baroda received benefit of duty free imports of raw materials used in the production of export goods. The benefit of duty free imports of raw materials was not applicable in respect of goods produced for sale in the domestic market. Approximately 90% of the raw material used in the production is imported. The cost of production in the domestic market is, therefore, higher by the amount of customs duty paid by the company on imports of these raw materials.
10. Payments in case of exports to India are against Letters of Credit at Sight. On the contrary, domestic sales are unsecured and domestic sales are not on Letter of Credit basis. The company as a result incurs bad debts in respect of sales in the domestic market and the payments are received much beyond the agreed payment period. Thus, working capital requirements of the company in respect of exports to India and sales in the domestic market are accordingly different.
11. Majority of export sales to India involves no credit. Sales in the domestic market are on credit ranging from 30 days to 90 days. Further, risk of unrealised sales collection is high in the domestic market.
12. The company has enclosed Profit and Loss Statement and Balance Sheet for the period of investigation and audited accounts for the financial years ending 30th September 1999 and 30th September 2000and three month financial period- October-December 2000. Subsequently, the company submitted Trial Balance, Grouping of Trial Balance, Profit and Loss Statement and Balance Sheet, duly audited, for the POI.

Examination by the Authority

1. Vide deficiency letter dated 21st June 2002 the Authority called for clarifications and additional information/documentation stated therein. The exporter was asked to provide a copy each of the Audited Profit and Loss Account and Balance Sheet for the POI viz., April 2000-March 2001 and the previous two years.

2. The company has given a reply to the deficiency letter issued by the Authority dated 5th July 2002. The exporter has clarified that the information provided in Appendix 1 pertains to Dipped Fabric only as Thai Baroda neither exported gray fabric to India in the investigation period nor has sold the same in the domestic market. The exporter has clarified that considering the manner in which the information was provided by the Indian producers in the original investigations and the methodology followed by the Authority for determination of normal value, Thai Baroda has not provided denier-wise details of sales made by the company in the two markets. Thai Baroda would provide this information should the Authority consider it to be vital and the domestic industry has provided information in similar fashion.
3. With regard to financial accounts of Thai Baroda, it has been clarified that three Annual Published Reports for the past periods have been earlier provided by them. Profit & Loss Statement and Balance Sheet for the investigation period was enclosed with their reply to the deficiency letter.
4. In response to the various queries by the Authority, the exporter provided Trial Balance and Grouping. Subsequently, the exporter provided duly audited copy of these documents also.

(D) M/s Formosa Taffeta Co., Ltd.

1. The Company has furnished information relating to sales in the home market in Annexure 1. There are no sales of Grade N6 1680D/2 Grey; N6 1260D/2 Grey; N6 840D/2 Grey and N6 840 D/2 DIP. The data is for sales of N6 1260D/2 DIP and N6 1680D/2 DIP.
2. In Appendix 2 information pertaining to exports to India has been given for Grade N6 1260D/2, N6 1680D/2, N6 840D/2, N6 1260D/2 DIP and 1680D/2 DIP.
3. Sales of the goods of the Company has been given in Appendix 3.
4. Sales price structure for exports to India, for domestic sales and to third countries have been given in Appendices 4, 5 and 6.
5. The factory cost and profit of exports to India, for domestic sales and for countries other than India have been given.

Examination by the Authority

1. A deficiency letter was issued by the Authority dated 21st June 2002 to which a reply dated July 3, 2002 was furnished by the exporter. They have clarified that FTC does not have any sales of Grey NTCF in the domestic market and the company has exported grey NTCF only to India. In the previous investigations relating to this product, the normal value was determined on the basis of cost of production. The present investigation is a review of existing duties. The grounds for review advanced by ASFI does not include basis of determination of normal value, nor did ASFI challenge the basis of determination of normal value in the previous case. Such being the case, FTC considers that the normal value in the instant case, in the absence of sales of Grey NTCF in the domestic market would be determined on the basis of cost of production. It is clarified that the company has sold only dipped NTCF in the domestic market. Under the circumstances, FTC considers that the information with regard to sales of different product in the domestic market would not be relevant in the present investigations but is willing to fully co-operate with the Authority.

2. FTC considered that the present review would remain restricted to mere re-determination of normal value and export price on the basis if the methodology already settled in the previous investigation.
3. Subsequently, the exporter provided information with regard to dipped NTCF and rectified various discrepancies pointed out by the Authority. However, even though the company has provided Profit & Loss Statement and Balance Sheet statement, the Authority notes that the company has not provided a copy of the Detailed Annual Report, as audited and supposed to be submitted to Government Authorities.

F. Submissions made by importers:-

(A) **CEAT LIMITED:**

1. Ceat Ltd. has furnished a response to the importers questionnaire.
2. They are manufacturers of Automotive Tyres, Tubes and Flaps.
3. The details of imports of NTCF during the last three years including period of investigations are as follows:

1998-99				1999-2000			2000-01 (POI)		
Country	Qty (MT)	Value USD (Lakhs)	Rate Rs. /kg	Qty (MT)	Value USD (Lakhs)	Rate Rs. /kg	Qty (MT)	Value USD (Lakhs)	Rate Rs. /kg
Thailand	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Taiwan	---	---	---	***	***	***	***	***	***
Total	***			***			***		

The $/Rs conversion rate has been taken as Rs 41.98 for 1998-99, Rs 43.80 for 1999-00 and Rs 45.72 for the POI.

4. The details of imports liable to duty for the period of investigations were as follows:

Country	Qty (MT)	Value Rs./lakhs	Rate Rs. /kg	Landed Value Rs. /kg	Landed Value Rs./Lakhs
Thailand					
Dipped Fabric	***	***	***	***	***
Taiwan					
Undipped Fabric	***	***	***	***	***
Total	***	***			***

From the above, it is seen that the landed value was Rs. ***/kg for dipped fabric from Thailand and Rs. ***/kg for undipped fabric from Taiwan.

(B) **Vikrant Tyres Ltd., Mysore**

1. Vikrant Tyres Ltd. has furnished a response to the importers questionnaire.

2. The details of imports of NTCF during the last three years including period of investigations are as follows:

1998-99				1999-2000			2000-01 (POI)		
Country	Qty (MT)	Value Rs (Lakh)	Rate Rs. /kg	Qty (MT)	Value Rs (Lakhs)	Rate Rs. /kg	Qty (MT)	Value Rs (Lakhs)	Rate Rs. /kg
Thailand									
Duty paid	Nil	---	---	Nil	---	---	Nil	---	---
Duty Free	***	***	***	***	***	***	---	---	---
Taiwan							***	***	***
Duty paid	nil	nil	nil	***	***	***	***	***	***
Duty Free	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Indonesia							***	***	***
Duty paid	Nil	---	---	***	***	***	***	***	***
Duty Free	Nil	---	---	***	***	***	***	***	***
Korea									
Duty paid	Nil	---	---	***	***	***	Nil	---	---
Duty Free	Nil	---	---	---	---	---	---	---	---
Total									

3. The details of imports on payment of duty for the period of investigations were as follows:

Country	Qty (MT)	Value Rs./lakhs	Rate Rs. /kg	Landed Value Rs. /kg	Landed Value Rs./Lakhs
Taiwan	***	***	***	***	***
Indonesia	***	***	***	***	***
Total	***	***			***

4. From the above, it is seen that the landed value was Rs. ***/kg from Taiwan and Rs. ***/kg from Indonesia.

G. Public Hearing Held by the Authority on 3rd June 2002

I Views expressed by Domestic Industry in written submissions and rejoinder:-

1. Changed circumstances warranted the review

The final findings were published by the authority on 22nd February 2000. The anti-dumping duty was notified by the Ministry of Finance on 28th March 2000. Within a week, i.e. with effect from 1st March 2000, the customs duty was reduced from 40% to 25%. Even before the duty was notified by the Ministry of Finance, the landed value came down by 15% and the injury margin determined by the Authority was completely eroded.

After imposition of anti-dumping duty, imports are normally expected to come down. However, in this particular case, the reverse happened. Volume of imports went up significantly after the imposition of anti-dumping duty. From 11257 MT during 1999-2000, total imports of NTCF into India went up by a whooping 86% to reach 20990 MT during 2000-2001. Imports from the subject countries alone increased from 10698 MT during 1999-2000 to 19787 MT during 2000-01 registering an increase of 9089 MT [85%]. Such a huge increase in imports in spite of anti-dumping duty indicates that the protection given in the form of anti-dumping duty was highly inadequate.

This is corroborated by the fact that in respect of three out of four countries covered in the investigation, dumping margins determined by the authority were huge. However, duties were levied based on injury margin as it was less than the dumping margin.

2. DGCIS Data unreliable

We have submitted import statistics based on the Daily Custom Lists issued by Mumbai, Cochin and Chennai ports. As per the said daily custom lists, the total import comes to 20990 MT for the year 2000-01, whereas the data published by DGCIS as submitted by one of the opposing interested parties indicate a total import of 18253 MT for the same period. Obviously, there is some classification and/or compilation error in the DGCIS data which makes the data unreliable. In view of the same, we have relied on the data compiled from the Daily Custom Lists. It may be noted that in the original investigation also, the import data as compiled from the Daily Custom Lists was adopted by the authority.

3. New countries can not be included in a review

Imports from China during 1999-2000 were a mere 16 MT which went upto 1116 MT during POI. Of the total imports of 20990 MT, imports of 1116 MT from China constitute 5.3 %. The average import prices were Rs.140 per Kg similar to the import prices from the subject countries. However, in a review investigation, one can not introduce countries which were not included in the original investigation.

4. Comments on the responses submitted by some exporters:

(a) M/s. Thai Baroda Industries, Thailand: This exporter has claimed, inter alia, deductions towards (i) Selling expenses; and (ii) Product Mix difference.

Under Selling expenses, they have stated that the benefit of certain indirect selling expenses was available exclusively for the domestic sales and therefore, they have claimed a deduction towards the same from their domestic sales files. This is nothing short of turning the anti-dumping rules

on its head. It is clear from their submission that such indirect expenses are actually incurred for effecting domestic sales. If such expenses are not included in arriving at the domestic SG&A, then, the domestic SG&A will be understated to that extent. By their own admission, those indirect selling expenses benefit domestic sales. Under such circumstances, it cannot be excluded.

In the name of 'Product-Mix Difference', a highly innovative deduction has been claimed by them. They have taken the total cost of production for export and total cost of production for domestic sale. From the difference between the two, they have excluded the difference in raw material costs due to duty free import of raw materials for export sales. The remaining difference between the costs for export production and domestic production has been claimed as a deduction on account of 'product-mix difference'. Paragraph 6(i) of Annexure I to the Anti-Dumping Rules provide that allowances may be made towards differences in physical characteristics that affect price comparability. To get such an allowance, the exporter should prove the differences in physical characteristics and should also quantify those differences in monetary terms using objective and verifiable criteria. The whole of the difference in cost of production cannot be attributed to differences in physical characteristics. The Authority has consistently held this view in other cases, notably in the anti-dumping investigation on Acrylic Fiber from Thailand. The claim is thus against the rules and the practice.

(b) M/s.Formosa Taffeta Co Ltd , Taiwan

This exporter has submitted a 36-page Non-confidential version of their response in which all the 36 pages are completely blank. They have simply reproduced the format of the exporter's questionnaire, without mentioning even a single word in reply to the questions asked therein. This is highly objectionable. In a recent case concerning imports of Vitrified Tiles from China and UAE, an exporter from UAE who did not give proper non-confidential version was treated as 'non-cooperating exporter' and the dumping margin was calculated based on 'best information available'. We submit that similar treatment should be given to this exporter also. Otherwise, this will set a precedent and other exporters will be encouraged not to give any information in their non-confidential versions.

(c) M/s. PTGT Petrochem Industries, Indonesia

This exporter has exported grey fabric to India and has sold only dipped fabric in his domestic market. To make a proper comparison, they have constructed the export price of dipped fabric from the actual export price of grey fabric. It is submitted that export price cannot be constructed as stated by them. Export price can be constructed only under certain situations provided for under explanation (b) to Section 9A(1). Those circumstances are (a) when there is no export price; or (b) when the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party. In this case, the export price is available and hence, export price cannot be constructed.

To make a fair comparison, what is required is to construct the normal value of grey fabric for sale in the domestic market. This may be done by taking the domestic sale price of dipped fabric and deducting there from the cost of dipping. The authority is requested to examine their claims carefully and construct the normal value instead of constructing the export price.

5. **Causal link**

It is submitted that the dumped imports have caused injury as stated above to the domestic industry. The authority has already determined the causal link between dumped imports and the injury suffered by the domestic industry during the original investigation. After the conclusion of the original investigation, the domestic industry has continued to suffer injury that too on a higher scale as dumped imports have increased by over 85% in just one year. This was entirely due to the erosion of the injury margin caused by a further fall in CIF prices and the landed value.

SUBMISSIONS BY REJOINDER

(A) Submissions in respect of Thai Baroda Industries Ltd.

In para 2, Thai Baroda have submitted that the review investigation was initiated by the Designated Authority on the basis of a letter filed by us, without any formal Petition. This submission is far from the truth. Rule 23 provides for a review of the need for the continued imposition of the anti dumping duty by the Designated Authority. This Rule does not specifically provide as to whether the initiation could be suo motu by the Designated Authority or at the instance of an interested party. The Rule, however, makes it clear that the review should be based on the information received by the Designated Authority. Rule 23 does not prescribe that the said information should be provided by way of a formal petition. Further, Rule 23(3) makes it clear that the provisions of Rule 6 to 11 and 16 to 20 shall be applicable in the case of a review. As contra distinct of this statutory provision, the requirement of filing an application in the form specified by the Designated Authority is provided in Rule 5. Rule 23(3) specifically excludes Rule 5. Hence a Petition or an application in the form prescribed by the authority is required in terms of Rule 5 for initiation of an investigation afresh. Such an application is not required for a review under Rule 23(3) or for a sunset review. In such cases, what is important is that the authority should receive information which should substantiate the need for initiating the review. Hence the submission that the formal petition has not been filed by the domestic industry deserves outright rejection. Further, the letter, as Thai Baroda calls it, provides information on the need for the review as also data on imports and injury.

2 The next submission is that there is no authorisation in favour of M/s. Lakshmikumaran & Sridharan. This submission is also factually incorrect. The Powers of Attorney issued by the producers making the request for review has been submitted to the Designated Authority. These Powers of Attorney may not have been placed by the Designated Authority in the public file.

3 The submission that the Petitioners had "now adduced new grounds" and that arguments were advanced at the oral hearing , justifying the need for review, is also incorrect. A perusal of the non confidential version of our application will show that it had addressed the issue of increase in quantum of imports in paras 3.2 to 3.6. Similarly, the injury indicators were dealt with in paras 4.1 to 4.6. Para 5.1 which summarises the application clearly brought out that the protection given to the domestic industry had been eroded, imports have increased significantly and material injury has been caused to the domestic industry as a result of the continued dumping. Thus, all the essential ingredients necessary for initiating the review and for the continuation of

the anti dumping duty were contained in the application. The non- confidential version also gives all this information. It appears that Thai Baroda have not scrutinised the non-confidential version of the application. Hence this submission also deserves rejection.

Regarding Product under consideration and like article

4. Thai Baroda had conceded that NTCF exported by them and that produced by the applicants are like articles. They have stated that the prices and cost of the product varies with reference to denierage. It is our humble submission that this does not make the investigation any different. Thai Baroda is required to provide details of the NTCF exported by them.

The details should have shown separately the grey fabric and dipped fabric. Within each of these two categories, there should have been separate appendices for different denierages. The cost of production for each denierage would also have been submitted separately by them. The exporter's questionnaire specifically requests the exporter to provide a separate appendix for each grade. If the information has been so provided then the authority will compare the normal value and export price of identical goods (dipped 840 in Thailand with dipped 840 in India and so on) to arrive at the dumping margin. Since the product on which the anti dumping duty is imposed is nylon tyre cord fabric, the authority has to combine the dumping margins for each product type into a single average rate. This process would take care of all their submissions regarding different costs and different selling prices. The argument that the domestic and export prices cannot be compared is totally false.

Dumping and Dumping Margin

5. We submit that in the original investigation, the Authority found that the domestic sales of Thai Baroda were below the cost of production i.e. the domestic sales were not in the ordinary course of trade. The Authority accordingly determined a dumping margin of 67.33%. It is our submission that in the present investigation also, the same situation prevails. We request the Authority to scrutinise the costing data provided by Thai Baroda very carefully, especially the interest costs. Their submission that the prices are above the cost of production has to be taken with a pinch of salt.

6. The submission that the volume from Thai Baroda has declined is immaterial. When imports from 4 countries are being reviewed simultaneously, it is the established and approved practice of the Authority to cumulate the imports from all these countries. In any case, according to the data compiled from customs daily lists and presented to the authority, it is clear that for Thailand also, the quantum of imports have increased significantly. It is common knowledge that the DGCIS statistics is not reliable in all cases. There are a number of instances when the Authority had to discard the DGCIS statistics and resort to evidence from secondary sources. This practice has been adopted by the Authority in this case in the original investigation. The issue whether the export price and consequently the landed value have increased and whether the said landed value is under-cutting the prices of the domestic producers are matters of fact which the Authority will examine.

Injury and causal link

7. . It is the submission of Thai Baroda that Century Enka which was part of the domestic industry in the original investigation should also be examined by the Authority. We categorically state that there is no such requirement. Rule 23 nowhere states that the domestic industry in a review should be the same as that in the original investigation. In fact, in review there is no requirement even to demonstrate the standing as Rule 5 is specifically omitted by Rule 23(3). Rule 23 empowers any interested party to provide information to the Designated Authority justifying the need for the review. Hence the submission that Century Enka should also be examined is without any legal basis.

8. The Authority is presently conducting a sunset review on the import of catalysts from Denmark. In this case, the domestic industry, originally, was made of UCIL and PDIL. In the present sunset review, the request for review has been made only by UCIL. PDIL continues to exist and has not supported the application and the Authority has also not gone for verification of its data. This aspect was also brought to the notice of the Designated Authority during the oral hearing. The action of the Designated Authority in the Catalysts case as well as in NTCF is in accordance with law. The Designated Authority does not have the power to compel any interested party to provide information nor has it the power to verify the information of any interested party without getting the concurrence of the said party. This applies not only to the domestic industry but also to the exporters and importers. Even in respect of confidential information the Authority has no power to make it known to other parties even if the Authority holds the view that the request for confidentiality is not warranted. Both in respect of confidential information and response, the Authority has the right to reject any information if verification is not accepted. Hence, the question of compelling CEL to be a part of the application or to request data from them does not arise.

9. The submission that even in the original investigation, the Petitioners did not suffer financial losses is again a totally false statement. Further, the order of the Designated Authority in the original investigation was challenged by Thai Baroda Industries Ltd. They did not succeed. Hence the findings of the Designated Authority in the original investigation regarding dumping, material injury and causal link have been upheld by the CEGAT. Thai Baroda cannot now submit that there was no injury in the original investigation. In fact, their submission amounts to contempt of court. In this connection, we invite the attention of the Hon'ble Designated Authority to para 5 of Order No.37-40/2000-AD dated 6.11.2000 of the CEGAT. The CEGAT held that "The Authority had reached clear finding that Indian Domestic Industry had suffered injury and such injury is relatable to the imports from the countries under investigation..... The appeals fail and are rejected."

10. We, therefore, request the Hon'ble Designated Authority to reject all submissions of Thai Baroda and other interest parties on any aspect of the original investigation. The decision of CEGAT operates as Res judicata.

11. The submission that the financial position of the applicants have significantly improved and that the landed prices of imports is allegedly above the NIP are facts that are required to be

established by Designated Authority. Thai Baroda has no basis to make such baseless conclusions.

12. In regard to the submission on injury from imports from other countries, we submit that apart from the four countries covered by the present review, the only other country exporting NTCF above the de minimis level of 3% is China. It is common knowledge that a review is against the countries which were originally investigated. A new country cannot be included in the original investigation. Further, the fact that the price from China is comparable to the prices from the four countries does not ipso facto mean that China is dumping. Be that as it may, we are examining the issue as to whether China is dumping the goods. In any case, as far as the injury and causal link is concerned, the predominant cause is from the imports from these four countries which together account for 19787 MT whereas the quantity from China is only 1116 MT. Hence the causal link is predominantly from these four countries. This submission of Thai Baroda also deserves rejection.

13. In regard to their submission on the findings in the steel billets case, Thai Baroda has forgotten the fact that the submission of the interested parties in that case was not accepted by the Designated Authority. Consequently, the said decision has become a precedence and binding on the Designated Authority. If that precedent is followed, then the conclusion is that the material injury is caused by these four countries and not China. In fact, Thai Baroda is arguing our case.

In view of the above, all the submissions of Thai Baroda deserves to be rejected.

B. SUBMISSIONS in respect of ATMA.

B.1 Paras 1 to 7 of their submissions deal with certain statistics regarding ATMA and its consumption of NTCF.

B.2 Paras 8 and 9 justify the necessity for imports. The submissions of ATMA in this para do not reflect the correct understanding. It may be a fact that the demand in India may be more than the production in India and hence imports are a necessity. Such a situation, however, does not mean that in all cases where the domestic demand is more than the domestic supply, there could be no anti dumping action. The issue is not of the need for import but for imports at "Fair" prices. The quantum of imports may even be higher than the demand supply gap provided the prices are "fair". In anti dumping investigations, the relevant question is 'price discrimination' as an unfair trade practice. It is this aspect which is to be looked into and not whether the demand in India is more or less than the supply.

B.3 Paras 10 to 14 deal with the import of NTCF under Advance licenses with the submission that quantities imported under advance licences should be excluded for analysis. This submission is not supported by any statutory backing. It is a fact that imports under advance licences are exempt from anti dumping duty. This provision should itself make such imports immune to the present investigation or the duty that may be imposed thereafter. There have been more than 90 investigation so far by the Designated Authority. There is no practice of excluding imports under advance licences or by EOUs or EPZs. There is also no statistical database for identifying and excluding imports under Advance Licences. Hence this submission also deserves to be discarded.

B.4 Paras 15 to 20 deal with their submission that NTCF made from spin draw process is different from the conventional process and hence the imports of NTCF of the former category should not be subject to anti dumping duty.

B.5 The above argument was made by them in the original investigation also. This argument was rejected by the Designated Authority. Aggrieved with this rejection, ATMA approached the CEGAT in appeal. The submission that the NTCF manufactured by spin draw process and by other processes should be treated differently was rejected by the CEGAT. In para 5 of the Final Order, ibid, the Hon'ble CEGAT observed as follows:-

"The submissions that imported goods are manufactured through a different process and that the imported goods differ in quality also do not invalidate the findings. Process of manufacture is not a relevant factor under anti- dumping law. Quality difference is also not material. The imported goods and domestically produced goods have the same use and have been correctly held to be 'like article' by the Designated Authority. In these facts and circumstances the submissions made in these appeals have no merit. The appeals fail and are rejected."

B.6 In view of the categorical order of CEGAT, the issue has attained finality and operates as res judicata. The submission of ATMA amounts to contempt of the final finding of the CEGAT.

B.7 Paras 11 and 12 deal with the import duty reduction. This submission deserves rejection. The applicants have submitted to the Designated Authority that the anti dumping duty in the original investigation was based on injury margin. Injury margin is dependent on landed value and landed value is dependent on the rate of customs duty prevalent during the period of investigation. Any change in the customs duty, subsequent to the original investigation, results in erosion of the injury margin and hence creates a legal right to seek review. The issue is not on what the objective of the Govt. of India in reducing the customs duty. The issue is whether the reduction has resulted in changed circumstances warranting a review. The submissions in para V.2 dealing with Century Enka and imports from China have already been addressed vide paras A.9, A.10, A.14 and A.15 supra.

B.8 In para V.3 and 26, ATMA had addressed the issue of capacity increase and the consequent factors. It is not known on what basis ATMA had submitted that the capacity had increased. We had submitted the details of installed capacity in para 4.1. of our application. It will be seen therefrom that the installed capacity has remained constant from 1998-99 to 2000-2001 (POI). It is not known on what basis ATMA has submitted that there is an increase in the capacity of domestic producers. Hence their submissions in para 26 are of no consequence.

B.9 The submission in para V.4 that the landed value has increased has to be seen with reference to the NIP during the POI. The depreciation of the Rupee vis-a-vis the US $ is a factor resulting in increased landed value but the prices have fallen in dollar terms. Similarly, the submission in para V.5 that NTCF is following the international prices is again irrelevant. In dumping, we look at the domestic prices of the exporter vis-à-vis the export prices. We do not levy dumping by comparing the international prices with export prices to India.

B.10 The submissions in para V.6 regarding the balance sheet analysis are also irrelevant. SRF is a multi product company. The total profit earned by it is not relevant. The issue is whether it has made profit in the production and sale of the product concerned i.e. NTCF. This submission was again made in the original investigation and was rightly rejected. The order of the Designated Authority has also been upheld by the CEGAT.

B.11 The submissions in para 32 to 34 regarding injury and causal link are to be rejected. The details of the various parameters of injury have been made available to the Authority which clearly show that the domestic industry has suffered material injury during the period of review. The causal link is clearly established with the increased quantum of imports, price suppression/depression and profit erosion/loss. The analysis of causal link by separating SRF and Century Enka, Nirlon and NRC and BRC is not legally valid. The material injury and the causal link between the dumping and material injury are required to be evaluated for 'domestic industry' and not for individual producers.

B.12 In view of the above, we humbly pray that the entire submission of ATMA deserves to be rejected outright.

C. On the submissions of M/s.Formosa Taffeta Co. (FTC)

C.1 In paras 1 and 2 of their submission, FTC have questioned the review against FTC on the ground that the anti dumping duty on FTC was nil. In this connection, they have referred to Section 9A(5) and Rule 23.

C.2 Section 9A(5) applies to the expiry or sunset review which is conducted by the Authority prior to the expiry of the 5 year period of the anti dumping duty. This Section has no application to an interim review. Further, the first proviso to Section 9A(5) requires the Authority to examine whether the dumping was likely to continue or recur. Recurrence pre-supposes the non-existence earlier. Hence, in terms of Section 9A(5), FTC would be covered by a review even though the dumping margin for FTC may have been zero in the original investigation.

C.3 Rule 23 applies in the case of interim reviews which are initiated, at the instance of any interested party, including exporters, importers, domestic industry etc. The review under Section 9A(5) is either at the instance of the Designated Authority or the domestic industry. Rule 23 corresponds to Article 11.2 of the Agreement on Anti Dumping. Since the Anti Dumping duty is applicable to individual exporters who submit the questionnaire response and on all "other exporters" in a particular country, it is important to note that while the quantum of anti dumping duty is nil for FTC, the duty on all other exporters from Taiwan continues to exist. The original investigation has not been terminated against Taiwan. The quantum of duty alone is nil for FTC. Hence Taiwan will also be a country subject to review under Rule 23 and consequently, FTC will also be subject to review. During this review, the response of FTC will be reviewed to determine whether during the period of review FTC had dumped the goods or not. The legislation of the European Communities, which is also based on Article VI, and has evolved over a 50 year period supports the above submission. Article 11.6 of Regulation No.384/96 dealing with review provides as follows:-

> *"Where measures are repealed for individual exporters, but not for the country as a whole, such exporters shall remain subject to the proceeding and may, automatically, be*

re-investigated in any subsequent review carried out for that country pursuant to this Article."

C.4 In paras 3 to 6 of the submission, FTC have dwelt on the original investigation to show that the anti dumping duty was not in operation only for three months of the period of review. Be that as it may, the fact remains that the quantum of imports from Taiwan has increased significantly as per information collected by the applicants from the customs daily lists of the three ports.

C.5 In para 7, FTC has stated that proof of material injury to the domestic industry should be submitted. They have also referred to the fact that non-confidential version of the application did not disclose the actual figures. If the non- confidential version is required to disclose the actual figures, then there is no need for separate confidential and non confidential versions. The purpose of the non confidential version is to enable an interested party to maintain confidentiality of its commercial information while at the same time enabling the other interested parties to appreciate the gist of their submissions. This has been done. In fact, it does not lie in the mouth of FTC to make this allegation when they have submitted a blank non confidential questionnaire response. In fact, as per the consistent practice of the Designated Authority, the response of FTC should be rejected because of the absence of a proper non-confidential version. FTC should be treated as a non co-operating exporter and the dumping margin for them should be determined based on the best information available.

C.6 In para 8, FTC has referred to the increase in price from Rs. *** per Kg in 1999-2000 to Rs.*** per Kg in 2000-2001. The price increase in $ terms was negligible (about $ ***) whereas during that period the customs duty on NTCF was brought down from 40% to 20%. Hence in dollar terms, the landed value had come down and had not increased. FTC has also contended that the DGCIS data should be used. It is customary for the Designated Authority to examine both the DGCIS data as also submitted by the interested parties from secondary sources. This has been the practice because of the fact that the compilation of the DGCIS statistics takes time and has also not been accurate. The accuracy of our figure is demonstrated by the fact that these have been taken from the customs daily list published by the three major ports. The Authority had adopted the secondary source in the original investigation. Hence, the reliance on the statistics provided by the applicants is correct and its acceptance by the Designated Authority has been supported by a number of cases.

C.7 In para 9, FTC has referred to the demand supply gap in India and the need for imports. As has been pointed out in para B2 supra, in response to ATMA's similar submission, our submission is not against imports but against imports at "unfair prices".

C.8 Paras 10 to 15 deal with the alleged absence of material injury to the domestic industry. The submission in para 10 that the Review Petition does not provide adequate evidences of material injury is contrary to the facts on record. The Review Petition had dealt with production, capacity utilisation, increase in inventory, price effects and profits as the major indicators that show material injury. This is sufficient prima facie evidence of continued material injury. The reference to the audited balance sheet on SRF is irrelevant as what is important is to examine whether the applicant companies have suffered losses during the POI on the production and sale

of the product concerned. The overall performance of these companies, including all other products is irrelevant. FTC had denied that the stocks have increased or that the companies have suffered losses. It is our submission that these are facts which have been established before the Authority and FTC has no material before it to challenge these figures. In fact, their submissions are mere conjectures.

C.9 Paras 16 to 22 deal with their submissions that reduction in customs duty by the Government of India is for various reasons and that the applicant has no right to request for a review on the basis of reduction in customs duty. These submissions have also been dealt with in response to similar submissions of ATMA (Para B.7 refers). Suffice it to say that the application is required to demonstrate the need for reviewing the anti dumping duty based on changed circumstances. The reduction in customs duty and the consequent reduction in landed value have a direct impact on the injury margin determined by the Authority in the original investigation. This significant change is adequate to warrant a review. This change would not have been adequate if the Authority had imposed the dumping margin as anti dumping duty in the original investigation. This was not the case in the original investigation.

C.10 A further reduction in the NTCF prices in these countries after the period of investigation is an important element before the Designated Authority to demonstrate the intention of these companies. While these reductions do not influence the dumping margin or the injury margin, they is certainly indicate the intention behind the actions.

C.11 Paras 24 to 26 deal with injury and causal link which have been dealt with extensively in the rebuttals of ATMA, supra. In view of the above, we submit that all the submissions of FTC deserves to be rejected.

C.12 We request the Authority to recommend, at an earlier date, the revised anti dumping duties so that the injurious effects from all the four countries, Taiwan especially, is mitigated.

C.13 We request the Designated Authority that the anti dumping duty be imposed as variable duty based on a reference price.

II SUBMISSIONS BY EXPORTERS IN WRITTEN SUBMISSIONS AND REJOINDER:-

(A) M/s PTGT Petrochem Industries Tbk, Indonesia:-

1. The quantity imported from Indonesia is almost similar to the previous year as indicated in our response. There has been no increase on the contrary there is a slight decline only and not increase. So how have the Association of Synthetic Fibre Industry indicated that the quantity of imports have almost doubled.
2. The prices have actually gone up in the period under review and not down. The prices have gone down quite significantly as indicated below in various styles, which is quite significant.
   840D 8.52%
   1260D 11.80%
   1680D 16.54%

3. The price is determined by demand and supply. Why should all suppliers dump material only in India. We are not selling large quantity to India. On an average we sell only 200 tons / month as against our capacity of almost 3400 tons /month i.e. 5.88% which is very insignificant. In case we wanted to utilise our capacity and dump material we should be selling much larger quantity like our competitors from other countries. PTGT is also exporting to so many other countries and there is no anti dumping duty anywhere else in the world.
4. SRF is importing Nylon 6 yarn, the raw material from PT Filamendo Sakti from whom PTGT Petrochem buys their raw material since it is their sister company. So why is the domestic industry not ask for anti dumping on Nylon 6 yarn and why only on NTCF. They are importing yarn because they do not have sufficient capacity to meet the domestic requirement. The tyre industry requirement is more than their capacity,
5. Prices of NTCF is largely a function of Caprolactum prices which are totally internationally determined. There are a very few manufacturers and only two in India namely GSFC and FACT, hence they are able to control the prices. Domestic Industry is free to import Caprolactum and the import duty is the same as NTCF, hence no disparity.
6. Also PTGT Petrochem has invested a lot of money on technology and have got state of the art equipment which gives them an edge on quality, higher productivity and lower wastage and scrap generation for the tyre industry. This is also in reason for them to import material from PTGT Petrochem. It means lower cost for them ultimately.
7. The variation in the prices between India and other export countries and domestic market the variation is not more than 2%. Also no material is being sold at a loss. The company is making profits as can be seen from their profit and loss account and balance sheet.

(B) M/s Hyosung Corporation, Korea

No response was received from this exporter.

(C) M/s Thai Baroda Industries Ltd., Thailand

1. The review investigation can be initiated by the Authority under following conditions: (a) suo-moto initiation; (b) initiation on request (with petition or without petition) by an interested party claiming that dumping margin/injury margin has altered. In the instant case, investigations were initiated after a letter was filed by the domestic industry (but without formal petition having been filed). The letter filed stated that customs duties were reduced and therefore anti-dumping duty should be reviewed. The petitioners have now adduced the following new grounds at the time of the oral hearing justifying their request for review:- (a) volume of imports increased; (b) lower import price; (c) decline in customs duties; (d) decline in market share; (e) present anti-dumping duty is inadequate; (f) prices have declined.
2. The petitioners have not presented their case so far with regard to injury and causal link.
3. While domestic selling price of Thai Baroda has declined, export price and landed price from Thailand has substantially increased. Similar is the trend from other countries.
4. Volume of imports from Thailand have significantly declined. Volume of imports from all subject countries has not significantly increased.
5. In view of the above, there is no dumping by Thai Baroda
6. The cost and injury information must be called from Century also. The company was a part of the domestic industry in the first investigation. The present review is not based on a petition

and was triggered merely based on a letter filed by the Indian producers bringing out changed circumstances with reference to customs duties. Such being he case, the scope of domestic industry remains unchanged.

7. While the petitioners have not brought out how they are suffering injury from the imports now, Thai Baroda submits that even in the original investigation the petitioneres were not suffering financial losses. The petitioners have claimed "deteriorating profitability" and not "financial losses".

(D)M/s Formosa Taffeta Co. Ltd., Taiwan

1. As per Section 9A(5) and Rule 23, the scope of review is only to investigate the need for the continued imposition of anti-dumping duty. Thus review is maintainable only in cases where there is an imposition of anti-dumping duty. The CEGAT had ordered vide Order No. 37-40/2000-AD dated 6/11/2000 that no anti-dumping duty can be imposed on FTC and the notification dated 27/12/2000 was issued by the Central Government by which the anti-dumping duty imposed against FTC was withdrawn. As such, in the case of FTC, since there was no imposition of anti-dumping duty, there cannot be any investigation to review the need for the continued imposition of anti-dumping duty.

1. In respect of the initial proceedings relating to the investigations of exports of NTCF by FTC into India, the Cegat had arrived at a finding that there was no dumping by FTC. This finding was based on the Designated Authority's methodologies and the data submitted by FTC to the Authority. A mistake in the calculation by the Authority in arriving at the margin of dumping was pointed out to Cegat and accepted. The Cegat ordered vide order No. 37-40/2000-AD, dated 6/11/2000 that no anti dumping duty can be imposed on FTC. On the basis of the same methodology, for the review period there is no margin of dumping in excess of the 2% permissible deminimis margin of dumping.

2. The averments relating specifically to FTC and imports from Taiwan in the review application are denied. The figures specified for imports from Taiwan in paras 2.6, 3.3, 3.4, 3.5 and Appendix 1 are specifically denied. It is denied that FTC had a 'lower provisional duty' as claimed in para 3.4 by the applicant. The provisional anti dumping duty imposed on FTC vide Notification issued by the Central Government dated 9.11.1999 was Rs. 5.32/kg which was the highest out of all the subject countries. The rate of final anti dumping duty on FTC Taiwan was Rs. 2.39/kg which was higher than the anti dumping duty imposed on Indonesia which was Rs. 1.77/kg.

3. Since the investigation relates to exports from Taiwan which is the 'specified country' in the absence of sufficient proof of material injury to domestic industry no anti dumping duty can be levied. It is significant that the application for review does not disclose any actual figures as required to be submitted by the law for changes in market share, profits, price, sales, capacity utilisation and closing stock etc. By not disclosing actual figures for the data, the applicant has failed to disclose the manner in which material injury has been allegedly caused to them by imports from Taiwan.

4. As per Annexure 1 of review petition by ASFI it may be noted that the figures given by the petitioner in respect of imports of FTC Taiwan:-

Year	Quantity Imported	Average Price
1999-2000	4555	Rs. 118/kg
2000-2001	8472	Rs. 138/kg

From the above it will be seen that even as per the admissions of the petitioner the average unit price has gone up from 1999-2000 from Rs. 118/kg to Rs. 138/kg in 2000-2001 which is about 17% increase. It will be seen from the annexure that the unit price during the review is the highest unit price for exports by FTC during the period between 1996-97 and 2000-2001.

5. ASFI has contended that the quantities of imports have increased significantly from 1999-2000 to 2000-01 based on imports through the 3 main ports. The table attached below shows a comparison of ASFI figures & DGCI&S figures. The learned counsel for ASFI had contended that the figures of DGCI&S are not very accurate but all Govt. organisations and ASFI themselves are relying on DGCI&S data. From this table it will be noticed that the imports during 1999-2000 was 16, 649 MT and during 2000-2001 it was 18,253 MT, as per DGCI&S figures compared to the figures submitted by ASFI as 11, 257 MT during 1999-2000 and 20,999 MT during 2000-01. From this it will be seen that the official statistics reflect only a marginal increase and not any substantial increase as has been alleged by ASFI.

Source	1999-2000	2000-01	% Increase
ASFI (based on imports 3 Ports	11257	20990	86.5%
DGCI&S	16649	18253	11.0%

6. It is significant that the total domestic production is much less than the total domestic demand for the subject goods. As a result the shortfall in demand has per-force to be met by imports. There was a shortfall to the extent of about 18,000/MT in the total Indian domestic production of the subject goods in the POI, since the total demand was about 63,000/MT. This short fall has necessarily to be imported.

7. It is stated that no case of 'material injury' to the domestic industry has been proved by the applicant in their review petition. It is submitted that mere change in the quantum of imports does not provide sufficient evidence of material injury or the casual link. SRF has admitted at page 46 of the balance sheet that 'Product prices have followed cyclical patterns for long, because of fragmented structure of the industry, particularly in India. SRF has contributed much to the consolidation of the industry in India in the last five years, as a result of which it has emerged as a price-setter, at least for the Indian market'.

8. The allegation that the closing stock of NTCF has increased by more than 3-1/2 times has not been substantiated by the petitioner in his review petition. No extent of the loss has been disclosed to the interested parties.

9. It is significant to note that the main Indian domestic producers are making profits. As compared to the contentions in the review application that the domestic industry suffered a loss, the balance sheet of SRF at page 24 states '...financial for FY 2001 are among the best set up

numbers the company has shown in the last ten years'. It is also significant to note that Century Enka which was a party to the original petition have chosen not to join the present review petition. The profitability on account of the subject goods is likely to be similar for the other Indian domestic producers. Despite reduction in the price of Caprolactum, the major raw material for the production of the subject goods, the Indian domestic producers did not reduce the prices of the subject goods proportionately.

10. If the argument of ASFI is that the material injury is caused due to reduction of customs duty, this will mean refixation of higher anti dumping duty in respect of all such products on which anti dumping duty were levied. The principles for determination of injury state that the Authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports.

III - SUBMISSIONS MADE BY IMPORTERS:

Written submissions of Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) pursuant to the oral hearing on 3.6.2002:

1. ATMA represents tyre companies whose total tyre production, in terms of tonnage/value represents over 85% of the turn over of the tyre industry in India.

2. NTCF is an essential item for the manufacture of tyres and accounts for 27% of the cost of the total raw materials consumed by the tyre industry. It is also the single highest cost item amongst all raw materials consumed by the industry. The second highest cost raw material is natural rubber which accounts for 24% of the cost of total raw materials.

3. Imports are taking place as :

a) domestic product is short of domestic demand;

b) need to import duty free (under Advance Licence) for export production of tyres;

c) while there is need for the tyre industry to shift usage in favour of spin draw NTCF - being a superior product (for reasons set out in Section III.b below) the production of spin draw NTCF by domestic manufacturers is much lower and hence the need to import.

5. It is pertinent to point out gross variation in import statistics of NTCF furnished by ASFI and data as published by DGCI&S. ASFI has contented that import quantities have increased significantly by 86.5%. However, statistics compiled by DGCI&S reveals that the actual imports have been much lower. In view of the difference between the data published/submitted, it would only be appropriate that the data published by the DGCI&S which regularly monitors and tracks foreign trade statistics is taken as final.

6. Advance licence imports of NTCF should be excluded from the import details of NTCF for considerations of the review petition.

7. NTCF manufactured under spin draw process has better breaking strength. Tyre companies are increasingly switching over from NTCF manufactured from conventional process to spin draw process. Domestic production of NTCF is in the ratio of 70: 30 of spin draw process and conventional process. In other words NTCF manufacturers are not able to fully meet the full demands of tyre industry for NTCF manufacturers under spin draw process. Import of spin draw NTCF being a technically superior product category should not be included for the purpose of arriving at total imports.

8. Anti dumping duty should not come in the way of product development and technological improvement. The Indian Tyre industry is exporting tyres valued at nearly Rs. 1,000/ crores

to over 60 countries worldwide including some of the highly developed countries.

9. Century Enka was a party in the application filed by ASFI in February, 1999. However, in the review petition Century Enka has not been included as a party. Centruy Enka accounts for nearly 30% of NTCF production in the country and combined with SRF Ltd. for over 70% of domestic production. In view of this position, the Authority must include Century Enka in the domestic industry. According to ATMA, these two companies who account for 70% of domestic production had not been affected by imports of NTCF.
10. There has been an increase in the capacity of domestic NTCF producers; SRF - Capacity increase from 500MTs per month to over 1000 MT per month; Century Enka - Capacity increased by approx. 100 - 150 MT per month; Nirlon - Production has increased by 5 to 10%.
11. Any claim for drop in capacity utilization has also to be viewed in the backdrop that SRF Ltd., the leading domestic manufacturer of NTCF, is offering supplies from its overseas (Dubai) plant. If the domestic capacity and production was sufficient to meet domestic demand, it is questionable as to why should the leading player offer the same product from its overseas location, thereby incurring additional freight and related costs. Likewise, the same leading company (SRF Ltd.) is importing substantial quantities of nylon tyre yarn from one of the companies on whom anti dumping duty has been imposed. If SRF was in a position to meet the domestic requirement of NTCF, why should it import nylon tyre yarn from a company subjected to anti dumping duty.
12. Despite import duty reduction from 40% to 25%, the landed cost of NTCF during 2000-01 had gone up compared to 1999-2000 from Rs. 177 per kg. to Rs. 187 per kg. This was due to depreciation of rupee in relation to US dollar which has more than made up for customs duty reduction. It is also significant to note that in line with the increase in landed cost of imported NTCF, the domestic NTCF price had also gone up from Rs. 185/kg in 1999-2000 to Rs. 195/kg in 2000-01.
13. Normally a case is built up establishing dumping on the basis of drop in international prices, during the period of investigation. However, in case of NTCF the converse is true. The average international price of NTCF during 1999-2000 was US$ 2.72 per kg. and during 2000-01 the same was US$ 3.10 per kg., an increase of 14%.

IV. Responses of Interested Parties to Disclosure Statement

(a) Domestic Industry:-

1. **Annexure I – General Disclosure**

We agree with the views of the Designated Authority that the NTCF imported into India from the subject countries and the NTCF produced by the domestic industry are like articles within the meaning of the provisions of Anti-Dumping Rules.

2. Annexure II – Assessment of Dumping – Methodology and parameters

M/s. Hyosung Corporation Korea.

i) The exporter has exported 1260 D/2 (Grey), 1260D/3 (Grey), 1680 D/2 (Grey) and 1680 D/2 (Dipped) to India. During the period of investigation. However, in the domestic market they have sold only 1260D/2 (Dipped) and 1890D/2 (Dipped).

ii) However, in view of the discrepancies noticed by the Authority, the Authority has correctly rejected the normal value claimed by the exporter and has constructed the normal value for each of the 4 grades exported to India.

M/s. Thai Baroda Industries, Taiwan

i)The Authority has correctly combined the two grades of Nylon Tyre Cord Fabric i.e. (A grade and B grade as spliced and NC)., as there is no difference between the 2 grades.

ii)The Authority has excluded foreign exchange losses from the cost of production. However, it is submitted that such losses can be excluded only when they are 'abnormal expenses' otherwise, they will form part of the general SG&A costs. In the case of Thai Acrylic Fibre Ltd, foreign exchange losses were due to the South Asian Currency crisis witnessed during that time, which was clearly abnormal in nature and therefore, the same was correctly excluded. However, in this case, there does not appear to be any abnormal foreign exchange losses warranting exclusion of the same from the general S.G.& A costs. Therefore, it is submitted that the same may be included, while determining the S.G & A cost for this exporter.

iii) The exporter has sold dipped fabric in both the markets i.e. Domestic Market and Export Market. For making fair comparison, the exporter has claimed, among other things, deductions towards selling expenses and product mix difference.

iv) With regard to selling expenses, the third sentence of Paragraph 6(i) of Annexure I states as below:

> "Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability".

v)The question is whether the 'selling expenses' can be treated as a permissible 'due' allowance within the meaning of the above provision. Firstly, they have not informed the authority the nature of the expenses and why such expenses are claimed to benefit exclusively the domestic sales. They have not provided any evidence in support of their claim that those selling expenses exclusively benefited the domestic sales. In the absence of such evidence, the very claim that those expenses exclusively benefit domestic sales is not tenable.

i) Secondly, even if we assume without admitting that those expenses exclusively benefited domestic sales, can they be deducted as an allowance while making a fair comparison? The answer is an emphatic 'no' in view of the following:

(1) According to Thai Baroda's own admission [vide their letter dated 17.6.2002], these expenses are part of 'domestic SGA' and are therefore includible as a part of cost of production in relevant appendices.

(2) If such expenses are to be deducted from the ruling domestic sales prices while arriving at the ex-factory domestic sale price [in Appendix 5], that would result in an anomalous situation where costs will include them while sales revenues will not. This may result in a number of sales transactions being termed as 'less than COP'.

(3) Therefore, if such expenses are includible in Appendix 9, they cannot be excluded from Appendix 5. Thai Baroda itself says that such expenses will be included in Appendix 9 and therefore, the question of excluding them from Appendix 5 does not arise.

(4) Appendix 5 gives the ex-factory domestic sale prices. This has to be compared with the respective COP and the normal value is to be determined. Once, normal value is determined, the same has to be compared with the ex-factory export price. There is no question of making any deduction from the normal value so determined.

(5) The only method is to treat such expenses as direct selling expenses and make a suitable deduction before arriving at the ex-factory domestic sale price. Such a deduction may be made only if the relevant expense could classify as a 'direct selling expense' i.e. identifiable with the individual sale transaction directly.

(6) The 'direct expenses' criteria is being uniformly followed in India as well as in EU. The following extract from the book of "EC Anti-Dumping Law and Practice" by Edwin Vermulst and Paul Waer may be relevant in this regard:

" The list of adjustments, provided in Article 2(10)(a)-(j) seems exhaustive and continues to be based on Commission experience with the direct relationship test: this means that adjustment for any and all overhead expenses will not be allowed because such expenses are not considered directly related to the sales under consideration.....

...Advertising is not an allowable selling expense because it is considered as overhead expense. This is so even if it can be proven that advertising expenses are directly related to the products under consideration, as was the case for two Korean producers in Photo albums. Similarly, adjustments have been refused for (pre-sale) transport costs, (pre-sale) warehouse and storage charges, costs of financing stocks, exchange losses, packing machinery costs, royalties, personnel expenses for the development of applications of the product under investigation, administrative costs for forwarding in the domestic market, personnel expenses for pre-sale technical assistance and servicing, provision for doubtful debt, administrative expnses of sales offices, R&D, sales promotion, and differences in goodwill and patent fees".

ii) In view of the above, it is submitted that 'selling expenses' can only be treated as overhead costs and they shall not be allowed as a deduction.

Product Mix Difference

i)As given at pages 47-48 of the disclosure statement, the Company has claimed an adjustment towards product mix difference, on the ground that it has sold more of 1680D in the export market and more of 1260 and 1890 Deniers in the domestic market. It is also stated that higher the denier thicker the fabric and therefore higher the weight per square

meter of the fabric. Further, it has been stated that expenses such as conversion cost, overhead cost etc do not vary with machine utilisation. Therefore, the cost of production should vary only with reference to the materials consumed in the manufacture of 1680 Denier vis-à-vis 1260D or 1890D. The difference could be clearly traced to the physical characteristics of the product.

ii)To claim an allowance towards differences in physical characteristics of the product, the exporter should submit evidence and quantify the same suitably. However, the exporter has taken the total cost of production for the 2 markets and has claimed the difference between the two as the allowance towards product-mix difference. It appears that the difference between the Ex-factory costs as given in Appendix 8 and 9 have been taken as the value representing the product-mix difference, of course after adjusting the allowances already claimed. Such wholesale neutralization of difference between the two appendices (i.e. Appendix 8 and 9) cannot be allowed. In fact, such a situation should not have arisen. Thai Baroda should have given the cost for each denier separately.

iii) The exporter has failed to demonstrate the physical characteristics difference. To quote from the EC Anti-Dumping Law and practice book once again, the amount of adjustment with regard to physical characteristics shall correspond to a reasonable estimate of the market value of the difference (as opposed to cost).

iv)In view of the above, it is submitted that the said allowance shall not be granted to the exporter.

M/s. Formosa Taffeta, Taiwan
No Comments.

ii) Annexure-II : Assessment of Injury and Causal Link.

DGCIS data:
i) The Authority has considered DGCIS data for evaluating the quantum of imports, import prices, landed values, etc. The domestic industry has submitted secondary source data based on the customs daily lists issued by Mumbai, Chennai and Kochi ports.

ii) The DGCIS data was not reliable as it was not giving details of dipped fabrics and grey fabrics separately. With the inter-mixing of dipped fabric into grey in the DGCIS statistics, the weighted average price of grey fabric has increased. Similarly when the grey fabrics were classified as dipped fabrics, the weighted average import prices of dipped fabrics have come down.

iii) The authority has considered DGCIS data obtained on his own initiative. The authority has not given any reasons as to why the secondary sources data submitted by the petitioners were not relied upon.

Calculation of NIP

For the purposes of calculating NIP, the authority has included the data relating to M/s. Century Enka based on 'facts available' methodology. We strongly object to the inclusion of Century Enka for the purposes of determining NIP in view of the following reasons:-

(1) There is no law that requires that the constituents of the domestic industry shall remain the same during the original investigation and each of the subsequent review investigations.

(2) The original investigation was completed in full. It came to the end with the publication of the final findings in early 2000. The original investigation is no longer in progress. The review investigation is not an extension of the original investigation.

(3) The review investigation is a separate investigation by itself. It has been initiated based on a request made by 4 of the 5 domestic producers in India. These 4 domestic NTCF producers constituted 75% of the total production of NTCF in India. The 5th producer - M/s. Century Enka Ltd accounted for only 25% of the total domestic production.

(4) Even though Century Enka Limited was a petitioner during the original investigation, they did not choose to join the rest of the units in requesting a review investigation. However, the remaining producers constituted the domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

(5) Since the remaining 4 producers fully meet the 'majority output' test and therefore, they legally constitute the domestic industry. There is no need to include Century Enka as one more constituent of the domestic industry in the review investigation.

(6) Further, the Review Investigation is governed by Rule 23. Rule 23 nowhere states that the domestic industry in a review should be the same as that in the original investigation. In fact, in a review, there is not even any requirement to demonstrate the standing as Rule 5 is specifically omitted by Rule 23(3). Rule 23 empowers any interested party to provide information to the Designated Authority justifying the need for review.

(7) In almost all the investigations conducted by the authority so far, the authority has determined NIP based on the data furnished by the petitioners provided they represented more than 50% of the total production of the like articles in India.

(8) The action of the authority is against established legal principles. It is unwarranted in the present circumstances. It is unprecedented in any of the earlier investigations are concerned.

Therefore, the data relating to Century Enka should not have been considered while arriving at the NIP for the domestic industry.

(b) ATMA:-

1. Domestic production of NTCF being short of domestic demand, Advance licence imports for export production of tyres and need to import NTCF of spin draw process are the three reasons cited by ATMA. He total quantity of NTCF offered by the domestic industry is lifted by the tyre industry. But that is not sufficient to meet the requirements of the tyre industry forcing the tyre industry to meet the demand-supply gap through imports.

2. Government has rightly exempted Advance Licence import from the levy of Anti-Dumping duty. This is to enable domestic exporters to have a level playing field vis-à-vis their counter parts in other countries.

3. In the instant case CEGAT has held that NTCF manufactured either through conventional process or spin draw process are 'Like Article'. All the same it is submitted that the Authority ought to consider the fact that the NTCF of spin draw process (which is what is mainly imported) is of superioir quality compared to NTCF of conventional process in as mich as the former has better breaking strength (due to higher tenacity).

4. We reiterate our stand that import duty reduction effected by Government, taking into account various factors, cannot be linked to anti-dumping duty. The domestic industry had not answered to our poser of Government increasing the import duty on Natural Rubber latex from 25% to 70% and going by the argument of the domestic industry if there was anti-dumping duty on Natural Rubber Latex then the same should have been waived when the import duty was increased. Then again if the argument of the domestic industry is acceptedthen every year when the import duty is reduced, industries which had obtainedanti-dumping duties on their products imported can approach Government to revise upwards the anti-dumping duty levied. This is not envisaged under Anti-Dumping law.

(c) Thai Baroda Industries Ltd.:-

1. TBIL has filed detailed questionnaire response which establishes that the export price from Thailand has substantially increased. Similar as the trend from other countries. Volume of imports from Thailand have decloined.

2. Caprolactum price which is major raw material for production of NTCF has remained more or less in the same region (in fact, Caprolactum prices have marginally declined).

3. TBIL submits that the product under investigation is gray NTCF. The original investigation also was conducted for gray fabric only. Only, the eventual duty was applied to dipped NTCF due to a finding on like article.

4. TBIL reaffirms that there is no dumping of NTCF by TBIL in the Indian market.

(d) Formosa Taffeta Company, Taiwan

1. In the original investigation, the whole investigation was restricted to grey fabric and the information provided by Formosa was for the grey fabric only. In spite of denier wise information available on record, the final comparison was done on weighted average basis in that investigation. However in the present review, the Designated Authority has deviated in the comparison methodology by resorting to denier to denier comparison.

2.Formosa provided all information during the course of the investigation. From a perusal of the disclosure statement, it appears that the Authority noted some variations and gaps in the information filed.

3. Formosa reiterates that the product under consideration in the present investigation is grey NTCF. In the original investigation also the whole investigation was conducted to grey fabric only. Only, the eventual duty was applied to dipped NTCF due to finding on like article.
4. Formosa is deeply aggrieved with the proposed determination of normal value. Dumping margin determined in respect of Formosa is unsupported with law and practice as well as information available on record of the Authority.

(e) PT GT, Indonesia:-

The actual dipping cost as claimed by the exporter should be taken as adjustment for computing the constructed cost of Grey 840D/2, 1260D/2 and 1680D/2.

Examination by the Authority on Other Issues:-

The Designated Authority has considered all submissions made by interested parties on merits and in accordance with the Rules.

H. DUMPING:-

5. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries in terms of section 9 A (1). M/s PT GT Petrochem Industries Tbk, Indonesia, M/s Hyosung Corporation from Korea, M/s Thai Baroda Industries Ltd. from Thailand and M/s Formosa Taffeta Company Ltd. from Taiwan have responded to the questionnaire forwarded by the Authority in these mid term review investigation. M/s Hyosung Corporation from Korea have not made available a non-confidential summary of their confidential response.

(A) NORMAL VALUE

(i) M/s PTGT Petrochem Industries Tbk, Indonesia

1. Normal Value has been claimed based on sales in the home market and information on sales in the home market have been furnished in Appendix 1 of the response. The exporter had furnished information pertaining to sales of the subject goods viz. exports to India, domestic market sales and exports to other countries as per Appendix 3. The information has been furnished for grades 840D/2, 1260D/2 and 1680D/2 and is as below.

	Total sales Domestic (DIPPED)			Exports India(GREY)			Other countries		
Grade	KG	US$	Per Kg	KG	US$	Per Kg	Kg	US$	Per KG
840D/2	***	***	***	***	***	***	***	***	***
1260D/2	***	***	***	***	***	***	***	***	***
1680D/2		0.00	0.0	***	***	***	0.0		0.0
Wt. average			***			***			

The factory costs and profit furnished in Appendix 8,9 and 10 are for grades 840D/2, 1260D/2 and 1680D/2 (grey and constructed value dipped) in Appendix 8 (factory cost and profit of exports to India) for dipped only in Appendix 9 & 10 (factory cost and profit for domestic sales and non India countries). In Appendix 4 (sales price structure for exports to India), adjustments have been claimed before and after fob have been claimed apart from commission. In Appendix 5 (sales price structure for domestic sales and non India countries) adjustments have been claimed on account of charges before and after fob apartment from commission. Copy of balance sheets for the years ended 31 December 2000 and 1999.

2. Cost of Production:-

In the factory cost for domestic sales in Appendix 9, the information has been furnished for grades 840D/2, 1260D/2 and 1680D/2 (Dipped). There were no sales of 1680D/2 (dipped) in the domestic market. The ex- factory cost for 840D/2 is *** USD. After addition of net profit of USD ***/kg the unit selling price at ex-factory level is USD ***/kg.

The ex- factory cost for 1260D/2 is *** USD. After addition of net profit of USD ***/kg the unit selling price at ex-factory level is USD ***/kg.

The constructed cost for 1680D/2 (grey) is USD ***/kg and after addition of a net profit *** USD/kg the selling price at ex-factory level has been shown as USD ***/kg.

Examination by Authority:-

Adjustments claimed in Appendix 5 (sales price structure for domestic sales in Indonesia):-

840D/2 (dipped) - The list price claimed is USD ***. It is seen from Appendix 1 A that the company has sold a total quantity of ***kg of a value of USD ***to various companies in Indonesia during the period of investigation (POI). The unit price works out to USD ***. After considering a commission amount of USD *** and credit terms amounting to USD ***, the price at ex-factory level works out to USD ***/kg. The factory cost of 840D/2 (dipped) in the domestic market is USD ***/kg and the price at ex-factory level is higher than the cost of production. After adjusting the profit element, the price works out to $***/kg.
Adjusting cost of dipping @ ***, the cost of grey 840 D/2 is constructed as ***$/kg.

1260D/2 (dipped) - The list price claimed is USD ***/kg. It is seen from Appendix 1 B that the company has sold a total quantity of ***kg of a value of USD ***to various companies in Indonesia during the period of investigation (POI). The unit price works out to USD ***/kg. After considering a commission amount of USD ***/kg and credit terms amounting to USD ***/kg the price at ex-factory level works out to USD ***/kg. The factory cost of 1260D/2 (dipped) in the domestic market is USD ***/kg and the price at ex-factory level is higher than the cost of production.
Adjusting cost of dipping @ *** from $ ***/kg, the cost of grey 1260 D/2 is constructed as USD***/kg.

1680D/2 (grey) - There were no sales of 1680D/2 (dipped) in the domestic market in the period of investigation. The cost of production of 1680D/2 (grey) has therefore been constructed for the domestic market at USD ***/kg by the exporter.

The Authority has reworked the constructed cost for 1680D/2 (grey). The Authority has considered the raw material cost at USD ***/kg; direct labour cost at USD ***/kg; utilities at USD ***; manufacturing overheads at USD ***; depreciation at USD ***; interest cost at USD *** and packing cost at USD *** thereby bringing the ex-factory cost to USD ***/kg. The selling and administration cost has been considered at USD ***/kg and after adding a profit of ***% the ex-factory unit selling price for 1680D/2 (grey) has been considered at USD ***/kg.

Based on the quantities sold in the domestic market of Indonesia as given above and the individual ex-factory selling prices of grades 840D/2 and 1260D/2 (dipped) after considering adjustments claimed, the Authority has determined a weighted average ex-factory normal value of USD ***/kg for dipped fabric in these two grades. The weighted average cop for dipped fabric (840D/2 and 1260D/2) is USD ***/kg. The Authority notes that the weighted average ex-factory normal value is above the cost of production. The Authority also notes that there were no loss-making transactions in 840D/2 and 1260D/2 grades. The wtd average Normal value comes to USD***/kg

Other Exporters/Producers from Indonesia:-

The Authority observes that other producers/exporters from Indonesia have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such producers/exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information. After allowing adjustments as claimed by the co-operative exporter from Indonesia, the ex-factory weighted average domestic selling price for various grades sold has been considered at USD***.

(B) M/s Hyosung Corporation, Korea:-

The exporter has not made available the non confidential version of their response to the exporters questionnaire and has not provided written submissions pursuant to the oral hearing.

1. The exporter has also not responded to the deficiency letter issued by the Authority.

(A) Normal Value:-

1. In Appendix 1 which stated to be non confidential, only the grades of the product have been mentioned where in it is seen that grade 1260D/2 (dipped fabric) and 1890D/2 (dipped fabric) have been sold in the domestic market. They have also stated in Appendix 1, that all their domestic and overseas customers have used only the dipped tyre cord fabric except Indian customers because they do not possess their own dipping machine to convert raw fabric to dipped fabric. Therefore they cannot inform the Authority of domestic sales of the same item which have been supplied to Indian customers. The Authority notes therefore that there is no transaction-wise data on domestic sales. In sales price structure for exports to India in Appendix 4 the company has claimed the adjustments on account of

charges before and after fob which includes Inland freight, handling others overseas insurance and others apart from discounts/ commissions for exports of 1260D/2 (raw fabric)

In Appendix 3, (Sales of goods of the company), the position is as follows:

	Exports to India			Domestic Sales			To third countries		
GREY	Kg	Total $	$/Kg	Kg	Total $	$/kg	Kg	Total $	$/kg
1260D/2	***	***	***						
1260D/3	***	***	***						
1680D/2	***	***	***						
	***	***	***						
DIPPED									
1260D/2				**	**	**	**	***	**
1260D/3							**	***	**
1680D/2	***	**	**					0	
1890									
D/2				**	**	**	**	***	**
TOTAL	**	**	**	**			**		
Total sales	**								

It may be seen that as per Appendix 3 sales are *** Mt whereas as per Appendix 7 the sales are shown as *** Mt.

Adjustments claimed on domestic sales in Appendix-5:-

3. In sales price structure for domestic sales in Appendix 5 the company has claimed adjustments on account of charges after ex-factory which includes Inland freight taxes and others apart from discounts for sales of 1260D/2 (dipped fabric) and 1890D/2 (dipped fabric). The unit selling price at ex-factory level therefore works out to USD ***/kg for 1260D/2 (dipped fabric) and USD ***/kg for 1890D/2 (dipped fabric).

(B) Cost of Production:-

In Appendix 9 (factory cost and profit of domestic sales) the unit selling price at ex-factory level claimed by the exporter for 1260D/2 (dipped fabric) is USD ***/kg. The total quantity sold in the domestic market is ***of a value of USD***.

The unit selling price at ex-factory level claimed by the exporter for 1890D/2 (dipped fabric) is USD ***/kg. The total quantity sold in the domestic market is ***kg of a value of USD***.

Examination by the Authority:-

Analysing the statement of income provided for the year ending 2000:

The exporter has not provided the detailed annual accounts for the POI, however a statement indicating income and expenses for the year ending 2000 has been provided. It is seen that sales value is ***(mln Korean won), reducing the profit out of it(***), gives the cost of production as ***. The SGA expenses are shown as ***, it comes to ***%(***/***). The profit comes to ***% (***/***). In absence of cross reconciliation these % are adopted to construct normal value in respect of the grades exported to India during the POI.

1260D/2 (dipped fabric) - The Authority notes that the exporter has claimed an ex-factory cost of production of USD ***/kg for 1260D/2 (dipped fabric) sold in the domestic market. The raw material cost includes raw baric of a quantity of ***kg of a value of USD ***thereby bringing the per unit cost to USD ***/kg. The dip solution cost is for a quantity of ***kg of a value of USD ***thereby bringing the per unit dip solution cost to USD ***/kg. The total raw material cost on account of raw fabric and dip solution is therefore USD ***/kg. The direct labour cost is USD ***/kg; the utility cost is USD ***/kg and the total overhead cost is USD ***/kg.

1890D/2 (dipped fabric) - The Authority notes that the exporter has claimed an ex-factory cost of production of USD ***/kg for 1890D/2 (dipped fabric) sold in the domestic market. The raw material cost includes raw fabric of a quantity of ***kg. for a value of USD ***thereby bringing the per unit cost to USD ***/kg. The dip solution cost is for a quantity of ***kg of a value of USD ***thereby bringing the per unit dip solution cost to USD ***/kg. The total raw material cost on account of raw fabric and dip solution is therefore USD ***/kg. The direct labour cost is USD *** /kg; the utility cost is USD ***/kg and the total overhead cost is USD ***/kg. The Authority notes that the ex-factory unit selling price for grades 1260D/2 (dipped fabric) and 1890D/2 (dipped fabric) claimed by the exporter in Appendix 9 (Factory cost and profit of domestic sales) viz., USD ***/kg and USD ***/kg respectively do not match with the data provided in Appendix 3 (Sales of goods of the company), as per which it is seen that the unit selling price of grade 1260D/2 (Dip fabric) is USD***/kg and that of grade 1890D/2 (Dip fabric) is USD***/kg.

In view of the discrepancy in the unit ex-factory selling prices given in Appendices 3 and 9, the Authority is constrained to reject the data on normal value claimed by the exporter in its response to the questionnaire.

Constructed Normal Value:

1260 D/2 GREY

The exporter has claimed Sellimg price as $***and adjustments on various accounts as ***$ thus giving ex factory price as $***. As per the cost of production , the SGA claimed for this grade is .***

Adjusting the claimed SGA(***-.***), the cop comes to ***. By adding the SGA @***% (as arrived at from the statement of income) and adding profit @***% the constructed NV comes to ***$/kg which has been adopted.

1260 D/3 GREY

The exporter has claimed Selling price as $*** and adjustments on various accounts as ***$ thus giving ex factory price as $***. As per the cost of production , the SGA claimed for this grade is .***.

Adjusting the claimed SGA (***-.***), the cop comes to ***. By adding the SGA @***% (as arrived at from the statement of income) and adding profit @***% the constructed NV comes to ***$/kg which has been adopted.

1680 D/2 GREY

The exporter has claimed Selling price as $*** and adjustments on various accounts as ***$ thus giving ex factory price as $***. As per the cost of production , the SGA claimed for this grade is .***.

Adjusting the claimed SGA (***-.***), the cop comes to ***. By adding the SGA @ ***% (as arrived at from the statement of income) and adding profit @ ***% the constructed NV comes to ***$/kg which has been adopted.

1680 D/2 DIPPED

The exporter has claimed Selling price as $*** and adjustments on various accounts as ***$ thus giving ex factory price as $***. As per the cost of production , the SGA claimed for this grade is .***.

Adjusting the claimed SGA(***-.***), the cop comes to ***. By adding the SGA @ ***% (as arrived at from the statement of income) and adding profit @ ***% the constructed NV comes to ***$/kg which has been adopted.

Other Exporters/Producers from Korea:-

The Authority observes that other producers/exporters from Korea have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such producers/exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information. After allowing adjustments as claimed by the co-operative exporter from Korea, the ex-factory weighted average domestic selling price for various grades sold has been considered at USD ***/kg (grey fabric) and USD ***/kg (dip fabric).

(D) M/s Thai Baroda, Thailand:-

(a) Cost of Production:-

The period of investigation for the mid-term review is 1st April, 2000 to 31st March, 2001. The company was maintaining its financial accounts ending September every year. The company has submitted its balance sheet for year ending September, 1999 and September, 2000. The company has submitted duly certified balance sheet for the period of three months from 30th September 2000 to 31st December, 2000. Further, the company has submitted a trial balance for the POI starting from April 01, 2000 to 31st March, 2001. A statement of income containing revenues and expenses indicating broad heading of expenditure for the period ending 31st March, 2001(POI), grouping of expenditure, Trial Balance and balance sheet has been also provided. All these are duly audited for the Period of Investigation. The accounts position in respect of various heads relating to expenditure has been accordingly made available for the POI.

It has been submitted by the company that no other product is being made in this plant except NTCF. However, small quantity of yarn (1%) of sales, which is an intermediate for the company has also been sold. NTCF is however produced in different deniers. It has also been mentioned that the company has sold only dipped fabric (different grades) in both the markets i.e. India and home market. Because of only one type of product though with different deniers, it is possible by simple calculation to arrive at cost per kg. of NTCF on an average basis. The details of the costs so arrived as follows:

Particulars	Total Expenditure(Baht)	Cost Baht/Kg.
Cost of sales	***	***
Selling expenses (includes freight and transport).	***	***
Administrative expenses	***	***
Financial expenses	***	***
Depreciation expense	***	***
Loss on exchange rate – Short	***	***
Loss on exchange rate – Long	***	***
TOTAL EXPENDITURE	***	***
Less: Other Income	***	***
TOTAL COSTS	***	***

As per appendix 7 the company has provided its production for the POI i.e. April, 2000 to March, 2001 as *** kg. Dividing the total costs by the total production, the weighted average cost comes to *** Baht/Kg. The Authority has not been considering loss on exchange rate fluctuations (short term or long term) as relevant element in cost of production determination. The company has submitted in its balance sheet that the company enters into the forward exchange contracts for hedging the foreign currency risks in connection with the settlement of certain foreign currency debts. The related forward premiums are being amortized by the straightline method over the term of forward contract. Such type of transactions can result into losses or gains. These are considered not normal and non-operational in the ordinary course of trade to affect the operational cost of production. In another investigation of M/s. Thai Acrylic Fibre Ltd. the loss/gain on account of foreign exchange fluctuations was not considered as an element of cost of production. Even in the original investigations relating to this product, exchange gain/loss was not considered as an element of cost of production.

After reducing the expenditure on account of loss of exchange rates the wtd. average cost of production comes to *** Baht/Kg. This cost per kg. is strictly an average (irrespective of deniers) for grade A, grade B, Spliced.

Thai Baroda claimed that the company has sold two types of Nylon Tyre Cord Fabric in India, namely "A" grade and "B' grade NTCF. It is clarified by the company that the distinction of grade is in the export invoices itself, wherein the company has mentioned "spliced", "NC", etc. on the invoice itself. Since there is a significant difference in the prices of the two Grades, the exporter seems to have claimed separate assessment of the

two grades. However, the Authority notes the distinction of grades is on the basis of final inspection of the product. There is no deliberate, conscious decision of the company to produce these goods as products with different grades. The cost of production involved for the two grades is not different. In view of the same, the Authority considered it more appropriate to combine the two grades.

The company has claimed domestic list price @ Baht *** per kg and at ex-factory level after various adjustments as Baht ***/kg (Appndx 4-5). It can be argued that the average cost *** Baht/Kg. (based on calculations as above) does not strictly depict the cost of production of the exports. But, the company in its own admission has claimed its domestic cost (as per Appendix 8-9) as *** Baht/Kg. for like products exported.

During the original investigation, the normal value was constructed. The component wise position has been compared with the submissions of the exporters and is as follows:

US$/Kg

Particulars	Original Investigation	Mid-term review
Direct Material cost	***	***
Salaries & Wages	***	***
Stores & Repairs	***	***
Power & Other Utility	***	***
Selling overheads	***	***
Admin Overheads	***	***
Financial Expenses	***	***
Depreciation	***	***
Loss of Exchange	***	***
Ex-Factory Cost of Production	***	***

It may be seen that major impact towards reduction of cost has come from the financial expenses which have been restructured and duly reported by the company in its balance sheet and has been reproduced elsewhere.

The reliance has been placed on the information submitted by the exporter and the cost of production has been determined as Baht *** per kilo as per Appendices 8 and 9.

Normal Value:

The exporter has furnished transaction wise details in respect of sales of NTCF in the domestic market. It may be seen that the company has been selling dipped fabric in both the markets i.e. domestic market and exported to India. The exporter has sold two types of NTCF which are A grade NTCF and B grade NTCF. The distinction of grade is in the invoices itself. The sales of grade A category in the domestic market amounts to *** kilo valued at ***Baht giving an average *** Baht/kilo. The sale of Grade B is *** kg valued at *** Baht per kg ***.The weighted average selling price of both these comes to Baht ***/kg which has been claimed by the company in Appdx 4-5.

A detailed transaction wise analysis of domestic sales of the company has been carried out. The test whether 20% of the domestic sales are below the cost of production has also been carried out. The sales price as provided under Appendix 1 has been worked out. These have been compared with the cost of production. While doing this test it has been found that 10.07% domestic sale of the company are below cost of production. Since less than 20% domestic sales are below cost of production the total domestic sales are to be considered for arriving at the normal value. Average selling price of all transactions of domestic sales have been considered as Baht *** per kilo. The adjustments claimed are given below.

(a) Discount/Commissions

The deduction has been duly reported as per the trial balance A/c Code No.530105 depicting a quantity of *** kg. with total amount of ***Baht thus giving an impact of *** Baht per kg. This has been allowed.

(b) Inland freight

The deduction has been duly reported as per the trial balance A/c Code No.530201 depicting a quantity of *** kg. with total amount of ***Baht thus giving an impact of *** Baht per kg. The company has provided invoices in this regard as well. This has been allowed.

(c) Insurance

The deduction has been duly reported as per the trial balance A/c Code No.530206 depicting a quantity of *** kg. with total amount of ***Baht thus giving an impact of *** Baht per kg. This can be allowed as claimed.

(d) Credit/Payment terms

The company has claimed Baht *** towards credit cost by adopting the interest rate at the rate of ***%. The company's balance sheets (ending December 31, 2000) shows that the bank overdraft carries an interest rate of (exports) ***%, packing credits between ***% to ***% and liabilities under trust receipts between ***% to ***%. It is viewed that debtor's credit is primarily related to working capital (Bank overdrafts) so rate of interest applicable for bank overdraft has been allowed. The impact of credit is calculated at the rate of ***% per annum instead of ***% as claimed by the company.

The credit impact comes to *** Baht which has been allowed.

(e) Selling expenses

The deduction has been claimed depicting a quantity of *** kg. with total amount of ***Baht thus giving an impact of *** Baht per kg. This can be allowed as claimed.

(f) Product mix difference

The company has claimed an adjustment of Baht *** per kg. against product mix difference. The company has explained that the subject grades are produced in a number of deniers (page 5 of the exporter's response). The Company has submitted that different deniers have been exported to India. The company has claimed that higher denier leads to thick fabric ultimately leading to higher weight per sq. meter. The company has claimed that it has sold more of 1680 deniers in the export market and more of 1260 and 1890 deniers in the home market. It is submitted that there is no significant difference in cost of production up to the stage of polymerization for any producer.

Production of fabric is recorded in terms of weight. Higher the denier, thicker the fabric, and therefore, high the weight per square meter of fabric. Thus, thicker the fabric, higher would be the production per hour at the stage of weaving and dipping. However, expenses such as conversion cost and overhead cost would not vary with machine utilization. Therefore, high the production, lower would be the incidence of conversion costs and fixed costs.

The company has claimed an allowance from the domestic market on the basis of difference in the cost of production in the two markets amounting to *** Baht per kg. This is claimed based on Appendix 8 and 9. The company has shown domestic cost of production as *** Baht/kg.and exports cost of production as *** Baht/kg.. The difference is *** Baht/kg. The company has claimed that *** Baht/kg. is on account of difference in raw material cost (domestic *** – exports ***). The balance *** is claimed on account of product mix difference under various heads. It may be seen that adjustments on account of discounts @ Baht (***), inland freight (***), insurance (***), credit (***), selling expenses (***) have already been allowed. Thus, these should also be deducted from the amount claimed on account of product mix difference. The total comes to Baht ***/kg. The co's claim has been reduced by this amount and against Baht ***/kg claimed, an amount of baht ***/kg has been allowed, after recalculation of the incremental cost of production on this account.

The adjustments as claimed have been verified from the balance sheet, hence the Authority proposes to take Normal Value as Baht ***/kg. After taking adjustments, price at ex-factory level for domestic sales comes to Baht *** /kg. Taking Baht/US$ conversion rate 41.61, it comes to *** $/kg.

Petitioner has objected to this allowance. However, Authority observes that the exporter has provided denier wise cost of production for all the deniers sold in the home market as also export market. Further, admittedly there is difference in the cost of production of different deniers. It can not be argued that there would be no difference in the market value of price of a product even when the costs vary.

(E) Other Producers/Exporters from Thailand:-

The Authority observes that other producers/exporters from Thailand have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such producers/exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

(F) M/s Formosa Taffeta,Taiwan :-

The response to the exporter's questionnaire of this company has been processed.

Vide its submission dated 3rd July, 2002, the company has submitted that they have no sales of grey NTCF in the domestic market. The company has exported grey NTCF only to India. The company has submitted that in the previous investigations relating to this product, therefore, the normal value was determined on the basis of cost of production. It is further reiterated that the present investigation is the review of existing duties and the grounds for review advanced by ASFI does not include basis of determination of normal value, nor did ASFI challenge the basis of determination of normal value in the previous case. Such being the case, FTC considers that the normal value in the instant case, in the absence of sales of grey NTCF in the domestic market, would be determined on the basis of cost of production.

In view of the above FTC had not provided details of dipped NTCF sold by the company in the domestic market in Taiwan. It was rather reiterated that the company has sold only dipped NTCF in the domestic market. Under the circumstances, FTC considered that the information with regard to sales of different product in the domestic market would not be relevant in the present investigations. However, the company has expressed its willingness to fully cooperate with the Designated Authority in the present investigations.

While cross verifying the information from the data submitted by the company, certain deficiencies were found and conveyed. It was revealed by the company at this stage that the company had sold some quantities of dipped NTCF in the Indian market. Even while revealing this information, the company did not provide details of dipped NTCF exported to India or sold in the domestic market. However, the Authority reiterated the requirement of complete information and information relating to dipped NTCF exported to India and sold in the domestic market. Eventually, Formosa provided details of dipped NTCF exported to India and sold in the domestic market.

The submissions of the company has been examined by the Authority. The position of the sales in domestic market, exports to India or exports to other countries based on the information submitted from time to time in appendices 3(1 to –6) have been compiled and is as below:-

Type	Exports to India		Domestic Sales		Exports to other countries	
	Kg	US$	Kg	NT$	Kg	US$
GREY						
N6 8401D/D/2	***	***				
N6 1260/D/2	***	***	nil	nil	nil	nil
N6 1680D/2	***	***				
Total	***	***				
DIPPED						
N68401D/2 Dip					***	***
N6 1260D/2 Dip	***	***	***	***	***	***
N6 1680D/2 Dip	***	***	***	***	***	***
Total	***	***	***	***	***	***
Grand Total	***	***	***	***	***	***

Exports to India

The information given by company was analysed. In respect of grade 1260D/2 dipped as provided in appendix 1 showed a sales value of *** NT against a volume of *** kgs. Under appendix 3-5 for the same grade, the company has shown same volume at a value of *** NT. The bill-wise entries could not reconcile. The company has not provided copies of any invoices.

The company clarified vide its letter dated 4.2.2003 that the discrepancy was on account of a wrong entry. "In Appendix 0I at SI. No.6 quantity shown is ***kgs and value shown NT$***. The unit value shown was NT$ ***. It can be noticed from the enclosed statement that total value for *** kgs should have been NT$ ***instead of NT$ ***which was a typographical error. This is a typographical error and if this is corrected Appendix-I and 3-5 will tally. We enclose a copy of the Invoice No.CQ15725310 which shows NT% *** for *** kgs and justifies the exact value."

Under appendix 2-21 for grade 1260D/2 dipped regarding information relating to export to India, the entries relating to rebates/commission/discount/ocean freight, ocean insurance have not been provided. Further same number of invoices (e.g. FME 007614 dated 20.7.00) with a quantity of *** kilo and with similar invoice number and date with a quantity *** kilo have been shown as exported to Apollo Tyres Limited, Gurgaon. In respect of exports made to M/s Modi Rubber Limited and M/s Bal Krishna Industries Limited, information relating to adjustments on account of rebate, ocean freight and insurance have not been provided for grades 1260 D/2 dipped and 1680 D/2 dipped.

Regarding the same number of invoices, the company clarified vide its letter dated 4.2.2003 and 7.2.2003. "This is because this invoice relate to two Purchase Orders and hence shown as split quantities at the same price The Invoice shows total quantity of *** kgs. unit price USD *** kg and packing list shows split quantity *** kgs and *** kgs."

Regarding appendix 2-21-Modi Rubber and Balakrishna Tyres wherein FTC not showing the ocean freight and ocean insurance, it was replied that "this has occurred due to oversight by FTC. However we are unable to give ocean freight and ocean insurance in respect of these invoices immediately since FTC is closed for Chinese New Year holidays

and will reopen on 7th February. We can submit these details by 7th February. However, the ocean freight and insurance will not vary much in comparison."

Regarding rebates and commission on these invoices, it was replied that "please note that FTC has sold to these customers directly without involvement of Chemplast as agents in India and hence no rebate or commission shown on these invoices. Hence there will not be any inclusion of commission in respect of invoices for Modi Rubber and Balakrishna Tyres."

Vide the letter dated 07.02.2003, the information in respect of Modi Rubber for ocean freight and ocean insurance was incorporated. It was replied that "As per our Letter No.CP/A/506/2002-03 dated 4th February, 2003, this business was handed directly by FTC and with Modi Rubber and hence there is no rebate or commission payable." and the information regarding Balakrishna Tyres 1680D/2 Dipped Fabric incorporating Ocean Freight. FTC informed, "this being C&F contract, they have not incurred any insurance charges. This business was also handled directly by FTC and hence no commission or rebate is payable."

Appendix 7

The company was requested to provide appendix 7 so as to reconcile the figures (in absence of physical verification of the data). Vide its letter dated July 3, 2002, the company mentions that "Appendix-7 is enclosed (Annexure D) with this letter and stated that FTC is a multi product company. As explained earlier, present investigations being review of existing duties and further considering that the Designated Authority has already conducted a detailed investigation, including visit to Taiwan, FTC considered that the present review would remain restricted to mere re-determination of normal value and export price on the basis of the methodology already settled in the previous investigation. However the company has enclosed relevant information with this letter."

While the company has provided some information as required under Annexure-7, the Authority notes that the information is grossly insufficient. Authority notes that the company has shown dipped NTCF as "other product" and not as "product under consideration". Moreover, the company has provided details of only the quantities of dipped NTCF sold by the company. Furthermore, the company has divided dipped NTCF also into two categories – (a) deniers 840D/1260D/1680D and (b) other denier. No reasons have been adduced for dividing the product itself into two categories. Apparently, the exporter has sold other deniers of NTCF, details of which are not adequately disclosed. The present investigation being against all types of NTCF, as described in the initiation notification and final findings earlier notified, the exporter was obliged to disclose complete details of all deniers sold-whether in the domestic or export market. It is also noted that the exporter itself has claimed that its capacity is overlapping with respect to NTCF(both Nylon-6 and Nylon-66), Polyester Fabric and Other such Fabric. Such being the situation, information on other fabric becomes relevant and very vital. Capacity utilisation of the company for grey is 96% (***/***) and for dipped is 94 %(***/***).

a) Difference in sales quantity-Appdx 7 and appdx 3- GREY category.

The company has submitted appendix 7 twice. The appendix serves a purpose of reconciling the information relating to opening stock, production, sales and closing stock of the concerned product. The information also throws a light on the capacity utilisation for the product. The company has provided that there was *** MT production and *** MT as sales of Nylon 6 Grey during the POI. As per the information compiled from appendix 3, the sales on account of exports to India for Grey appears as *** MT.

The company explained vide its letter dated 4.2.03 that "there was a small difference of about ***kg (***mt) between the appdx. This was the same quantity i.e. (***-***= ***mt). This is due to typographical error in one invoice. In the earlier submission this invoice showed quantity and value as ***kg/USD*** respectively. This was corrected subsequently in appdx 2 in the submissions made on 3rd July and the quantity as per Appdx 2 was ***kg. While preparing appdx 7 for grey fabric sales this omission remained to be rectified and hence there is difference of approx ***kg between these two figures. We regret the inconvenience."

b) Difference in sales quantity-Appdx3 and appdx 7-DIPPED Category

As per appendix 7 the company has shown sales of *** MT in Nylon 6 dipped 840D/1260D/1680 D varieties vide its submission dated 3rd July, 2002. However, vide its submission dated 12.7.02, the Appendix 7 submitted shows sales of these varieties as *** MT for the POI. As per the information provided under appendix 3, the sales on dipped variety for exports to India/other countries/domestic totals upto *** MT giving a difference of *** MT . Hence, the figures submitted under various Appendices by the Company itself does not tally.

The company was asked to clarify the differences in various appendices. The exporter replied vide its letter dated 7.2.03 and revealed at this stage that there is another special black dipped fabric in 1260D/3 supplied by FTC to other countries which was not related to the specification of Indian customers. The difference was explained as below.

"The difference of about ***kgs (***MT) relates to Special Black Dipped Fabric in 1260D/3 supplied by FTC to other countries which was not related to the specifications of Indian customers. The original investigation related to Grey Fabric and subsequently the details about dipped fabric was asked by the Authority and FTC in compliance submitted the details of dipped fabric in 840D, 1260D, and 1680D to the Authority as per Appendix-3. Since dipped fabric was not in the original investigation of NTCF and subsequent submission was made as per the directions of the Authority, FTC did not include this Special Black Dipped Fabric in the Appendix-3. Since Appendix-7 required to show the total sales of Dipped Fabric 840D, 1260D and 1680D FTC very correctly made the total sales as *** MT in Appendix-7 but this did not tally with Appendix 3-4, 3-5 and 3-6 figures. FTC want to clarify that this was a Special Black Dipped Fabric supplied to other countries and was not related at all and hence this was not shown in Appendix-3, but being 1260D it had incorporated in the total sales as per Appendix-7. Hence this difference."

The authority notes that exporter has preferred not to submit data as per the requirements of the questionnaire but in bits and pieces. This does not generate enough confidence to accept the submitted data. However, in absence of any other information, the Authority has placed reliance on the submissions to the extant possible and have admitted the claims based on reasonability.

COST OF PRODUCTION

The submissions in this respect were examined. The company has purchased yarn from its affiliate. The Authority demanded cost of production statement in respect of the yarn. considering that the supplies were being made by an affiliate and purchase price may not be in the ordinary course of trade. Rather than giving the desired information, the company has resorted to argument to justify that the purchase price is appropriate. The Authority notes that the exporter is at a liberty to advance its argument. However, as noted by the Hon'ble Supreme Court in the matter of Haldor Topsoe also, the exporter is first obliged to provide the information demanded by the Authority. In the instant case, the exporter has merely attempted to justify its information without providing the information desired by the Authority.

The company has submitted a sheet showing statement of revenue/expenditure for year ending Dec 2000 and Dec 1999. The company has also submitted expenditure allocations for its tyre cord Fabric division alongwith allocation of expenses for subject goods

The company has provided grade-wise cost under different expenditure heads under appendix 8. The appendices are in respect of 840D/2, 1260D/2, 1680D/2 regarding grey and dipped. This information is provided in USD. An attempt has been made to collect all the information provided under appendix 8 and cross verify it. The details are as follows:

Formosa Taffeta Co Ltd, Taiwan POI 01.04.2000-31.03.2001 (US$ NT conversion rate=31.68)

As provided by the company in Appendix 8 for different deniers.

	840 D/2	1260 D/2	1680 D/2	1260 D/2DIP	1680 D/2DIP	840 D/2 DIP	Total in US$	in 000 NT	In US
Prod/KG	***	***	***	***	***	***	***		
Materials	***	***	***	***	***	***	***	**	***
warp yarn	***	***	***	***	***	***			
weft	***	***	***	***	***	***			
filling									
Chemicals				***	***	***			
direct	***	***	***	***	***	***	***	**	***

labour									
Utilities	***	***	***	***	***	***	***		
Mfg exps	***	***	***	***	***	***	***	**	***
Depriciation	***	***	***	***	***	***	***		
Financing exp*	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Interest exp*	***	***	***	***	***	***	***		
Packing exp	***	***	***	***	***	***	***		
selling/admn*	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Total exp	***	***	***	***	***	***	***	***	***

	Average						
Exp.-SGA*	***	***	***	***	***	***	***
Add 14.59%	***	***	***	***	***	***	***
Profit 14.2%	***	***	***	***	***	***	***
cost per kg	***	***	***	***	***	***	***
Wtd average		***		***			
Export price ex factory	***	***	***	***	***		
wtd average		***		***			

*SGA includes Financing exp, Interest exp and selling/admn as claimed by the company.

Cross verification through the Statement of Income for period ending Dec2000.

The company along with its submissions dated 3.7.2003 submitted a sheet showing statement of income tax for year ending 31.12.2002 and 31.12.99. The company was asked to submit complete copy of balance sheet repeatedly which was not submitted.

Based on this information, the Authority notes that expenditures booked for year 31.12.00 on account of SG&A expenditures is as follows:-

	NT $ (in thousand)
Selling expenses	***
Admin. Expenses	***
Interest	***
Other expenditures	***
Total	***

Net operating revenue is ***after reducing income (before income tax) i.e.***, the cost of production comes to***. Comparing the quantum of SG&A expenses (***), it comes to ***% of costs. Income (***) as % of Net Operating revenue comes to ***%.

It can be seen that as per appdx 8 the company has claimed the expenses incurred on account of financial and interest, selling, general and administrative expenses account for ***% of the cost of production. This is calculated at by adding ***+***+***=*** and compared with total expenditure i.e***. However, even though the Profit and Loss Account provided by the company is not for the investigation period, the P&L for the full year 2000 shows that ***% of the costs are on these accounts.

Notwithstanding, the various deficiencies and contradictions in the information, the Authority notes that the claim of SGA expenses made by the company cannot sustain in the light of the P&L for the completed period. It would be most desirable to base SGA expenses on the audited P&L Account in the absence of complete information and various contradictions. Allocation of SGA in the present circumstances is most desirable and hence the Authority proposes to apply the same. The Authority, has, therefore, redetermined cost of production for each grade and has determined dumping margin accordingly.

Since the information given by the exporter with regard to sales of NTCF in the domestic market are inadequate, the Authority is prevented from assessing the profit earned by the exporter from sales in the domestic market. In view of the same, the Authority has considered reasonable profit as the profit earned by the company on all its products, which includes the like product. The profit margin comes to ***%.

Cross verification thru the allocation sheet.

The company has submitted factory cost and profit of exports to India vide appendix 8 in respect of 840D/2, 1260D/2, 1680D/2 regarding grey and dipped. Despite repeated reminders, the company has not submitted its printed balance sheet vide its letter dated 8.7.2002 submitted allocation of expenses for subject goods and other than subject goods for the POI.

It appears that the figures are reconciled with the balance sheet of the company and have been submitted after due reconciliation. The company has provided information for its Tyre Cord Fabric Division as a whole and have bifurcated into the columns for subject goods and other than subject goods. It is submitted by the company that separate records are maintained for tyre cord fabric division, hence the Authority is justified in its

presumption that the figures submitted are taken from the main balance sheet and are duly reconciled. The figures are expressed in thousand new Taiwan Dollars. New Taiwan dollar is depicted as NT by the company in its submission. The conversion rate with US dollar average for the POI is given as 31.68.

Referring to the above table, it may be seen that an amount of ***USD have been allocated as incurred towards cost of production for manufacturing the above grades grey and dipped as per appendix 8. Taking into account the amounts given against accounting heads presumably, taking all the expenditures together to be treated as cost of production gives a figure of *** NT. Converting it with the given exchange rate the figures comes to USD***. As per appendix 7 provided on 8.7.2002, the company has shown a figure of *** USD as production value of *** MT of grey and dipped of aforementioned grades. These figures does not tally amongst themselves.

Placing a reliance on the figures submitted as allocation of expenses of subject goods, the company has given a total of ***thousand NT towards total expenditure of Tyre Cord Fabric Division. Even after allowing the receipts on account of financial incomes and other revenues, the net expenditure remains *** thousand NT(*** thousand USD). This can be presumed to be the total cost of production excluding any incomes etc. for the entire Tyre Cord Fabric Division.

As per appendix 7, it is submitted that the company sold *** MT of grey/dipped NTCF and *** MT of other related products. The total comes to *** MT. The company has not provided the sales value for other products. The company has not given the production details/value (as repeatedly requested) under appendix 7 so as to enable the Authority to know the quantum of production for grey/dipped NTCF and other products. In absence of the details of the production quantity for other products, the next available way of allocating expenditure remains based on sales quantities.

The allocation sheet is as follows:-

POI-1-4-2000-31.3.2001 New Taiwan Dollars

Particular	Tyre cord fabrics divisions	Subject goods
Variable costs		
Direct Materials	***	***
Factory overheads	***	***
Selling expenses	***	***
Fixed costs		
Direct labour	***	***
Factory overheads	***	***
Selling expenses	***	***
Administrative expenses	***	***
Total cost		

Financial expenses	***	***
Other non-operating Expenses	***	***
Financial incomes	-***	-***
Other Revenues	-***	-***
Net cost	***	***

Allocating an expenditure of (*** NT$) converted to ***thousand USD (the total for Tyre Cord Fabric Division) on a total sales quantity of *** MT, it gives an expenditure of *** thousand USD on a sale of *** MT of grey/dipped for aforementioned grades. This gives an average of *** USD, an average cost of production after allowing or reducing the total expenditure by other incomes/revenues.

A question can be raised as to calculating an average for different grades/daniers grey and dipped. The dipped variety is supposed to carry comparatively higher cost of production. However in absence of complete details provided by the company, the options left are to rely on the data submitted by the company to the extent or as far as it can be reconciled out of the appendices submitted.

Normal Value:

It has been submitted by the company that they do not have any sale of grey NTCF in the domestic market. The company has exported gray NTCF to India. The company has further suggested that in the absence of sales of gray NTCF in the domestic market, normal value would be determined on the basis of cost of production. In view of this the company has not provided details of dipped NTCF sold by the company in the domestic market in Taiwan. It is further clarified that the company has sold only dipped NTCF in the domestic market and has neither sold any gray NTCF in Taiwan nor exported gray NTCF to other countries.

The company therefore concludes and considers that the information with regard to sales of different products in the domestic market would not be relevant in the present investigations. In this situation, the normal value has been constructed for grey/dipped based on the information provided by the company as per appdx 8, as per the statement of income for year ending dec2000 and as per the expenditure allocation sheet for Tyre cord division and the product under reference.

Formosa Taffeta Co Ltd, Taiwan POI 01.04.2000-31.03.2001 (US$ NT conversion rate=31.68)

As provided by the company in Appendix 8 for different deniers. in US$ in 000 NT In US$

	840 D/2	1260 D/2	1680 D/2	1260 D/2DIP	1680 D/2DIP	840 D/2 DIP	Total
Prod/KGr	***	***	***	***	***	***	***.
Add	***	***	***	***	***	***	***

14.59%							
profit	***	***	***	***	***	***	***
14.2%							
cost per kg	***	***	***	***	***	***	***
wtd		***		***			
average							

The exporter has objected to the methodology adopted by the Authority. However, the Authority notes that there were significant variations in the information submitted and the same has been accepted by the exporter also. It can not be argued by the exporter that it was unaware of these discrepancies, nor at any stage the exporter suo moto brought these discrepancies to the knowledge of the Authority. Further, despite various opportunities, the exporter did not come forward with adequate submissions. For instance, copies of relevant invoices wherever some discrepancies were pointed out, cost of production statement of NTCF Yarn procured from the affiliate and a copy of published Annual Report.

(H) Other Producers/Exporters from Taiwan:-

The Authority observes that other producers/exporters from USA have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such producers/exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

Therefore, for non-cooperative exporters, the Authority has adopted the ex-factory normal value of USD *** for grey & US$ *** for DIP/kg.

(B) EXPORT PRICE

(A) M/s PTGT Petrochem Industries Tbk, Indonesia:-

The exporter had furnished information pertaining to sales of the subject goods viz. exports to India, domestic market sales and exports to other countries as per Appendix 3. The information on exports has been furnished for 840D/2, 1260D/2 and 1680D/2 grades (Grey fabric). The factory costs and profit furnished in Appendix 8 has also been furnished for these grades of Grey fabric. In Appendix 9 and 10 (Factory Cost and profit for Domestic Sales and Non-India Countries) the constructed cost has been given for 1680D/2 has been given. In Appendix 4 (sales price structure for exports to India) adjustments have been claimed on account of charges before and after fob.

Examination by Authority

840D/2 (grey) - The list price claimed is USD ***. It is seen from Appendix 3 A that the company has sold a total quantity of ***kg of a value of USD ***to India during the period of investigation (POI). The unit price works out to USD ***. After considering a commission amount of USD ***, inland freight at USD ***/kg, overseas freight at USD ***/kg and overseas insurance at USD ***/kg the price at ex-factory level works out to USD ***/kg. The factory cost of 840D/2 (grey) is USD ***/kg and the price at ex-factory level is higher than the cost of production.

1260D/2 (grey) - The list price claimed is USD ***/kg. It is seen from Appendix 3A that the company has sold a total quantity of ***kg of a value of USD ***to India during the period of investigation (POI). The unit price works out to USD ***/kg. After considering a commission amount of USD ***/kg, inland freight at USD ***/kg, overseas freight at USD ***/kg and overseas insurance at USD ***/kg the price at ex-factory level works out to USD ***/kg. The factory cost of 1260D/2 (grey) is USD ***/kg and the price at ex-factory level is higher than the cost of production.

1680D/2 (grey) - The list price claimed is USD ***/kg. It is seen from Appendix 3A that the company has sold a total quantity of ***of a value of USD ***to India during the period of investigation (POI). The unit price works out to USD ***/kg. After considering a commission amount of USD ***/kg, inland freight at USD ***/kg, overseas freight at USD ***/kg and overseas insurance at USD ***/kg the price at ex-factory level works out to USD ***/kg. The factory cost of 1680D/2 (grey) is USD***/kg and the price at ex-factory level is higher than the cost of production.

The Authority notes that a total quantity of ***kg of grey fabric in the above-mentioned grades were exported to India during the POI of a value of USD***. After considering adjustments as claimed, the weighted average ex-factory export price for all the three grades of grey fabric works out to USD 1260D/2 (grey) is USD ***/kg.

Other Producers/Exporters from Indonesia:-
The Authority observes that other producers/exporters from Indonesia have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority has relied upon best available information on record in the absence of co-operation from other exporters/producers in Indonesia.

The authority has taken the lowest export price during the POI i.e. $***/kg and after allowing the adjustments claimed ***, the ex factory export price comes to $***/kg.

(B) M/s Hyosung Corporation, Korea:-
In Appendix 3 it is seen that the following supplies have been made to India:

Grade	Qty (kg)	Value (USD)	Unit Price (USD/kg)
1260D/2 (raw fabric)	***	***	***
1260D/3 (raw fabric)	***	***	***
1680D/2 (raw fabric)	***	***	***
1680D/2 (dipped fabric)	***	***	***

Adjustments claimed for Export Sales in Appendix-4 (Sales price structure for Exports to India):-

1260D/2 (raw fabric) - In sales price structure for exports to India in Appendix 4 the company has claimed the adjustments on account of charges before and after fob which includes Inland freight, handling, others, overseas freight, overseas insurance and others apart from discounts/ commissions for exports of 1260D/2 (raw fabric). After considering adjustments on the average cif price of USD ***/kg (as claimed in Appendix 3), the ex-factory export price for 1260D/2 works out to USD***/kg.

1260D/3 (raw fabric) - In sales price structure for exports to India in Appendix 4 the company has claimed the adjustments on account of charges before and after fob which includes Inland freight, handling, others, overseas freight, overseas insurance and others apart from discounts/ commissions for exports of 1260D/3 (raw fabric). After considering adjustments on the average cif price of USD ***/kg (as claimed in Appendix 3), the ex-factory export price for 1260D/3 works out to USD***/kg.

1680D/2 (raw fabric) - In sales price structure for exports to India in Appendix 4 the company has claimed the adjustments on account of charges before and after fob which includes Inland freight, handling, others, overseas freight, overseas insurance and others apart from discounts/ commissions for exports of 1260D/2 (raw fabric). After considering adjustments on the average cif price of USD ***/kg (as claimed in Appendix 3), the ex-factory export price for 1680D/2 works out to USD***/kg.

1680D/2 (dipped fabric) - In sales price structure for exports to India in Appendix 4 the company has claimed the adjustments on account of charges before and after fob which includes Inland freight, handling, others, overseas freight, overseas insurance and others apart from discounts/ commissions for exports of 1680D/2 (dipped fabric). After considering adjustments on the average cif price of USD ***/kg (as claimed in Appendix 3), the ex-factory export price for 1260D/2 works out to USD***/kg. The cost of dip solution has been reduced from the exporter price of 1680 D/2 dipped to arrive at the ex-factory export price to *** – *** = ***/kg

Examination by the Authority:-

The Authority notes that the exporter has provided information on the cost of dipping solution for dipped fabric sold in the domestic market in Appendix 9. The per unit dip solution cost is USD ***/kg 1260D/2 (dipped fabric) and USD ***/kg for 1890D/2 (dipped fabric). On an average the dip solution cost works out to USD ***/kg. The exporter has exported primarily raw fabric(1260D/2, 1260D/3 and 1680D/2) to India. In the dipped category, the export is of 1680D/2 grade for which the break up has been provided.

The ex-factory export price for the different grades (GREY) is as follows:-

1260D/2 - USD***/kg (for raw fabric)

1260D/3 - USD ***/kg (for raw fabric)
1680D/2 - USD ***/kg (for raw fabric)
1680D/3- USD ***/Kg (constructed for grey)

Other Producers/Exporters from Korea:-
The Authority observes that other producers/exporters from Korea have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority has relied upon best available information on record in the absence of co-operation from other exporters/producers in Korea.

The ex-factory export price for all non-cooperative exporters for all grades from Korea is assessed as USD***/kg (grey fabric) and USD ***/kg (dip fabric).

(C) M/s Thai Baroda, Thailand:-

Export Price

The company has submitted details of export sales to India during the period of investigation vide Annexure 2. The company has exported *** kg of grade A and ***kg of grade B which totals up to *** kg. The DGCIS data is showing the export as 3818443 kg during the POI. This difference could be due to the shipment and actual arrival. However, as disclosed date by the exporter is higher, it does not suggest any suppression.

The weighted average export price comes to Baht ***/kg.

The company has claimed add-back on account of duty benefit in the list price on account of duty free imports. This amounts to Baht *** per kg. The company has submitted documents showing certificate of the Government in this regard. The certificate is in the shape of a promotion certificate from the office of the Board of Investment stating clearly that under Section 36(1) and (2) there is an exemption of import duties on the raw materials and essential materials imported to produce for export for the period 15th August, 1999 to 14th August, 2001. The company has received a total duty benefit of Baht ***in the investigation period. Against which the company has exported *** kgs. (India *** kg. + other countries *** kgs. as per Appendix 3A). The benefit comes to Baht ***/kg. The same has been added as against the company's claim of *** Baht/kg.

The company has also claimed deductions on account of handling, overseas freight and overseas insurance. The company has submitted that the adjustment on account of handling includes inland freight as well. As per trial balance Code No.530203 against exports of *** kg. the amount on account of handling is Baht ***giving an impact of *** Baht/kg. This has been allowed.

The company has claimed adjustment on account of overseas freight. The same is as per trail balance Code No.530209 showing an export of *** kg. grade A with a total amount of *** Baht giving an impact of *** Baht/kg. This has been allowed.

The company has claimed adjustment on account of overseas insurance. The same is as per trail balance Code No.530202 showing an export of ***kg. grade A with a total amount of *** Baht giving an impact of ***Baht/kg. This has been allowed.

Allowing these adjustments the export price comes to *** Baht/kg.

The export price calculated in original investigation has also been checked. Against CIF invoice value of *** US$, the expenses allowed were *** US$ per kg. giving an export price of *** US$ per kg.

During the mid-term review, the CIF invoice value is ***US$/kg. and after allowing adjustments of *** the export price at ex-factory level comes to *** US$ per kg. It may be seen that in comparison to the original investigation the CIF price has gone up whereas keeping the adjustments to more or less same levels.

Dumping Margin:

Based on the normal value of *** Baht-per kg. after considering the admissible deductions and the export price of Baht ***, the dumping margin comes to Baht *** This comes to 0.035% of export price.

Other Producers/Exporters from Thailand:-

After taking lowest export price (Baht *** converted to *** US$) and allowing adjustments (Baht ***) as claimed by the co-operative exporter from Thailand, the ex-factory weighted average export price comes to *** Baht or *** $/Kg.

(D) M/S Formosa Taffeta Co., Taiwan

Export Price

The company has provided sales price structure for exports to India for its different grades for grey and dipped variety. The company has not submitted any documents to substantiate the adjustments claimed. The company exported *** MT(grey and dipped) at a total value *** USD giving an weighted average export price of *** USD/kg. The company has claimed adjustments on account of discount/commission (***%), packing, inland freight, overseas freight, overseas insurance and on account of clearance and handling. All these adjustments average around to *** USD/ kg . The company has not submitted any back-up to substantiate these adjustments. However, in absence of relevant documents but going by the comparative adequacy of the adjustments requested, the Authority proposes to allow the same.

This gives a weighted average export price adjusted to ex-factory level as *** USD/kg.

Formosa Taffeta Co Ltd, Taiwan
As provided by the company in Appendix 8 for different deniers.

	840 D/2	1260 D/2	1680 D/2	1260 D/2DIP	1680 D/2DIP	840 D/2 DIP
Prod /KG	***	***	***	***	***	***
Export price ex factory	***	***	***	***	***	
wtd averag		***		***		

Other Producers/Exporters from Taiwan:-
After taking lowest wtd average export price US$ *** and allowing adjustments @***$ as claimed by the co-operative exporter, the ex-factory weighted average export price comes to $ ***/kg for grey and by taking lowest export price @ $***/kg for dipped and after allowing adjustments @***$, the wtd average export price comes to $***/kg for dipped.

(C) Dumping Margin:-
Examination by the Authority:-

The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. Based on the ex-factory normal values and ex-factory export prices as indicated above, the Authority assessed the dumping margins in case of all exporters from the subject countries as given in the table below:-

	Producer/Exporter	**Dumping Margin (%)**		
		Normal Value (USD/kg)	**Export Price (USD/kg)**	**DM**
Indonesia	**(1) M/s PTGT Petrochem Industries Tbk**	840D/2 (dipped sold; after exclusion of dip cost) **USD*** **	840D/2 (grey exported) **USD *** **	10.46%
		1260D/2 (dipped sold; after exclusion of dip cost) **USD*** **	1260D/2 (grey exported) **USD *** **	7.84%

		1680D/2 (grey) constructed price **USD** ***	1680D/2 grey fabric exported **USD** ***	15.58%
	(2) All other producers/exporters	USD ***	USD ***	23.08%
Korea	**(1) M/s Hyosung Corp.**	1260D/2 Grey **USD** ***	1260D/2 **USD** ***	18.6%
		1260D/3(grey) **USD 3***	1260 D/3 **USD** ***	12.74%
		1680D/2 (grey) **USD** ***	1680D/2 **USD** ***	16.50%
		1680D/2(dipped) **USD** ***	1680D/2 **USD** ***	30.60%
	(2) All other producers/exporters	Grey $ *** Dipped $ ***	$ *** $ ***	29.67 % 30.60%
Thailand	(1) M/s Thai Baroda (Dipped)	USD ***	USD ***	0.035%
	(2) All other producers/exporters	USD ***	USD ***	12.80%
Taiwan	(1) M/s Formosa Taffeta 840D/2—grey	USD ***	USD ***	18.37%
	1260D/2—grey	USD ***	USD ***	16.28%
	1680D/2—grey	USD ***	USD ***	16.16%
	Wtd average--grey	USD ***	USD ***	16.33%
	1260D/2—dipped	USD ***	USD ***	15.85%
	1680D/2--dipped	USD ***	USD ***	14.97%
	Wtd average--dipped	USD ***	USD ***	16.62%

I. INJURY:-

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under Rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three per cent , the imports cumulatively account for more than seven per cent of the imports of the like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance wire Annexure II (iv) of the rules supra the details of which are given below:-

(a) Quantum of Imports

As per DGCIS Quantity (kg)

Country	1998-99	1999-2000	POI (1st April 2000-31st March 2001)
Indonesia	19,29,424	22,34,172	29,90,624
Korea	37,13,979	16,14,684	16,21,698
Thailand	49,94,124	52,86,331	38,18,443
Taiwan	39,25,564	49,79,795	63,62,563
Sub Countries	1,45,63,091	1,41,14,982	1,47,93,328
Other Sources	21,41,719	25,34,450	34,59,212
Total Imports	1,67,04,810	1,66,49,432	1,82,52,540

The Authority has relied on DGC&IS data for the purpose of the subject investigations as DGC&IS computes the statistical data for all ports and the import data can be said to reasonably reflect the volume of total imports into the country.

The total imports of NTCF increased by 9.26 % in the POI over that of 98-99 and by 9.63% over that of 99-2000. The increase in the total imports of the subject goods from the subject countries was 4.8% in POI over 1999-00 and reduced by 3.71% 99-2000 over the level of 1998-99. The DGCIS has provided transaction wise import data for the period of investigation. It is observed that the quantum of total imports and the imports from the subject countries increased as compared to the level of 1998-99.

The share of the imports from the subject countries as a percent of the total imports has gone down gradually from 87.18% in the year 1998-99 to 84.78 % in 1999-2000 to 81.05% during

the period of investigation. The share of imports from subject countries as a share of total imports have therefore shown a declining trend.

(b) Production and Capacity Utilisation:-

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	Year	Installed Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation %
Domestic Industry	1998-99	39500	29755	75.32
	1999-2000	39500	34531	87.42
	POI			
SRF Ltd.		18300	16468	89.99
NRC Ltd.		7500	6116	81.53
Nirlon Ltd		7200	5688	79.0
TFL Ltd		6500	2140	32.92
Domestic Industry (Total)		39500	30412	77.00

The installed capacity of the domestic industry remained constant at 39500 MT during the three years. Production of the domestic industry was 34531 MT during 1999-2000 which went down to 30412 MT during 2000-01. As production went down, capacity utilization also declined from 87.42% during 1999-2000 to 77.0% during 2000-0. The decline in production was due to the low level of plant utilisation of TFL Ltd., which was significantly lower at 32.92%. All other constituent members of the domestic industry achieved high levels of capacity utilisation.

(c) Sales and Market Share:-

The quantum of sales made by the petitioners and the value thereof were as follows:-

	1998-99	1999-2000	POI
Volume (MT)			
SRF Ltd.	16926	19580	17470
NRC Ltd.	6054	6685	5545
Nirlon Ltd	4104	4899	5372
TFL Ltd	1475	3326	2094
Total	28559	34490	30481
Price (Rs/kg)			
SRF Ltd.	***	***	***
NRC Ltd.	***	***	***
Nirlon Ltd	***	***	***
TFL Ltd	***	***	***
Total	***	***	***

Sales of the domestic industry were 34490 MT during 1999-2000. It went down to 30481 MT during 2000-01 registering a fall of 4009 MT in a single year. In percentage terms, the decline works out to 11.62%. However the sales volume of the domestic industry increased in the POI over 1998-99. The average prices of the domestic industry have also increased in the POI as compared to earlier years.

Qty (MT)

	1998-99	1999-00	2000-01
Total Imports	16705	16649	18252
Domestic industry	28559	34490	30481
Century Enka	9485*	10172	9842*
Demand (approx.)	54749	61311	58575
Share of Domestic Industry	52.16%	56.25%	52.04%
Share of Imports %	30.51%	27.15%	31.16%
Share of Dumped Imports %	26.59%	23.02%	25.25%

- as per balance sheet of the company.

The share of total imports in demand was 30.51%, 27.15 % and 31.16% in 98-99, 99-2000 and the POI respectively. The share of dumped imports from the subject countries in demand was 26.6%, 23.02% and 25.25% in 98-99, 99-2000 and the POI respectively. The share of domestic industry in demand has remained stable. While the share of total imports has gone up marginally, the share of dumped imports has declined as compared to 1998-99. The increase in imports in 2000-01 by 1603MT is significantly less than the decline in sales volume of the petitioners by 4009MT.

(c) Price undercutting and price depression

The landed prices of the imported material as per DGCIS data is given below.

1998-99				
Country/Source	**Qty(Kg)**	**Total (Rs)**	**CIF/Kg**	**Landed/Kg**
Taiwan	39,25,564	49,63,97,425	126.45	178.80
Indonesia	19,29,424	25,10,65,791	130.12	184.00
Korea	37,13,979	47,16,81,739	127.00	179.58
Thailand	49,94,124	63,11,11,954	126.37	178.69
1999-00				
Country/Source	**Qty(kg)**	**Total(Rs)**	**CIF/Kg**	**Landed/Kg**
Taiwan	49,79,795	64,88,81,537	130.30	184.25
Indonesia	22,34,172	27,59,88,575	123.53	174.67
Korea	16,14,684	20,40,48,125	126.37	178.69

Thailand	52,86,331	65,57,53,091	124.05	175.40
2000-01				
Country/Source	**Qty(kg)**	**Total (Rs)**	**CIF/Kg**	**Landed/Kg**
Taiwan	63,62,563	95,01,42,262	149.33	188.53
Indonesia	29,90,624	44,89,37,684	150.12	189.52
Korea	16,21,698	24,13,84,180	148.85	187.92
Thailand	38,18,443	58,19,41,882	152.40	192.41

The landed price has been calculated by taking 40% custom duty and 1% landing charges for 1998-99,1999-00 and custom duty 25% for year 2000-01(POI).

Rs/Kg

Year	Sales Realisation of Dom. Industry	Landed Price of Imports			
		Indonesia	Korea	Thailand	Taiwan
1998-99	***	184.00	179.58	178.69	178.8
1999-2000	***	174.67	178.69	175.4	184.25
POI	***	189.52	187.92	192.41	188.53

The Authority notes that the sales realisation of the domestic industry in the POI has improved as compared to 1998-99 and 1999-2000. The landed value of imports from the subject countries has shown an upward trend in the POI.

It has been argued by the petitioner that adoption of DGCI&S data might have resulted in cumulation of imports of Grey and Dipped NTCF. The Authority, however, notes that while entire exports made by Thai Baroda were dipped only, entire exports made by PTGT, Indonesia were Grey only. Further, majority of exports made by Formosa and Hyosung were a mix of Grey and Dipped. However, in case of Formosa and Hyosung, majority of imports were Grey. In any case, Authority considered the export price given by the respective exporters and compared corresponding landed price with the selling price of petitioners and finds no evidence of price undercutting as may be seen from the table below: -

POI	Sales Realisation of Dom. Industry	Landed Price of Imports			
		Indonesia	Korea	Thailand	Taiwan
Grey		***	***	No exports	***
Dipped		No exports	***	***	***
Average	***	189.52	187.92	192.41	188.53

(d) Profitability:-

It can be seen from the table below that while cost of production has come down, the sales realisation has improved. The development of the losses of the subject goods shows that direct losses per unit of sale improved from -19.72/kg in 98-99 to -8.75/kg in the POI.

	98-99	99-2000	POI
COP (Rs. /kg)			
SRF Ltd.	***	***	***
NRC Ltd.	***	***	***
Nirlon Ltd	***	***	***
Tyre Cord Fabric Ltd.	***	***	***
Total	***	***	***
Selling Price (Rs/kg) net of excise			
SRF Ltd.	***	***	***
NRC Ltd.	***	***	***
Nirlon Ltd	***	***	***
Tyre Cord Fabric Ltd.	***	***	***
Total	***	***	***
P/L (Rs. /kg)			
SRF Ltd.	(***)	***	***
NRC Ltd.	***	***	(***)
Nirlon Ltd	(***)	(***)	(***)
Tyre Cord Fabric Ltd.	(***)	(***)	(***)
Total	(19.72)	(11.04)	(8.75)

(e) Closing Stocks (MT)

The closing stocks of the petitioners were as given in the table below:-

Closing Stocks (MT)	98-99	99-2000	POI
	1767	529	1249

The closing stock as on 31st March 2000 was worth 6 days of sales made during 1999-2000 whereas the closing stock on 31st March 2001 was worth 15 days of sales made during 2000-01. The Authority however notes that the decline in sales (by 4009MT) is far more than the increase in stocks and cannot be attribute to increase in imports or decline in sales volume.

(f) Employment & Wages:-

On an overall basis, number of persons employed by the domestic industry was 4187 during 1999-2000. It went down to 3927 during POI. It may be noted that the number of employees given include in some cases the total number of persons employed by the petitioner companies and may not represent the number actually employed on the product concerned. However, due to continuing losses, wages remained more or less at the same level. When the effects of dumped imports are removed, the domestic industry would be in a position to effect wage increases.

(g) Cash flow and ability to raise investments:-

Sustained losses for the past three years have severely affected the cash flow position of the domestic industry. Deterioration in the profitability of one of the constituents of the domestic industry was also responsible for adverse cash flow.

J. Calculation of NIP by the Authority

The Authority notes that while standing of the domestic industry may not be an issue and the constituent units of the domestic industry may undergo a change, the costing information of all units (petitioners, supporters and those not opposing) would be vital for analyzing the reasonable non injurious price of all domestic manufacturers producing the subject goods as ultimately any antidumping duty seeks to provide a level playing field to all producers.

The Authority has therefore determined the NIP of the domestic industry in these review investigations after considering M/s century Enka also on account of following factors:

(a) M/s Century Enka was a part of the domestic industry in the original investigations;
(b) Century Enka is one of the biggest producers of the subject goods;
(c) Century Enka has not cited any reasons for not being an 'active participant' in these mid-term review investigations;
(d) The application of the domestic industry does not state why Century Enka is not a constituent unit of the domestic industry. At the same time, application of domestic industry did not specifically state that Century would not participate in the investigation and is not willing to provide relevant information;
(e) Century Enka has not opposed the petition;
(f) Century Enka continues to be a producer of NTCF;
(g) the costing information of all units (petitioners, supporters and those not opposing) would be vital for analysing the reasonable non-injurious price of all domestic manufacturers producing the subject goods as ultimately any antidumping duty seeks to provide a level playing field to all producers;
(h) The main reason for the domestic industry in filing this review petition was the reduction in customs duty immediately after the final notification which has eroded the impact of protection provided to the domestic industry. The reduction in customs duty and the consequent reduction in landed value have a direct impact on the injury margin determined by the Authority in the original investigation. The injury margin is the difference between the NIP and the landed value. This would have impacted all Indian Producers equally. Therefore, the level of protection required in these investigations can be determined only on the basis of costing data of all producers.
(i) Rule 6(8) of the Anti-Dumping Rules, as reiterated in the Initiation Notification, clearly states that, " In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit."

Rule 2 (c)(iii) defines an interested party as," a producer of the like article in India or a trade and business association a majority of the members of which produce the like article in India."

The NIP of the domestic industry has been determined by the Authority by adopting the data submitted in the original investigations, proportionate increase in the cost of production in line with the industry as a whole in respect of M/s Century Enka Ltd.

K. CONCLUSION ON INJURY

6. In view of the foregoing the Authority concludes that:-

(a) the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms (by 4.8% in POI over 1999-00); while demand has increased by 6.98% in the POI over 1998-99, imports from the subject countries have increased by 1.58% only in the POI as compared with 1998-99; the share of the imports from the subject countries as a percent of total imports has gone down gradually from 87.18% in the year 1998-99 to 81.05% during the period of investigation;
(b) the market share of the petitioner has gone down; however the increase in imports has been comparatively less than the decline in sales volume of the petitioners;
(d) imports from the subject countries have not undercut the prices of the domestic industry and are largely at prices above the non-injurious price of the domestic industry.

The Authority therefore concludes that the material injury to the domestic industry is not due to imports of the subject goods from the subject countries.

7. Duty less than dumping margin:-

The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of NTCF and has determined the amount of injury margin. For this purpose, the Authority has compared the non-injurious selling price of the domestic industry with the landed value of imports from the subject countries. The Authority observed that the injury margin was largely negative.

L. Causal Link

The Authority notes that the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms by 4.8% in the POI over 1999-00. While demand has increased by 6.98% in the POI over 1998-99, imports from the subject countries have increased by only 1.58% in the POI as compared with 1998-99. The share of the imports from the subject countries as a percentage of total imports has gone down gradually from 87.18% in the year 1998-99 to 81.05% during the period of investigation. The Authority notes that the increase in imports in the POI is significantly less than the decline in sales volumes of the petitioner. Thus the dumped imports from the subject countries had no volume effect on the domestic industry. In examining the price effect, that is, whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, the Authority notes that the landed value of NTCF from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan has been significantly higher than the net selling price of the petitioner during the period of investigation. Therefore the question of price undercutting or material injury to the petitioner from the said imports does not arise. The Authority therefore holds that the material injury to the domestic industry has not been caused by the dumped imports from the subject countries.

8. FINAL FINDINGS:-

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

(a) NTCF originating in or exported from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury to the extent that they have suffered losses; however direct losses per unit of sale have declined in the POI as compared to 98-99;

(c) however, no causal link could be established between the injury suffered by the domestic industry and the dumped imports from the subject countries.

9. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

10. In view of the above and as a result of this review investigation, the Designated Authority considers it necessary to recommend discontinuance of the anti-dumping duties recommended earlier vide Final Findings No. 31/1/1998- ADD dated 22/2/2000 and imposed on all imports of Nylon Tyre Cord Fabric classified under Customs Sub heading 5902.10.00 of the Customs Tariff Act, 1975 being the subject matter of this investigation, originating in or exported from Indonesia, Korea, Thailand and Taiwan.

11. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.